@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 5 जून 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 197 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

'ये भारत के लोकतंत्र की जीत है': पीएम मोदी

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 4 जून। लोकसभा चुनाव के रुझानों में एनडीए को झटका लगा है और चार सौ पार का नारा देने वाला एनडीए 300 पार के लिए तरस गया है। अभी तक के रुझानों से स्पष्ट है कि देश में गठबंधन की सरकार बनेगी। भाजपा को उत्तर प्रदेश और बंगाल जैसे राज्यों में काफी नुकसान झेलना पड़ा, साथ ही महाराष्ट्र में भी विपक्षी गठबंधन का प्रदर्शन शानदार रहा है। कांग्रेस ने इसे जनता की जीत बताया। भाजपा मुख्यालय में पीएम मोदी ने कहा कि ये लोकतंत्र की जीत है। उन्होंने कहा मैं आज देश के चुनाव आयोग का भी अभिनंदन करुंगा। चुनाव आयोग ने दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव इतनी कुशलता के साथ संपन्न कराया है। करीब 100 करोड़ मतदाता, 11 लाख पोलिंग स्टेशन, 1.5 करोड़ मतदान कर्मी, 55 लाख वोटिंग मशीनों के साथ काम किया। भारत की चुनाव प्रक्रिया, चुनाव के पूरे सिस्टम पर हर भारतीय को गर्व है। मैं इन्फ्लुएंसर्स को कहूंगा, ओपनियन मेकर्स को कहूंगा कि भारतीय लोकतंत्र में चुनाव प्रक्रिया की ताकत हैं। ये अपने आप में बहुत बड़ा गौरव का विषय है। जेपी नड्डा ने कहा 'जहां हम दूर दूर तक नहीं थे, उस केरल में कमल खिला है।' उन्होंने आगे कहा 'मोदी सरकार गरीबों के लिए काम करती रहेगी। पीएम मोदी के नेतृत्व में अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली और दुनिया ने भी इस बात की सराहना की। पीएम मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं और इसी के साथ भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बनेगी।' जेपी नड्डा ने विपक्ष पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा 'विपक्ष नकारात्मक सोच के साथ काम करता है। चुनाव के दौरान इन्होंने झूठ फैलाया और फर्जी वीडियो फैलाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। विपक्ष के नेताओं ने पीएम मोदी को अपशब्द कहे। यह विपक्ष की बौखलाहट है। लोगों ने इस अवसरवादी गठबंधन को बार बार खारिज किया है।' भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा 'मैं भाजपा कार्यकर्ताओं का हार्दिक अभिनंदन करता हूं और हार्दिक धन्यवाद देता हूं। मतदाताओं ने देश को एक ऐतिहासिक पल का गवाह बनने दिया और पीएम मोदी के नेतृत्व को आगे बढ़ाने का काम किया। ऐसे करोड़ों देशवासियों को मैं हार्दिक धन्यवाद देता हूं। 2014 के बाद मोदी जी के नेतृत्व में एक मजबूत सरकार बनी। इस मजबूत सरकार को 2019 में फिर से जनता का

आशीर्वाद मिला। अब 2024 में पीएम मोदी की नीतियों को जनता ने आशीर्वाद दिया।' गृहमंत्री अमित शाह ने चुनाव नतीजों पर भाजपा कार्यकर्ताओं का शुक्रिया अदा किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा 'भाजपा को तीसरी बार मिली यह जीत हमारे कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम का प्रतिफल है। इस जीत के लिए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और देश के हर भू-भाग में मेहनत करने वाले सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को मैं बधाई देता हूँ। भाजपा के लिए उनके कार्यकर्ता ही सबसे बड़ी पूंजी हैं। आप सभी ने जिस परिश्रम से उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम तक गली-गली, घर-घर जाकर मोदी जी के लिए जनता का आशीर्वाद मांगा है, वह सचमुच सराहनीय है। मैं आप सभी को इस भगीरथ प्रयास के लिए मनपूर्वक शुभकामनाएं देता हूँ। मुझमें पुन: अपना विश्वास प्रकट करने के लिए गाँधीनगर लोकसभा क्षेत्र की जनता को नमन करता हूँ। क्षेत्र के विकास व क्षेत्रवासियों की समृद्धि और उन्नति के लिए मैं निरंतर संकल्पित भाव से कार्य करता रहूँगा। विकसित भारत के निर्माण में गाँधीनगर की अग्रणी भूमिका सुनिश्चित करने के लिए मैं कटिबद्ध हूं। मोदी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ एक-एक व्यक्ति को मिले और गाँधीनगर देश के सबसे विकसित क्षेत्र में से एक बने, यह सदैव मेरी प्राथमिकता रहेगी।' पीएम मोदी ने चुनाव नतीजों के बाद जनता का आभार प्रकट किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि 'देश की जनता-जनार्दन ने एनडीए पर लगातार तीसरी बार अपना विश्वास जताया है। भारत के इतिहास में ये एक अभूतपूर्व पल है। मैं इस स्नेह और आशीर्वाद के लिए अपने परिवारजनों को नमन करता हूं। मैं देशवासियों को विश्वास दिलाता हूं कि उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हम नई ऊर्जा, नई उमंग, नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ेंगे। सभी कार्यकर्ताओं ने जिस समर्पण भाव से अथक मेहनत की है, मैं इसके लिए उनका हृदय से आभार व्यक्त करता हूं, अभिनंदन करता हूं।' अयोध्या लोकसभा सीट पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, इस पर मैं कोई टिप्पणी नहीं करूंगी, चुनाव हो गए हैं। बात यह है कि देश के असली शंकराचार्य-संत उन्होंने इसके खिलाफ में कहा था और आपने अयोध्या के लोगों की भावना देख ली है, उन्होंने अपनी राय दे दी है। मुझसे ज़्यादा वे(अयोध्यावासी) कह सकते हैं।

राहुल गांधी की तीन लाख 90 हजार वोटों से रिकॉर्ड जीत

तेजिन्दर कौर बब्बर

रायबरेली, 4 जून। रायबरेली की सीट एक बार फिर से कांग्रेसियों के लिए खुशी लेकर आई। कांग्रेस के दिग्गज नेता राहुल गांधी यहां बड़े अंतर से चुनाव जीतने में सफल रहे। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के दिनेश प्रताप सिंह को करीब तीन लाख 90 हजार वोटों से हराया। रायबरेली लोकसभा सीट पर गठबंधन प्रत्याशी राहुल गांधी की जीत ने कांग्रेसियों को काफी लंबे असरे बाद झूमने का मौका दिया। इस बार की जीत बहुत खास रही है। गांधी परिवार की तीसरी पीढ़ी के तौर पर राहुल गांधी चुनाव मैदान में उतरे थे और पूरे देश की निगाह रायबरेली परिणाम पर लगी थी। वहीं कांग्रेस का दुर्ग जीतने की मंशा सफल न होने से भाजपाइयों में बहुत मायूसी रही। कोई भी पदाधिकारी कुछ भी बोलने से बचता रहा। रायबरेली में कांग्रेसियों को 2019 लोकसभा चुनाव बाद खुश होते देखा गया। इससे पहले विधानसभा चुनाव 2022 में हार के साथ कांग्रेस की गिरते ग्राफ से कांग्रेसियों के चेहरे पर चहक गायब हो गई थी। 2024 के

लोकसभा चुनाव ने कांग्रेस को संजीविनी देने का काम किया। खासकर रायबरेली में कांग्रेसियों का उत्साह उसी समय से चरम पर था, जब राहुल गांधी ने नामांकन पत्र भरा था। शुरू से ही सपा और कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता जीत के लिए आश्वस्त नजर आए। मंगलवार को ईवीएम खुली और जैसे-जैसे राहुल गांधी लीड लेते रहे, वैसे-वैसे भीषण गर्मी को दरकिनार कर कांग्रेसियों का उत्साह चरम पर पहुंचता रहा। सिविल लाइन स्थित कार्यालय पर जमा कांग्रेसियों के चेहरे पर जीत की खुशी दिखी। इस दौरान कांग्रेस ने बड़ा मंगल पर भंडारा का आयोजन कराया। जिसमें लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। वहीं भाजपा के अटल भवन स्थित कार्यालय पर कार्यकर्ता टीवी स्क्रीन पपर लोकसभा चुनावों को परिणाम को देखते नजर आए। पार्टी की हार से कार्यकर्ता बेहद मायूस दिखे। करीब 10 साल बाद भाजपा कार्यालय में उदासी दिखी। इस चुनाव में बसपा की सक्रियता नहीं दिखी। पार्टी प्रत्याशी ठाकुर प्रसाद यादव ने सरेनी को छोड़कर कहीं भी चुनाव प्रचार नहीं किया था। शहर के राणा नगर में पार्टी का चुनाव कार्यालय खोला गया था, जिसे 18 मई को ही बंद कर दिया गया। मतगणना के दौरान भी बसपाई नदारद रहे।

भारतीय वायुसेना का सुखोई लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त

नासिक, 4 जून। भारतीय वायुसेना का एक सुखोई लड़ाकू विमान मंगलवार को क्रैश हो गया। हादसा महाराष्ट्र के नासिक में हुआ है। नासिक रेंज के विशेष महानिरीक्षक डी आर कराले ने बताया कि सुखोई एसयू-30 एमकेआई विमान के पायलट और सह-पायलट सुरक्षित बाहर निकल आए। विमान शिरसगांव गांव के पास एक खेत में दुर्घटनाग्रस्त हुआ है। अधिकारी ने बताया कि विमान विंग कमांडर बोकिल और उनके दूसरे कमांडर बिस्वास उड़ा रहे थे। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि दोनों पायलट सुरक्षित बाहर निकल आए और उन्हें मामूली चोटें आई हैं। उन्हें एचएएल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने आगे बताया कि दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद विमान में आग लग गई, जिसे बुझा दिया गया है। विमान के हिस्से 500 मीटर के दायरे में फैले हुए हैं। भारतीय वायुसेना, एचएएल सुरक्षा और एचएएल तकनीकी इकाई की टीमों ने घटनास्थल का दौरा किया। रूसी सुखोई एसयु-30 एमकेआई भारतीय वायुसेना में सबसे ताकतवर एयरक्राफ्ट माना जाता है। भारतीय वायुसेना के पास 272 सक्रिय सुखोई एसयु-30 एमकेआई हैं, इस एयरक्राफ्ट में दो इंजन हैं और दो चालको के बैठने की जगह है। इनमें से कुछ एयरक्राफ्ट को सुपरसोनिक मिसाइल ब्रह्मोस को लॉन्च करने के लिए भी अपग्रेड किया गया है। सुखोई विमान 3,000 किलोमीटर तक हमला कर सकता है। जबकि इसकी क्रूज रेंज 3,200 किलोमीटर तक है और कॉम्बेट रेडियस 1,500 किलोमीटर है। वजन में भारी होने के बावजूद यह लड़ाकू विमान अपनी तेज़ गति के लिये जाना जाता है।

ममता सरकार की नीतियों पर जनता को भरोसा

कौमी संवाददाता

कोलकाता, 4 जून। लोकसभा चुनाव के नतीजे आ रहे हैं। भाजपा समर्थित एनडीए ने रुझानों में बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है। हालांकि, विपक्षी गठबंधन ने इस बार एनडीए को कड़ी टक्कर दी है। इस बीच, पश्चिम बंगाल के सत्तारूढ़ दल तृणमूल कांग्रेस ने 42 में से 30 सीटों पर बढ़त बना रखी है। रुझानों के बीच टीएमसी ने कहा कि यह नतीजे ममता सरकार की जन-समर्थक नीतियों में लोगों के विश्वास और भाजपा के खिलाफ निराशा के माहौल को दर्शाता है। चुनाव आयोग की वेबसाइट के अनुसार, दोपहर 12:30 बजे तक कई दौर की मतगणना के बाद टीएमसी 31 सीटों पर आगे थी। वहीं, भाजपा 10 और कांग्रेस एक सीट पर आगे थी। टीएमसी प्रवक्ता शांतनु सेन ने कहा कि राज्य की जनता ने जनादेश से बंगाल विरोधी ताकतों को हरा दिया है। नतीजों से साफ होता है कि एग्जिट पोल भाजपा समर्थक मीडिया का दिखावा था। बता दें, 2019 लोकसभा चुनावों में

टीएमसी ने 22 सीटें जीती थीं, जबकि भाजपा ने 18 और कांग्रेस ने दो सीटें जीती थीं। रुझानों के चलते टीएमसी कार्यकर्ताओं में उत्साह है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बंगाल में टीएमसी कार्यकर्ता जय बांग्ला, टीएमसी जिंदाबाद और भाजपा हाय-हाय के नारे लगा रहे हैं। टीएमसी समर्थक जादवपुर, कोलकाता दक्षिण, कोलकाता उत्तर, डायमंड हार्बर, बैरकपुर, आसनसोल, दुर्गापुर-बर्धमान सहित अन्य शहरों में सड़कों पर जश्न मना रहे हैं। अधिकतर लोगों ने टीएमसी सुप्रीमो की तस्वीरें और पार्टी के प्रतीक के कटआउट लिए हुए थे। जादवपुर में एक टीएमसी कार्यकर्ता ने कहा कि जश्न अभी शुरू हुआ है। बाहरी लोगों के दखल और पीएम मोदी की टिप्पणियों को मतदाताओं ने नकार दिया है। लोगों ने दीदी और अभिषेक बनर्जी को वोट दिया है। शांतनु ने राष्ट्रीय स्तर के रुझानों पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि लोगों ने भाजपा के अहंकार और कुशासन के खिलाफ मतदान किया है। परिणामों से साफ होता है कि भाजपा नैतिक रूप से और राजनीतिक रूप से भी पराजित हुई है।

दिल्ली में इंडी गठबंधन की बैठक आज हो सकती है

नई दिल्ली, 4 जून। लोकसभा चुनाव 2024 के नवीनतन रुझानों में भाजपा नीत एनडीए आगे चल रही है। रुझान जारी होने के बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-एसपी (राकांपा-एसपी) के प्रमुख शरद पवार ने बताया कि इंडी गठबंधन कल यानी की बुधवार को दिल्ली में एक बैठक करेगी। उन्होंने भाजपा पर तंज भी कसा। राकांपा-एसपी प्रमुख ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा की जीत का अंतर बहुत कम है। बता दें कि उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों में भाजपा 36 पर, तो समाजवादी पार्टी (सपा) 33 सीटों पर आगे है।

यूक्रेन शिखर सम्मेलन में शामिल होगा भारत

नई दिल्ली, 4 जून। रूस-यूक्रेन के बीच जारी जंग को रोकने के लिए स्विट्जरलैंड में शांति शिखर सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इसका मकसद संकट को खत्म करना और क्षेत्र में शांति लाना है। हालांकि, भारत की ओर इस सम्मेलन में भागीदारी के स्तर पर कोई फैसला नहीं लिया गया है। नाम न छापने की शर्त पर मामले से जुड़े करीबी लोगों ने कहा कि 15-16 जून के दौरान लेक ल्यूसर्न के ऊपर बर्गेनस्टॉक होटल में होने वाले यूक्रेन शिखर सम्मेलन में भारत के शामिल होने की उम्मीद है। हालांकि, नई दिल्ली का प्रतिनिधित्व प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री एस जयशंकर सहित शीर्ष नेताओं के द्वारा नहीं किया जाएगा। लोगों ने कहा, शांति शिखर सम्मेलन में भारत की भागीदारी 2022 के बाद से कोपेनहेगन, जेद्दा, माल्टा और दावोस में आयोजित वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों और राजनीतिक सलाहकारों की चार पिछली बैठकों के समान स्तर पर होने की उम्मीद है। इनमें से ज्यादातर बैठकों का प्रतिनिधित्व विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) या उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार द्वारा किया गया था। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने सऊदी अरब द्वारा पिछले साल अगस्त में जेद्दा में आयोजित बैठक में भाग लिया था। उनके स्विट्जरलैंड जाने की संभावना नहीं है। इस सम्मेलन में भारत की भागीदारी सुनिश्चित है, इसके लिए पिछले महीने स्विट्जरलैंड के विदेश सचिव अलेक्जेंडर फासेल को नई दिल्ली भेजा गया था। फासेल ने मीडिया को बताया था कि भारत और ब्रिक्स समूह के अन्य देश रूस और पश्चिम के बीच मध्यस्थ के रूप में काम कर सकते हैं। सम्मेलन में रूस को आमंत्रित नहीं किया गया है।

जो मुलायम न कर सके, वह अखिलेश ने कर दिखाया

सौरभ शर्मा

लखनऊ, 4 जून। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों में सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में मुकाबला दिलचस्प नजर आया। भाजपा और सपा-कांग्रेस के बीच कांटे की टक्कर रही। 2019 के मुकाबले भाजपा को बड़ा झटका लगा। वहीं, सपा वोट प्रतिशत के लिहाज से अपना सर्वश्रेठ प्रदर्शन करती दिखाई दे रही है। सीटों के हिलाज से भी अखिलेश यादव की पार्टी को बड़ा फायदा होता दिख रहा है। अखिलेश सपा के चुनावी इतिहास का सबसे बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। लोकसभा सीटों के लिहाज से सपा ऐसा प्रदर्शन मुलायम सिंह यादव के समय भी नहीं कर पाई थी। सपा के इस प्रदर्शन के क्या मायने हैं? पार्टी की सीटें बढ़ने की वजह क्या है? क्या यह वोट शेयर के लिहाज से सपा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है? बीते चुनावों में सपा प्रदर्शन कैसा रहा था? पार्टी को कब कितना वोट शेयर मिला? किस लोकसभा चुनाव में सपा ने कितनी सीटें जीती थीं? आइये जानते हैं... उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी करीब 37-38 सीटें जीतती दिखाई दे रही है। सत्ताधारी भाजपा को भी 32-33 के आसपास सीटें मिलने के आसार हैं। रुझान नतीजों में बदलते हैं तो ये कहा जाएगा कि सपा और कांग्रेस को गठबंधन से फायदा हुआ। दोनों दलों ने एक दूसरे को वोट ट्रांसफर भी किए। इन नतीजों के बाद उत्तर प्रदेश में विपक्ष में नया आत्मविश्वास आएग। इसके साथ ही राज्य सरकार की नीतियों और फैसलों के खिलाफ विपक्ष

और आक्रामक होगा। सपा और कांग्रेस के आगे बढ़ने की एक बड़ी वजह उत्तर प्रदेश में मायावती की पार्टी बसपा का वोट शेयर घटना रहा। कभी इस पार्टी के लिए कहा जाता था कि बसपा का करीब 20 फीसदी वोटर ऐसा है जो पूरी तरह उसके साथ रहता है। इस चुनाव यह वोट शेयर घटकर नौ फीसदी के करीब रह गया। दलित वोटों का बसपा से दुराव और सपा-कांग्रेस गठबंधन की तरफ जाना भी इसकी एक वजह रही। वहीं, मुस्लिम वोटों का एकमुश्त सपा-कांग्रेस गठबंधन को वोट देने से भी इस गठबंधन को फायदा हुआ। वोट शेयर के लिहाज से देखेंगे तो यह सपा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। 2004 में पार्टी ने 35 सीटों पर जीत दर्ज की थी। तब उसका वोट शेयर 26.74 फीसदी रहा था। वोट शेयर के लिहाज से पार्टी का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1998 में था जब उसे 28.7 फीसदी वोट मिले थे। उस चुनाव में पार्टी 20 सीटें जीतने में सफल रही थी। इस बार समाजवादी पार्टी को 33 फीसदी से ज्यादा वोट मिलते दिख रहे हैं। वहीं, सपा के साथ गठबंधन करके चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस पार्टी को भी 10 फीसदी से ज्यादा वोट मिल सकता है। इस लिहाज से यह गठबंधन 43 फीसदी से ज्यादा वोट पाता दिख रहा है। अक्तूबर 1992 में समाजवादी नेता मुलायम सिंह यादव ने समाजवादी पार्टी की स्थापना की थी। पार्टी ने अपना पहला लोकसभा चुनाव साल 1996 में लड़ा। उत्तर प्रदेश की क्षेत्रीय पार्टी को इस चुनाव में ही 16 सीटें मिलीं। 1996 में सपा को राज्य में 20.84त्न मत मिले थे। अगले लोकसभा चुनाव 1998 में कराए गए। इस चुनाव में सपा ने अपना जनाधार बढ़ाया और सीटों की संख्या बढ़कर 20 हो गई।

मुसलमान-दलित मतदाताओं ने कांग्रेस को दी लाइफ लाइन

नई दिल्ली, 4 जून। मुसलमान और दलित मतदाताओं ने कांग्रेस को देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में पुनर्जीवित कर दिया। समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन में उसे कम सीटों पर लड़ने का अवसर मिला,

लेकिन इसके बाद भी उसने अपनी सीटों की संख्या में जबरदस्त सुधार किया है। कांग्रेस ने न केवल रायबरेली और अमेठी सीट जीती, बल्कि दूसरी कई महत्वपूर्ण सीटों पर भी कब्जा कर लिया। यहां तक कि वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ लड़े यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय को भी बहुत अच्छे वोट मिले हैं। मुसलमानों ने जिस तरह कांग्रेस के पक्ष में एकजुट होकर मतदान किया है, माना जा रहा है कि समाजवादी पार्टी को मिली जीत में भी कांग्रेस से उसके हुए गठबंधन का सबसे बड़ा योगदान है। उत्तर प्रदेश में सीटों की संख्या और मत प्रतिशत के हिसाब से भाजपा को बड़ा नुकसान हुआ है, लेकिन सबसे बड़ा नुकसान बसपा का हुआ है। उसकी न केवल सीटें कम हो गईं, बल्कि उसका आधार वोट बैंक भी खिसककर दूसरे दलों की ओर चला गया। राजनीतिक पंडित मान रहे हैं कि मल्लिकार्जुन खड़गे के कारण दलित समाज कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के साथ खड़ा हो गया। इससे यूपी के साथ साथ पंजाब और कर्नाटक तक इंडिया गठबंधन को लाभ मिला। इसने कांग्रेस को जबरदस्त वापसी करने का मौका मिला है। राहुल गांधी अपनी सभाओं में लगातार संविधान की प्रति लहराते हुए यह बात कहते थे कि भाजपा जीतने के बाद संविधान बदल देगी। माना जा रहा है कि इससे दलित समुदाय के मतदाताओं में यह बात फैल गई कि उनके दलित आइकॉन बाबा साहब अम्बेडकर के बनाये हुए संविधान को बदल सकती है। भाजपा नेताओं ने बार-बार इस गलतफहमी को दूर करने की कोशिश की, लेकिन दलितों के बीच इस गलतफहमी को वह दूर नहीं कर पाई और उसे इसका नुकसान उठाना पड़ा।

हिमाचल में भाजपा की क्लीन स्वीप, चारों लोकसभा सीटों पर दर्ज की जीत

नरेश मल्होत्रा

शिमला, 4 जून। हिमाचल प्रदेश की 4 लोकसभा सीटों और 6 विधानसभा सीटों के चुनाव परिणाम घोषित हो गए हैं। लोकसभा चुनाव में भाजपा ने क्लीन स्वीप करते हुए चारों सीटें जीती हैं। वहीं विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस को चार व भाजपा को दो सीटें मिली हैं। लोकसभा चुनाव 2024 में शिमला संसदीय सीट पर भाजपा ने लगातार चौथी बार जीत दर्ज कर चौका लगा दिया। इस सीट पर भाजपा के उम्मीदवार और 2019 में भी इस सीट से सांसद चुने गए सुरेश कश्यप ने कांग्रेस के उम्मीदवार विनोद सुल्तानपुरी को 91,451 मतों से हराकर जीत दर्ज की है। कश्यप ने कुल 519748 वोट हासिल किए। वहीं, विनोद सुल्तानपुरी को 428297 वोट मिले। इस सीट पर 5930 ने नोटा दबाया। हिमाचल प्रदेश की चारों लोकसभा सीटों पर जीत का परचम लहराने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाता है। 18वीं लोकसभा के चुनाव परिणाम के बाद नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। यह बात पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कही। मंडी संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी कंगना रणौत की जीत के बाद उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश ने 2014 के बाद लगातार चारों सीटों पर जीत का इतिहास एक बार फिर दोहराया है। हिमाचल के मतदाताओं ने प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों पर मोहर लगाई है। लगातार भाजपा पर विश्वास जताने के लिए प्रदेश की जनता का आभार। उन्होंने कहा कि, जहां तक मंडी संसदीय सीट का सवाल है, यह देशभर में चर्चा में रही। हर कहीं हर कोई मंडी संसदीय सीट का जिक्र कर रहा था। मगर हमें भरोसा था कि मंडी में भाजपा का परचम फहराया जाएगा।मंडी की प्रबुद्ध जनता ने भाजपा को समर्थन दिया और यहां से कंगना रणौत को विजयी बनाया। हिमाचल लोकसभा चुनाव और विधानसभा उपचुनाव के परिणाम आने के बाद भाजपा कार्यालय में जहां खुशी का माहौल रहा। वहीं, कांग्रेस पार्टी कार्यालय में न खुशी न गम का माहौल देखा गया। भाजपा

को लोकसभा चुनाव में चारों सीटें मिलने पर कार्यालय के बाहर पटाखे फोड़े गए। मिठाइयां बांटकर एक दूसरे को बधाई दी गई। वहीं कांग्रेस पार्टी को उपचुनाव में चारों सीटें जीतने संतुष्ट होना पड़ा है। हालांकि पार्टी कार्यालय में उपचुनाव पर विजयी होने पर एक दूसरे को बधाई दी गई लेकिन पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं में लोकसभा चुनाव की चारों सीटों पर हार का गम भी नजर आए। कांग्रेस पार्टी की अध्यक्ष प्रतिभा सिंह और मंडी संसदीय क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी विक्रमादित्य के कार्यालय में पहुंचने पर एकाएक भीड़ उमड़ गई। लोकसभा चुनाव 2024 में कांगड़ा से भाजपा के डॉ. राजीव भारद्वाज ने हिमाचल में सबसे बड़ी जीत हासिल की है। इस चुनाव में भाजपा ने ब्राह्मण चेहरे राजीव भारद्वाज को प्रत्याशी बनाया था। राजीव भारद्वाज ने कांग्रेस के आनंद शर्मा को 251895 मतों से पराजित किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने प्रदेश में लोकसभा चुनावों में पार्टी की हार को स्वीकार करते हुए कहा है कि लोकतंत्र में जनमत ही सर्वोपरि है। वह इसका पूरा सम्मान करती हैं।उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने बड़ी मजबूती से यह चुनाव लड़ा। उन्होंने उन मतदाताओं का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इन चुनावों में अपना महत्वपूर्ण मत दिया।

दक्षिण कोरिया का डीपीआरके के साथ सैन्य समझौता टला

एजेंसी

सोल। दक्षिण कोरिया ने डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया (डीपीआरके) के साथ 19 सितम्बर के सैन्य समझौते को फिलहाल टालने का निर्णय लिया। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति कार्यालय के अनुसार यह निर्णय राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एनएससी) की कार्य-स्तरीय बैठक के दौरान लिया गया, जिसकी अध्यक्षता प्रधान उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार किम ताए-ह्यो ने की।राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि सैन्य समझौते के पूरे प्रभाव को रोकने का एजेंडा मंगलवार को दक्षिण कोरिया की कैबिनेट की बैठक में मंजूरी के लिए पेश किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि सीमा पार सभी शत्रुतापूर्ण गतिविधियों को रोकने के लिए प्योंगयांग में 2018 अंतर-कोरियाई शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों कोरिया के रक्षा प्रमुखों द्वारा समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे।

ईरान के राष्ट्रपति पद की दौड़ में पूर्व उपराष्ट्रपति इशाक जहांगीरी हुए शामिल

एजेंसी

तेहरान। ईरान के पूर्व उपराष्ट्रपति एशहाक जहांगीरी ने 28 जून को देश में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए आधिकारिक तौर पर अपना पंजीकरण कराया। इसके साथ ही वह पूर्व राष्ट्रपति महमूद अहमदीनेजाद और ईरानी संसद के पूर्व अध्यक्ष अली लारिजानी सहित कई प्रतिष्ठित लोगों के साथ राष्ट्रपति पद की दौर में शामिल हो गए हैं। जहांगीरी ने मोहम्मद खातमी के राष्ट्रपति रहते हुए 1997 से 2005 तक उद्योग और खान मंत्री के रूप में कार्य किया। वह ईरानी राजनीति में एक विवादास्पद व्यक्ति रहे हैं, आलोचक अक्सर आर्थिक मंदी के दौर में उनकी भूमिकाओं की ओर इशारा करते रहे हैं।

उपराष्ट्रपति और रूहानी के आर्थिक मामलों के प्रभारी व्यक्ति के रूप में, उन्होंने 2018 में ट्रम्प प्रशासन द्वारा लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंधों के प्रभाव को कम करने की कोशिश की, लेकिन रूहानी प्रशासन और उसके उत्तराधिकारी, राईसी सरकार, दोनों छह साल के आर्थिक संकट का समाधान करने करने में विफल रहे। संभावित उम्मीदवारों के लिए पांच दिवसीय पंजीकरण अवधि 30 मई से शुरू होकर तीन जून को समाप्त हुई। उम्मीदवारों की अंतिम सूची 11 जून को प्रकाशित की जाएगी। 19 मई को एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में राष्ट्रपति इब्राहिम राईसी की मृत्यु के कारण देश में शीघ्र चुनाव आवश्यक हो गया है, जिसमें विदेश मंत्री होसैन अमीर अब्दुल्लाहियन और छह अन्य लोगों की भी जानें गई थी।

पाकिस्तान में कोयला खदान में गैस रिसाव से 11 लोगों की मौत

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के क्वेटा के पास एक कोयला खदान में गैस रिसाव के कारण नौ खनिकों सहित 11 लोगों की मौत हो गयी। पाकिस्तानी अखबार 'डॉन' ने सोमवार को बलूचिस्तान के मुख्य खान निरीक्षक अब्दुल गनी के हवाले से अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। कोयला खदान क्वेटा से 40 किलोमीटर दूर स्थित है। इस घटना के बाद खदान बंद कर दी गई थी। अखबार ने अपनी रिपोर्ट कहा कि नौ खनिकों के अलावा, एक ठेकेदार और एक खदान प्रबंधक भी मृतकों में शामिल हैं।

टोक्यो के नारिता हवाई अड्डे पर कार्गो विमान को आपातस्थिति में उतारा

टोक्यो। जापान में टोक्यो के नारिता हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ सेकंड बाद ही एक मालवाहक विमान में आग लगने की वजह से आपातकालीन स्थिति में उतारा गया। राष्ट्रीय प्रसारक एनएचके ने मंगलवार को अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। एनएचके द्वारा प्रसारित लाइव फुटेज में दिखाया गया कि विमान के दाहिने ओर की इंजन में आग लग गई। इसके बाद विमान ने आपातस्थति में उतारने के लिए घोषणा की। हवाई अड्डे के अनुसार विमान को स्थानीय समयानुसार सुबह 11:20 बजे उतरना था। आपातकालीन लैंडिंग के बाद रनवे को बंद करने की कोई योजना नहीं है।

महमूद अहमदीनेजाद ईरान के राष्ट्रपति पद की रेस में हुए शामिल

एजेंसी

तेहरान। ईरान के पूर्व राष्ट्रपति महमूद अहमदीनेजाद अपना आवेदन जमा कर ईरानी राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल हो गये हैं। तस्नीम एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अपना आवेदन दाखिल करने के लिए आंतरिक मंत्रालय में अहमदीनेजाद की उपस्थिति ने बड़ी संख्या में फोटोग्राफरों और पत्रकारों को आकर्षित किया।

अहमदीनेजाद 2005 से 2013 तक लगातार दो कार्यकालों के लिए ईरान के राष्ट्रपति रहे हैं, उन्होंने एक उम्मीदवार के रूप में अपना पंजीकरण करने के बाद एक भाषण भी दिया। ईरान के 14वें राष्ट्रपति चुनाव के लिए पंजीकरण प्रक्रिया 30 मई को तेहरान में आंतरिक मंत्रालय के मुख्यालय में शुरू हुई और तीन जून को समाप्त होगी। इससे पहले,

ईरानी संसद के पूर्व स्पीकर अली लारिजानी ने भी 28 जून को होने वाले ईरानी राष्ट्रपति चुनावों के लिए अपना पंजीकरण कराया। इस महीने की शुरुआत में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी और सात अन्य लोगों की मौत के बाद ईरान में राष्ट्रपति चुनाव कराना आवश्यक हो गया है।

पिछले चार दिनों में लगभग 80 लोगों ने अपनी उम्मीदवारी के लिए अनुरोध किया है, जबकि एक महिला सहित 20 से कम लोगों ने पंजीकरण के लिए पात्रता मानदंडों को पूरा किया है। सभी आवेदकों को संवैधानिक परिषद द्वारा सावधानीपूर्वक जांचा जाएगा और 11 जून को अंतिम उम्मीदवारों की सूची घोषित की जाएगी। चुनाव प्रचार की अवधि 12-26 जून के लिए निर्धारित है, जबकि राष्ट्रव्यापी राष्ट्रपति चुनाव शुक्रवार, 28 जून को होंगे। ईरान में 1979 में इस्लामी क्रांति की जीत के बाद 14वां नया प्रशासन, जून के अंत या जुलाई की शुरुआत में सत्ता ग्रहण करेगा और चार वर्षों तक पद धारण करेगा। ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी और उनके काफिले को ले जा रहा एक हेलीकॉप्टर 19 मई को उत्तर-पश्चिमी पहाड़ी जंगलों में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें राष्ट्रपति, विदेश मंत्री हुसैन अमीर अब्दुल्लाहियान और छह अन्य लोगों की मौत हो गई। संविधान के अनुसार, प्रथम उपराष्ट्रपति मोहम्मद मोखबर ने इस्लामी क्रांति के नेता अयातुल्ला सैयद अली खामनेई की सहमति से कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में पदभार संभाला है।

फर्जी नौकरी की पेशकश को लेकर भारतीय दूतावास ने चेताया, थाई सीमा पर अपराध सिंडिकेट सक्रिय

म्यांमार। म्यांमार में भारतीय दूतावास ने नौकरी की तलाश कर रहे भारतीयों को आगाह किया है कि वे फर्जी नौकरी की पेशकश को लेकर सावधान रहें और अवैध रोजगार के लालच में न फंसें। दूतावास की ओर से जारी परामर्श में कहा गया है कि म्यांमार-थाईलैंड सीमा पर म्यावाड्डी क्षेत्र में एक अंतरराष्ट्रीय अपराध सिंडिकेट सक्रिय है और कोई भी नौकरी की पेशकश स्वीकारने से पहले सावधानी बरतें। दूतावास ने कहा, म्यांमार-थाईलैंड सीमा पर म्यावाड्डी क्षेत्र में सक्रिय अंतरराष्ट्रीय अपराध सिंडिकेट का शिकार बनने वाले भारतीय नागरिकों की संख्याओं में वृद्धि हुई है। इसमें यह भी सलाह दी गई है कि कोई भी नौकरी स्वीकारने से पहले संबंधित दूतावास से जरूर संपर्क करें। मायावाड्डी शहर के दक्षिण में फा लू क्षेत्र में एक नया स्थान हाल ही में सामने आया है, जहां अधिकांश भारतीय पीड़ितों को भारत के साथ-साथ मलेशिया, संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों से भर्ती करने के बाद थाईलैंड के माध्यम से तस्करी की जा रही है। दूतावास ने भारतीयों से सोशल मीडिया के माध्यम से की गई नौकरी की पेशकश को स्वीकार नहीं करने का आग्रह किया।

श्रीलंका में बाढ़ और भूस्खलन के कारण 10 लोगों की मौत

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका में भारी बारिश के कारण आई बाढ़ की वजह से स्कूल बंद कर दिए गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बाढ़ और बारिश संबंधी अन्य घटनाओं में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और छह अन्य लोग लापता हैं। शिक्षा मंत्रालय ने कहा कि स्कूलों को दोबारा खोलने को लेकर फैसला मौसम की स्थिति पर निर्भर करेगा।

देश में रविवार से हुई मूसलाधार बारिश के कारण कई स्थानों पर भारी तबाही हुई है, जिसके चलते घरों, खेतों और सड़कों पर पानी भर गया है और अधिकारियों को ऐहतियात के तौर पर बिजली आपूर्ति रोकनी पड़ी है। आपदा प्रबंधन केंद्र के अनुसार रविवार को राजधानी कोलंबो और सुदूर रतनपुरा जिले में छह लोगों की

बहने और डूबने से मौत हो गई जबकि पहाड़ों से मिट्टी कट कर मकानों पर गिरने से तीन अन्य लोगों की जान चली गई। पेड़ गिरने से एक व्यक्ति की मौत हुई। रविवार से छह लोग लापता हैं। केंद्र ने एक बयान में कहा कि सोमवार तक 5,000 से अधिक लोगों को बचाव केंद्र ले जाया गया है और 400 मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं। पीड़ितों को बचाने और भोजन व अन्य जरूरी सामान पहुंचाने के लिए नौसेना और थलसेना के जवानों को तैनात किया गया है। श्रीलंका में मई के मध्य में भारी मानसूनी बारिश होने के बाद से मौसम प्रतिकूल है। इससे पहले कई इलाकों में तेज हवाओं के चलते पेड़ उखड़ गए, जिनमें नौ लोगों की मौत हो गई। बीबीसी की सिंहली सेवा ने डीएमसी के निदेशक प्रदीप कोडिप्पिली के हवाले से बताया कि कोलंबो और दक्षिण के अन्य इलाकों में बाढ़ का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। कोडिपिली ने कहा, ÷कथित तौर पर कई इलाकों में अब तक 400 मिमी से अधिक बारिश हुई है। मामूली बाढ़ का खतरा बढ़ कर बड़े बाढ़ के खतरे में बदल रहा है। उन्होंने श्रीलंकाई लोगों से सरकार और डीएमसी की आपातकालीन घोषणाओं पर ध्यान देने का आग्रह किया। डीएमसी ने कहा कि देश के 25 में से 20 जिले बारिश से प्रभावित हैं। सरकार ने कहा कि प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने के लिए सेना को तैनात किया गया है। वायु सेना के प्रवक्ता कैप्टन दुशान विजेसिंघे ने बीबीसी सिंहली को बताया कि राहत प्रयासों में मदद के लिए तीन हेलीकॉप्टर और बचाव दल पहले ही तैनात किए जा चुके हैं। बिजली और ऊर्जा मंत्रालय की सुलक्षणा जयवर्धने ने बताया कि कुछ इलाकों में बिजली आपूर्ति काट दी गई है। जयवर्धने ने कहा, ÷हमने डीएमसी के साथ समन्वय में इन क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति निलंबित कर दी है।÷ बाढ़ कम होने के बाद, हम स्थिति को देखेंगे और बिजली बहाल करने के लिए काम करेंगे।

हमास पर इस्राइल के संघर्ष विराम प्रस्ताव को स्वीकार करने का बढ़ेगा दबाव?

वाशिंगटन। हमास पर इस्राइल के संघर्ष विराम प्रस्ताव को स्वीकार करने का बढ़ेगा दबाव? जो बाइडन ने कतर से की बात हमास और इस्राइल बीते छह महीने से जंग लड़ रहे हैं। इस्राइल द्वारा हमास को खत्म करने का संकल्प गाजा पट्टी के लोगों पर भारी पड़ रहा है। गाजा में पैदा हुई मानवीय परिस्थितियों को लेकर दुनिया भर के लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। अमेरिका में लोग बड़ी संख्या में इस्राइल के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। इससे राष्ट्रपति जो बाइडन की मुश्किलें बढ़ गई हैं। वो लगातार गाजा में जंग रुकवाने का प्रयास कर रहे हैं।

अमेरिका में भारतीय छात्रा लापता, पुलिस ने पता लगाने के लिए आम लोगों से मांगी मदद

एजेंसी

ह्यूस्टन। अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य में पिछले सप्ताह 23 वर्षीय एक भारतीय छात्रा के लापता होने का ताजा मामला सामने आया है और पुलिस ने उसका पता लगाने के लिए आम लोगों से भी मदद मांगी है। पिछले काफी समय से भारतीय विद्यार्थियों के साथ इस तरह की घटनाएं सामने आ रही हैं। पुलिस के अनुसार कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, सैन बेर्नार्डिनो (सीएसयूएसबी) की छात्रा नितीशा कंदुला 28 मई को लापता हुई थी।

सीएसयूएसबी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर बताया कि नितीशा को आखिरी बार लॉस एंजिलिस में देखा गया था और 30 मई को उसके लापता होने की सूचना पुलिस प्रमुख जोन ग्यूटीरेज को दी गई। पुलिस ने कहा, ''लापता व्यक्ति को लेकर सूचना- सीएसयूएसबी की

छात्रा नितीशा कंदुला के बारे में अगर किसी के पास जानकारी है तो वह कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, सैन बेर्नार्डिनो पुलिस और हमारे सहयोगी लॉस एंजिलिस पुलिस विभाग को इसकी सूचना दें।'' पुलिस ने अपनी सूचना में लापता छात्रा के हुलिए का भी वर्णन किया है और जानकारी देने वालों के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। पिछले माह शिकागो से भी 26 वर्षीय भारतीय छात्र रूपेश चंद्र के लापता होने का मामला सामने आया था। इससे पहले मार्च से लापता 25 वर्षीय भारतीय छात्र मोहम्मद अब्दुल अरफात अमेरिका के क्लीवलैंड में मृत पाया गया था। हैदराबाद का रहने वाला अरफात पिछले साल मई में क्लीवलैंड यूनिवर्सिटी में आईटी में स्नातकोत्तर करने के लिए अमेरिका आया था। मार्च में 34 वर्षीय प्रशिक्षित शास्त्रीय नृतक अमरनाथ घोष की मिसौरी के सेंट लुइस में गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। दो फरवरी को 41 वर्षीय विवेक तनेजा पर वाशिंगटन में एक रेस्टोरेंट के बाहर जानलेवा हमला किया गया था।

अफगानिस्तान में हजारों बच्चे बाढ़ से प्रभावित, सैकड़ों लोगों की हुई मौत...यूनिसेफ ने दी जानकारी

एजेंसी

काबुल। अफगानिस्तान में, विशेष रूप से उत्तरी और पश्चिमी क्षेत्र में अचानक आई बाढ़ से हजारों बच्चे प्रभावित हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र की बाल एजेंसी ने यह जानकारी दी। देश के कई हिस्सों में असामान्य रूप से भारी मौसमी बारिश ने कहर बरपाया है, जिससे सैकड़ों लोगों की मौत हुई है और संपत्ति व फसलें नष्ट हो गई हैं। संयुक्त राष्ट्र खाद्य एजेंसी ने बताया है कई लोग मारे जा चुके हैं और अनेक लोग बेघर हुए हैं।

संयुक्त राष्ट्र खाद्य एजेंसी ने कहा है कि कई लोग रोजी रोटी कमाने में असमर्थ हैं। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने एक बयान में कहा कि बाढ़ की वजह से हजारों बच्चे प्रभावित हुए हैं। अफगानिस्तान में यूनिसेफ के प्रतिनिधि डॉ. ताजुद्दीन ओयेवाले ने कहा, अंतरराष्ट्रीय समुदाय को बच्चों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव कम करने और उससे निपटने के प्रयासों व खर्च को दोगुना करना चाहिए। पिछले सप्ताह, निजी समूह 'सेव द चिल्ड्रन' ने कहा था कि 2024 में अफगानिस्तान में लगभग 65 लाख बच्चे भूख से संबंधित गंभीर स्थिति का सामना कर रहे हैं।

अफगानिस्तान में बारूदी सुरंग विस्फोट में चार घायल

अफगानिस्तान के पूर्वी प्रांत कुनार में एक बारूदी सुरंग विस्फोट में चार लोग घायल हो गये हैं। प्रांतीय पुलिस के प्रवक्ता फरीदुल्ला देहकान ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रांत की राजधानी असदाबाद शहर के प्रीसिंक्ट-1 में एक होटल के सामने लगाई गई यह बारूदी सुरंग रविवार अपराह्न में फट गयी, जिसके कारण चार नागरिक घायल हो गए। अधिक जानकारी दिए बिना उन्होंने कहा कि जांच चल रही है और विवरण को सार्वजनिक किया जाएगा।

फलस्तीन ने आईसीजे में दायर किया आवेदन, इस्राइल के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका के मुकदमे में शामिल होने का अनुरोध

एजेंसी

हेग। इस्राइल और हमास के बीच बीते कई महीनों से भीषण जंग जारी है। इस बीच, फलस्तीनी अधिकारियों ने गाजा में इजराइल पर नरसंहार का आरोप लगाने वाले दक्षिण अफ्रीका के मुकदमे में शामिल होने की अनुमति के लिए संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष अदालत में आवेदन किया है। अधिकारियों ने आरोप लगाया कि इस्राइल का सैन्य अभियान फलस्तीनी समाज और उसकी संस्कृति व सामाजिक संस्थानों को नक्शे से मिटाने का व्यवस्थित हिस्सा है। अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में फलस्तीन राज्य की ओर से अनुरोध किया गया है और इसे फलस्तीनी प्राधिकरण ने विदेश मंत्रालय के अधिकारी अम्मार हिजाजी द्वारा हस्ताक्षरित किया गया है। दक्षिण अफ्रीका ने पिछले साल के अंत में आईसीजे में मामला दायर किया था और इस्राइल पर सैन्य अभियान के जरिए गाजा में नरसंहार करने का आरोप लगाया गया था। इस्राइल ने इस आरोप को खारिज करते हुए कहा था कि वह सात अक्तूबर के हमास के हमलों के बाद शुरू हुए युद्ध में अपने सैन्य अभियान में नरसंहार कर रहा है। इस्राइल गाजा के दक्षिणी शहर राफा में अपने हमलों का विस्तार कर रहा है। राफा युद्ध के बीच कभी मानवीय मदद के अभियानों का मुख्य केंद्र था। इस्राइली बलों के हमलों ने भूख का सामना कर रहे फलस्तीनियों के लिए भोजन, दवा और अन्य आपूर्ति के प्रवाह को रोका है।

पाकिस्तान की अदालत ने विरोध मार्च के दौरान तोड़फोड़ करने के दो मामलों में इमरान खान को किया बरी

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पार्टी के अन्य शीर्ष नेताओं को मार्च 2022 में विरोध मार्च के दौरान तोड़फोड़ करने से जुड़े मामलों में बरी कर दिया। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के 71 वर्षीय संस्थापक मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद से पिछले साल अगस्त से जेल में हैं। 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार की खबर के मुताबिक, इस्लामाबाद की जिला एवं सत्र अदालत ने इमरान खान, पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी, पूर्व संचार मंत्री मुराद सईद और पीटीआई के अन्य नेताओं को 'हकीकी आज़ादी' मार्च के दौरान तोड़फोड़ करने के दो मामलों में बरी कर दिया। मई 2022 में खान ने शहबाज़ शरीफ की अगुवाई वाली गठबंधन सरकार को गिराने के लिए लाहौर से इस्लामाबाद की तरफ एक मार्च शुरू किया था। खान के अविश्वास प्रस्ताव हारने के बाद शरीफ के नेतृत्व में यह

सरकार बनी थी। यह रैली पीटीआई के हकीकी आज़ादी' (वास्तविक स्वतंत्रता) हासिल करने और राष्ट्र को अमेरिका समर्थित गठबंधन सरकार की गुलामी से मुक्त कराने के संघर्ष का हिस्सा थी। उस समय इस्लामाबाद पुलिस ने संघीय राजधानी में आगजनी और तोड़फोड़ के आरोपों को लेकर खान, कुरैशी और पार्टी के अन्य नेताओं सहित 150 लोगों के खिलाफ अलग-अलग मामले दर्ज किए थे। इस महीने की शुरुआत में, इस्लामाबाद के एक न्यायिक मजिस्ट्रेट ने खान को 2022 में उनकी पार्टी के दो 'लॉन्ग मार्च' के दौरान तोड़फोड़ के दो मामलों में बरी कर दिया था।

पीएम सुनक ने आव्रजन कटौती का वादा किया, कार्य-पारिवारिक वीजा पर नई वार्षिक सीमा लगाने की योजना

एजेंसी

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री सुनक ने आव्रजन में कटौती के लिए कार्य और पारिवारिक वीजा पर नई वार्षिक सीमा लगाने की योजना की घोषणा की। सत्तारूढ़ कंजर्वेटिव पार्टी द्वारा प्रस्तुत योजना के अनुसार, प्रत्येक वर्ष संसद द्वारा निर्धारित वीजा की संख्या पर एक नई सीमा शामिल होगी। वहीं, विपक्ष ने आव्रजन प्रमुख चुनावी मुद्दे पर अपनी योजना पेश की थी। बता दें कि ब्रिटेन के आम चुनाव में आव्रजन एक प्रमुख चुनावी मुद्दा है। पिछले साल 685000 प्रवासियों ने देश में प्रवेश किया, जिसके बारे में दोनों मुख्य राजनीतिक दल कंजर्वेटिव पार्टी और कीर स्टारर ने कहा है कि यह आंकड़ा बहुत अधिक है।

वहीं, सप्ताह के अंत में, स्टार्मर ने नियमित प्रवासन में कटौती के लिए लेबर की योजना की घोषणा की, जिसके तहत श्रम कानूनों का उल्लंघन करने वाले मालिकों को देश में विदेशी श्रमिकों को लाने पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। नियोक्ताओं

को पहले ब्रिटिश लोगों को प्रशिक्षित करने को प्राथमिकता देने की आवश्यकता होगी।

विदेशी छात्रों और मौसमी श्रमिक को प्रभावित नहीं करेगी योजना

सुनक ने एक बयान में कहा, हमने इस देश में आने वाले लोगों की संख्या में कटौती करने के लिए साहसिक कदम उठाए हैं। योजना काम कर रही है, लेकिन प्रवास का स्तर अभी भी बहुत अधिक है, इसलिए हम और आगे बढ़ रहे हैं। कंजर्वेटिव पार्टी ही आव्रजन के आंकड़ों में कटौती के लिए आवश्यक साहसिक कदम उठाने को तैयार है। वार्षिक सीमा, जिसे प्रवासन संख्या में कमी लाने के लिए प्रत्येक वर्ष क्रमशः काम किया जाएगा, विदेशी छात्रों और मौसमी श्रमिकों को प्रभावित नहीं करेगी।

उ. कोरिया के साथ शांति समझौता निलंबित करेगा दक्षिण कोरिया, कचरे से भरे गुब्बारे उड़ाने पर बड़ी कार्रवाई

दक्षिण कोरिया। दक्षिण कोरिया ने कचरे से भरे गुब्बारे उड़ाने को लेकर उत्तर कोरिया के साथ हुए शांति समझौते को निलंबित करने की घोषणा की। हालांकि उत्तर कोरिया गुब्बारे उड़ाने की अपनी हरकत पर लगाम लगाने को कह चुका है। द. कोरिया में हाल ही में लोगों द्वारा पर्चे बांटने के अभियान से नाराज उत्तर कोरिया ने बीते कुछ दिनों में पड़ोसी देश की ओर कचरे से भरे गुब्बारे उड़ाए थे।

द. कोरिया ने कहा कि उत्तर कोरिया की इस हरकत के जवाब में वह कड़ा कदम उठाएगा। उत्तर कोरिया हालांकि पहले ही सीमा पार गुब्बारे उड़ाए जाने को रोकने की घोषणा कर चुका है। , दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने कहा कि परिषद ने 2018 के अंतर-कोरियाई समझौते को निलंबित करने का फैसला किया है। इस समझौते का उद्देश्य दोनों कोरियाई देशों के बीच आपसी विश्वास बहाली तक सीमावर्ती शत्रुता घटाना था। सुरक्षा परिषद ने कहा, समझौते के निलंबन पर एक प्रस्ताव मंगलवार को कैबिनेट परिषद में मंजूरी के लिए पेश किया जाएगा। उत्तर कोरिया ने पिछले मंगलवार से अब तक दक्षिण कोरिया के विभिन्न हिस्सों में करीब एक हजार से ज्यादा गुब्बारे उड़ाए हैं, जिनमें खाद से लेकर सिगरेट के टुकड़े, कपड़े के टुकड़े और बेकार कागज भरे हुए थे।

नेतन्याहू 13 जून को अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित करेंगे, बाइडन के इटली में रहने की उम्मीद

एजेंसी

इस्लामाबाद। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू 13 जून को अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित करेंगे। यह यात्रा डेमोक्रेटिक सीनेट बहुमत नेता चक शूमर द्वारा मार्च में इस्राइल से नए चुनाव कराने का आह्वान करने के बाद हो रही है, जो कि गाजा में युद्ध से निपटने के देश के तरीके की एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी द्वारा की गई कड़ी

आलोचना का एक दुर्लभ उदाहरण है। वहीं, नेतन्याहू के प्रवास के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के जी-7 शिखर सम्मेलन के लिए इटली में रहने की उम्मीद है। हालांकि, राष्ट्रपति की शनिवार को एक सप्ताह की समय-सारिणी की अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। राष्ट्रपति बाइडन ने शुक्रवार को एक इस्राइली तीन चरणीय योजना प्रस्तुत की, जो इस्राइल-हमास संघर्ष को समाप्त करेगी। सभी बंधकों को मुक्त करेगी और हमास के सत्ता में आए बिना तबाह हो चुके फलस्तीन क्षेत्र का पुनर्निर्माण करेगी। वहीं, नेतन्याहू के कार्यालय ने इस बात पर जोर दिया कि सात अक्टूबर के हमले से शुरू हुआ युद्ध तब तक जारी रहेगा, जब तक कि इस्राइल के सभी लक्ष्य पूरे नहीं जाते, जिसमें हमास की सैन्य और शासन क्षमताओं का विनाश भी शामिल है। बता दें कि सदन और सीने में चार पार्टी नेताओं ने पिछले सप्ताह नेतन्याहू से कांग्रेस की संयुक्त बैठक में बोलने के लिए पत्र लिखा था, जिसमें उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ संघर्ष में, विशेषकर जब हमास ने अमेरिकी और इस्राइली नागरिकों को बंधक बनाना जारी रखा है, इस्राइल के साथ एकजुटता व्यक्त की थी।

चीन की अंतरिक्ष में ऊंची छलांग, चांद के अंधेरे वाले हिस्से से मिट्टी लेकर धरती की ओर निकला चांग ई-6

बीजिग। चीन का चंद्रमिशन चांग ई-6 का एसेंडर अब धरती पर वापस आ रहा है। जैसे ही एसेंडर पृथ्वी पर उतरेगा वैसे ही बीजिंग एक इतिहास रच लेगा। बता दें, एसेंडर मिट्टी और पत्थर का सैंपल लेकर धरती की ओर वापस आ रहा है। एसेंडर यानी वह यंत्र जो चांद की सतह से वापस उसकी कक्षा में आया है।अब वहां से सैंपल लेकर धरती की तरफ आ रहा है। गौरतलब है, चीन की स्पेस एजेंसी सीएनएसए ने कहा कि इस यान के पिछले महीने लॉन्च किया गया था। जो दो दिन पहले यानी दो जून को चांद के अंधेरे वाले हिस्से में उतरा था।

लू के प्रकोप का कृषि प्रधान राज्यों, ग्रामीण मज़दूरों, महिलाओं पर अधिक प्रभाव

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में इस समय जारी लू और भीषण गर्मी के प्रकोप से छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में लोगों की आजीविका अधिक प्रभावित हो रही है क्योंकि वहां अधिकांश लोग कृषि पर निर्भर हैं तथा गरीबी दर अधिक है वहां लू का प्रभाव और भी बढ़ा है। ग्रामीण विकास क्षेत्र में कार्यरत गैर सरकारी संगठन ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया के निदेशक (छत्तीसगढ़) ने कहा कि इस समय प्रचंड गर्मी का सबसे अधिक प्रभाव छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में महिलाओं और कमज़ोर वर्ग के कामगारों पर पड़ रहा है।

उन्होंने गर्मी और लू के प्रभाव को कम करने के लिए ग्रामीण समुदायों की भलाई और आजीविका की सुरक्षा के लिए कृषि योजनाओं में लचीलेपन, बुनियादी ढांचे के विकास और लिंग-संवेदनशील हस्तक्षेपों को संबोधित करने वाली व्यापक रणनीतियों की आवश्यकता पर जोर दिया है।

उन्होंने एक बयान में कहा कि छत्तीसगढ़ में ग्रामीण रोजगार के लिये गर्मियों में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) मज़दूरी की मांग ज्यादा है। छत्तीसगढ़ में मनरेगा श्रमिकों में महिला भागीदारी 55 प्रतिशत तक ऊँची है। उन्होंने कहा, लू ग्रामीण समुदायों के समक्ष बहुआयामी चुनौतियाँ पेश करती हैं, जो मुख्यतः स्वास्थ्य और कृषि क्षेत्र को प्रभावित करती हैं। उन्होंने कहा कि परिवारों में अक्सर प्राथमिक देखभाल करने वाली महिलाएं होती हैं जो खेतिहर मजदूर भी हैं।

यमुना प्राधिकरण की रिपोर्ट में हुआ खुलासा : 17 हजार से अधिक प्लॉट मालिकों को नहीं मिला कब्जा

एजेंसी

नोएडा। यमुना प्राधिकरण द्वारा तैयार की गई एक रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि कुल 34,000 प्लॉट आवंटियों में से कम से कम 17,000 प्लॉट मालिकों को अभी तक कब्जा नहीं मिल पाया है। इसकी वजह इलाहाबाद हाईकोर्ट में लंबित जमीन विवाद है। यमुना प्राधिकरण ने प्लॉटों से जुड़ी समस्याओं को समझने और उन्हें हल करने के लिए यह डाटाबेस तैयार की है।

प्लॉट आवंटियों का डाटाबेस तैयार

यमुना प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि पिछले 10 वर्षों में विकसित किए जा रहे 13 मौजूदा सेक्टरों के औद्योगिक, संस्थागत, आवासीय और मिश्रित भूमि उपयोग क्षेत्रों में अपने 34,000 से अधिक प्लॉट आवंटियों का डाटाबेस एक सर्वेक्षण के बाद तैयार किया है। यह डाटाबेस सुनिश्चित करता है कि प्राधिकरण के पास हर प्लॉट की नवीनतम और सटीक जानकारी है, जिसमें आवंटन और आवंटियों के विवरण शामिल हैं। यदि किसी प्लॉट पर आवंटन के बाद कोई अड़चन आई, तो प्राधिकरण के पास इन मुद्दों की सटीक जानकारी होगी।

डॉ. बी. एन. तिवारी, भारतीय रेल के अधिकारी और प्रसिद्ध सर्जन, ने तीसरा आयरनमैन खिताब हासिल किया

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे केंद्रीय अस्पताल, नई दिल्ली के एक प्रसिद्ध अपर मुख्य स्वास्थ्य निदेशक /जीआई और एचपीबी ऑंको सर्जन डॉ. बिश्वनाथ तिवारी ने आयरन मैन हैम्बर्ग चैंपियनशिप 2024 में अपना तीसरा आयरनमैन खिताब हासिल करके एक बार फिर इतिहास रच दिया है। उन्होंने पहले भी दो बार आयरनमैन चैंपियनशिप पूरी की है और अब तीसरी बार आयरनमैन चैंपियनशिप पूरी करके उन्होंने एक और शानदार उपलब्धि हासिल की है। डॉ. तिवारी की इस उल्लेखनीय उपलब्धि ने उन्हें पहले भारतीय रेल अधिकारी और भारत के ऐसे पहले सर्जन हैं, जिन्होंने तीन आयरनमैन खिताब हासिल किए हैं। आयरनमैन चैंपियनशिप में 3.8 किलोमीटर समुद्र में तैराकी, 180 किलोमीटर साइकिलिंग और 42 किलोमीटर की दौड़ शामिल होती है। डॉ. तिवारी ने अपने पिछले व्यक्तिगत रिकॉर्ड में सुधार करते हुए इस स्पर्धा को मात्र 12 घंटे और 58 मिनट में पूरा किया। उन्होंने यह कारनामा डेनमार्क में आयोजित पहली आयरन मैन चैंपियनशिप में बनाए गए अपने पिछले रिकॉर्ड से 7 मिनट कम समय में पूरा किया। डॉ. तिवारी ने कहा कि समुद्र की लहरों और ठंडे पानी के विपरीत तैरना और हवा की गति के विपरीत साइकिल चलाना बहुत कठिन और चुनौतीपूर्ण था, लेकिन उन्होंने दृढ़ता से इस चैंपियनशिप को पूरा किया। उन्होंने अपनी आयरन मैन उपलब्धि भारतीय रेल और भारत के लोगों को समर्पित की है।

मायलोप्रोलिफेरेटिव नियोप्लासिया-एसेंशियल थ्रोम्बोसाइटोसिस मरीज का एओआई में सफल इलाज

नई दिल्ली। गुरुग्राम में अमेरिकन ऑन्कोलॉजी इंस्टीट्यूट (एओआई) ने मायलोप्रोलिफेरेटिव नियोप्लासिया-एसेंशियल थ्रोम्बोसाइटोसिस नामक एक दुर्लभ रक्त विकार से पीड़ित एक 65 वर्षीय महिला रोगी का सफल इलाज किया है। एओआई ने यहां जारी बयान में कहा कि मरीज काफी समय से इस दुर्लभ ब्लड डिसऑर्डर से प्रभावित थी और एओआई, गुरुग्राम में इस की सफल पहचान और सफल इलाज कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गई। इस रोग की स्थिति में बोन मैरो (अस्थि मज्जा) में प्लेटलेट्स का अत्यधिक उत्पादन होने लगता है

शक का इलाज तो हकीम लुकमान के पास भी नहीं : राजीव कुमार

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने लोकसभा चुनाव प्रक्रिया को लेकर विपक्षी दलों द्वारा लगाये गये आरोपों को बेबुनियाद और आधारहीन बताया तथा इसे केवल शक एवं संदेह करार देते हुए शायराना अंदाज में कहा कि शक का इलाज तो हकीम लुकमान के पास भी नहीं है। लोकसभा चुनाव संपन्न होने के बाद और मतगणना से एक दिन पहले यहां एक संवाददाता सम्मेलन में श्री कुमार ने विपक्षी दलों के सभी आरोपों से जुड़े सवालों का शायराना अंदाज में विस्तार से जवाब दिया।

उन्होंने कहा, आजकल इल्जामातों का दौर बुलंद है, तल्खियों का बाजार गर्म है, पंच को पहले ही घेर लो यानी पेशबंदी। मंजूर है इल्जाम लगाओ हम पर, शर्त इतनी कि साथ में सबूत भी हो। गोया कोई तो बात है कि हर बार मुद्दई वही, कचहरी वही गवाह कोई नहीं। शक का इलाज तो हकीम लुकमान के पास भी नहीं। उन्होंने कहा कि विपक्ष जिस तरह से घेराबंदी कर रहा है उसका मतलब है, अंपायर को ही पकड़ लो जिससे कि वो बोल ही नहीं पाये। फार्म 17 सी को बदलने के आरोपों पर विपक्ष से सबूत मांगते हुए उन्होंने कहा, कैसे हमने 17 सी बदल दिया, डाटा बदल दिया, कहीं किसी एक जगह का नाम तो बताओ भाई। उन्होंने कहा, एक और अजीब बात है जो उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं, जो काउंटर पर बैठे हुए हैं जो फार्म 17 सी ले रहे हैं, वहां से कोई शिकायत नहीं है। पता नहीं यह शिकायत कहां से है। कुछ कहने को आ रहा है लेकिन मैं बोल नहीं रहा हूं। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस तथा अन्य विपक्षी दलों ने चुनावी प्रक्रिया को लेकर आयोग पर कई सवाल खडे किये हैं।

पक्षपात से परे रहे लोकसेवक: धनखड़

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने लोकसेवकों से पक्षपात से परे रहने का आह्वान करते हुए कहा कि उन्हें राष्ट्रवादी और संघवादी दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।

श्री धनखड़ ने यहां भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) 2022 बैच के सहायक सचिवों को संबोधित करते हुए कहा कि लोकसेवकों को सदैव पक्षपातपूर्ण दृष्टिकोण से परे देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक लोकसेवक को राजनीतिक दलों के साथ संलिप्तता नहीं रखनी चाहिए।

उपराष्ट्रपति ने अधिकारियों से राष्ट्रवादी और संघवादी दृष्टिकोण अपनाने और राष्ट्र के हित को सदैव सर्वोच्च रखने तथा विधि के शासन को बनाए रखने का आह्वान किया। श्री धनखड़ ने लोकसेवकों से उच्चतम नैतिक सिद्धांतों को बनाए रखने का आग्रह किया और कहा, आप परिवर्तन के वाहक हैं। आप गुणवत्तापूर्ण शासन में महत्वपूर्ण आधार हैं और त्वरित विकास के पथप्रदर्शक हैं।

उन्होंने कहा कि लोकसेवा पहले से कहीं अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण है और इसमें समाज के सभी वर्गों, विशेषकर कमजोर, और वंचित पृष्ठभूमियों से आने वाले लोगों का प्रतिनिधित्व है।

श्री धनखड़ ने कहा कि आज भारत आशा और संभावनाओं से भरा हुआ है और निवेश के लिए सबसे पसंदीदा गंतव्य है। उन्होंने कहा कि युवा के लिए अवसर दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे हैं।

दक्षिण-पश्चिम मानसून बढ़ा आगे

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम मानसून मध्य अरब सागर, कर्नाटक, रायलसीमा, तटीय आंध्र प्रदेश के कुछ और हिस्सों की ओर बढ़ा।

मौसम विभाग ने कहा कि बारिश से लदे मानसून के बादल तीन जून को तेलंगाना के कुछ हिस्सों, पश्चिम-मध्य और उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में बढ़े। विभाग के अनुसार, अगले चार-पांच दिनों के दौरान मध्य अरब सागर के शेष हिस्सों, कर्नाटक के शेष हिस्सों, दक्षिण महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों, गोवा, रायलसीमा, तेलंगाना और तटीय आंध्र प्रदेश के शेष हिस्सों के अलावा दक्षिणी छत्तीसगढ़ तथा दक्षिणी ओडिशा के कुछ हिस्सों, पश्चिम-मध्य और उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों में मानसून पहुंचने के आसार हैं।

भाजपा ने विपक्ष पर लगाया दुष्प्रचार करने, चुनावी प्रक्रिया पर लांछन लगाने का आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर लोकसभा चुनाव में दुष्प्रचार करने और चुनावी प्रक्रिया पर लांछन लगाने का आरोप लगाया और कहा कि ये शक्तियां भाजपा सरकार नहीं बनने देने के लिए देश में अस्थिरता पैदा करने का प्रयास कर रही हैं।भाजपा के प्रवक्ता एवं सांसद डॉ सुधांशु त्रिवेदी ने यहां पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि देश में पिछले दिनों बहुत ही व्यवस्थित रूप से मतदान हुआ और देश में चुनाव होते रहते हैं, लेकिन विपक्ष द्वारा लोकतंत्र की प्रतिष्ठा पर प्रश्न नहीं खड़े करने चाहिए थे।श्री त्रिवेदी ने कहा कि विपक्षी दलों के नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति अपशब्दों का प्रयोग किया, तो उस पार्टी ने उसे स्वीकार किया, क्योंकि विपक्षी पार्टियों को सरकार के प्रति अपशब्दों का प्रयोग स्वीकार्य है, लेकिन भाजपा को लोकतंत्र के प्रति कुठाराघात और राष्ट्र की प्रतिष्ठा को धूमिल करने का प्रयास स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने विकास के साथ विश्वास के मुद्दे पर चुनाव लड़ा, लेकिन विपक्षी दलों का एकमात्र मंत्र था -भ्रम और भ्रम के आधार पर भय फैलाकर चुनाव लड़ना। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने लोकतंत्र, संविधान और आरक्षण खत्म होने का दुष्प्रचार से लेकर देश को उत्तर-दक्षिण में बांटने तक के अनर्गल और भड़काऊ बयान दिए, परन्तु निर्वाचन आयोग ने चुनाव प्रक्रिया को लेकर उठाए गए सवालों का युक्तिसंगत और तकनीकी उत्तर दिए।भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि चुनाव में हार की निश्चितता से ऐसा प्रतीत होता है की विपक्ष के मन में विक्षिप्तता भर गई है। इसलिए विपक्ष ने 150 जिलाधिकारियों को फोन करने जैसे अनर्गल आरोप लगाए हैं परन्तु निर्वाचन आयोग के प्रमाण मांगने पर ये लोग 7 दिन का समय मांगने लगे और प्रमाण नहीं पेश कर पाए हैं। इस 2024 के चुनाव में विपक्ष ने समाज में अराजकता पैदा करने के लिए संपत्ति हड़पने जैसे तमाम हथकंडे अपना लिए थे।डॉ त्रिवेदी ने कहा कि पिछले वर्ष के तेलंगाना और कर्नाटक के विधानसभा चुनाव हुए, तब कांग्रेस पार्टी ने दोनों राज्यों के विधानसभा चुनाओं के परिणाम पर कोई सवाल खड़े नहीं किए। क्या कर्नाटक और तेलंगाना में ही निर्वाचन आयोग ने सही काम किया? क्या निर्वाचन आयोग ने राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में गलत काम किया? विपक्ष के अनुसार जहां वे विजयी होते हैं वहां चुनाव आयोग अच्छा काम करता है, लेकिन जहां वे हारते हैं वहां गलत काम करता है। जय पराजय होते रहती है, परन्तु कांग्रेस को लोकतंत्र के ऊपर आक्षेप नहीं लगाने चाहिए।

सेना प्रमुख ने संयुक्त राष्ट्र से पुरस्कृत मेजर राधिका को सम्मानित किया

नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने संयुक्त राष्ट्र शांति सेना में उल्लेखनीय सेवा के लिए संयुक्त राष्ट्र से पुरस्कृत मेजर राधिका सेन को सम्मानित किया है।

सेना ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया कि मेजर राधिका सेन ने यहां जनरल पांडे से मुलाकात की। जनरल पांडे ने 'संयुक्त राष्ट्र मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर' पुरस्कार मिलने पर मेजर सेन की सराहना की और उन्हें सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि मेजर सेन ने भारतीय सेना के मूल्यों को बढावा देते हुए अन्य महिला अधिकारियों को भी शांति सेना में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित किया। मेजर सेन को हाल ही में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने यह पुरस्कार प्रदान किया था।

PUBLIC NOTICE

Be it known to all concerned that our clients SMT.SHADNA W/o Sh. RADHEYSHYAM GUPTA, both R/o I-1691/29/7 Sangam Vihar, New Delhi, Delhi-110062 have severed their all relations with their son Avinash Kumar and his wife Chandni Devi and disowned and disinherited them from their all moveable and immovable properties/assets. Anybody dealing with them shall do so at his/her/their own risk and cost.

SHANTNU BAGGA Advocates
Chamber No.310, Lawyers Block
Saket Courts Complex
New Delhi-110017
M-8700741947

PUBLIC NOTICE

Be it known to public at large that my client Sh. Manish Kumar Singh and R/o 129 A Street-13 Near Durga Mandir, Chhuria Mohalla, Tughlakabd, New Delhi 110044 do hereby disown and disinherits and further severe all relations from my daughter Smt. Aashtha Singh as there is no more faithful to my clients and beyond their control. She shall have no right whatsoever to claim any share in the moveable and immoveable properties of my client and anybody dealing with her in respect to my client's properties or in any manner whatsoever they shall be doing so at his her own cost and risk for which my clients shall not be liable either socially, morally or legally for any of their acts.

R P PANDEY & ASSOCIATES
ADVOCATE
CH NO 614,SAKET COURT
COMPLEX NEW DELHI-110017

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I GAYATRI DEVI PANT W/O Late GANESH DATT PANT R/O 271,BLOCK-B -5, SOM BAZAR ROAD ,SECTOR -5, ROHINI ,RAJA PUR KALAN, ROHINI SECTOR-7, NORTH WEST DELHI DELHI-110085 declare that name of mine has been wrongly written as GAYATRI DEVI in my Hasband ppo no 20077030190020.The actual name of mine is GAYATRI DEVI PANT, respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

My client Sunita W/o Sh. Ashok Kumar R/o House no.40 Kondli Village, Durga Mandir Gali, Delhi-110096, has disowned and debarred her son Amit Kumar and his wife Jyoti Gautam from her all movable, immovable properties and have no relation with her in future.

Ashish Kumar Advocate
CH.NO.580,
SAKET COURTS NEW DELHI-17

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक श्रीमती पुष्पा पत्नी स्वर्गीय श्री हरि राज दूसरी मंजिल पर छत के अधिकार के साथ निर्मित फ्रीहोल्ड आवासीय की मालिक हैं, जिसका क्षेत्रफल 65 वर्ग गज यानी 54.34 वर्ग मीटर है, जो संपत्ति संख्या एस-360-सी, खसरा संख्या 209 पर निर्मित है। स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, ग्राम शकरपुर खास, इलाका शाहदरा, दिल्ली-110092 की आबादी में स्थित है। सदाचार द्वारा, त्याग विलेख दिनांक 18.04.2024 को एसआरओ-ईस्ट प्रीत विहार में विधिवत पंजीकृत, दस्तावेज़ संख्या 2024/5/आई/2921, पुस्तक के रूप में क्रमांक 1, खण्ड क्रमांक 3289, पृष्ठ क्रमांक 57-68, दिनांक 18.04.2024। अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और निर्मित दूसरी मंजिल, बिना छत के अधिकार के भी श्री विजय कुमार ठाकुर और श्रीमती ललिता कुमारी को बेची गई है और इसका वित्त पोषण पीरामल कैपिटल और द्वारा किया गया है। हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखा- नोएडा, सेक्टर-02, यूपी। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

Naveen Kumar Verma
(advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि श्री कमल कुमार 125 वर्ग गज यानी 104.51 वर्ग मीटर के फ्रीहोल्ड आवासीय प्लॉट के मालिक हैं, जो खाता नंबर 00062, खसरा नंबर 476 में से, गांव सरफाबाद, परगना और तहसील दादरी, जिला गौतमबुद्धनगर, यूपी में स्थित है। विक्रय विलेख दिनांक 24.01.2023 के आधार पर दस्तावेज़ संख्या 533, खंड संख्या 11700, पृष्ठ संख्या 383-398, दिनांक 24.01.2023, एसआरओ- I, नोएडा, आज तक और अपना मूल विक्रय विलेख दिनांक 14.12.2011 को खो दिया है/गुम कर दिया है दस्तावेज़ संख्या 8856, खंड संख्या 2890, पृष्ठ संख्या 343-356, दिनांक 14.12.2011, एसआरओ-I, नोएडा के रूप में, इसे श्री शकुंतला देवी के पक्ष में निष्पादित किया गया था, अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति के पास कोई नहीं है उक्त संपत्ति पर अधिकार है, और उसी संपत्ति को वर्तमान में फुलर्टन इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा वित्तपोषित किया जाता है और अब उसे उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड शाखा- यमुना विहार दिल्ली द्वारा फिर से वित्तपोषित किया जाएगा। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकार@स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 14 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

Naveen Kumar Verma
(advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE

I hitherto known as SHIVNATH VIJAYRAO RANE SARDESSAI S/O VIJAYRAO BABASAHEB RANE SARDESSAI,R/O PARMANENT ADRESS. 13/701,SKP, CHS PLOT D/69,SECTOR -12 KHARGHAR,NAVI MUMBAI ,MAHARASHTRA- 410210,PRESENT ADRESS-806, ????? SINGH BLOCK, ASIAN GAME VILLAGE, SHAHPURJAT, SOUTH DELHI, DELHI-110049 have changed my name and shall hereafter be known as SHIVNATH VIJAYRAO RANE.

NAME CHANGE

I, RAMAKRISHNA PILLAI Father of JC-390094A, Rank-SUB, Name-SATHISH KUMAR S Presently residing at SANTOSH BHAWAN, VPO-KIDANGANNUR, TEH-KOZHENCHERRY, DISTT-PATHANAMTHITTA, KERALA-689514 have changed my name from RAMAKRISHNA PILLAI to A C RAMAKRISHNAPILLAI for all future purposes and in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1935 instead of my correct date of birth as 10/10/1939 Vide Affidavit dated 04/06/2024 before Notary Public Delhi.

NOTICE

Public at large is hereby informed that my client Mr. Davinder Ratra is the owner of Commercial Shop Bearing No. 92 (wherein GF, FF & SF has also been constructed) area measuring 11X18 Ft. i.e. 22 Sq. yds. Situated at Tikona Park, NH-2, NIT Faridabad Haryana vide Deed of Conveyance dated 23.04.2024 executed by Municipal Corporation Faridabad in favour of Mr. Davinder Ratra in respect of said property SR-SDM Badkhal, Document No. 478, Book No. 01, on dated 23.04.2024. Initially, Perpetual Lease Deed dated 21.12.1973 executed by Faridabad Complex Administration Faridabad in favour of Mr. Gopal Dass in respect of said property Doc. No. 4076. Who died Gopal Dass leaving behind legal heirs Later, Affidavit/NOC/Relinquishment Deed from Others LR's of Late Gopal Dass giving their no objection to transfer their share in the said property to Mr. Davinder Ratra, Later, Re-Allotment Letter issued by MCF in favour of Mr. Davinder Ratra (S/o Gopal Dass Ratra) in respect of said property and Finally, Deed of Conveyance dated 23.04.2024 executed in favour of abovementioned client who will be mortgaging the said property with Cholamandalam Investment and Finance Company Ltd. Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections.

NEW DELHI
DATE: 4/6/2024

PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE
Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

PUBLIC NOTICE

Be it known to all that my client Sanjay Bhalla S/o Late N.C. Bhalla & Amita Bhalla @ Amita Vyas Bhalla W/o Sh. Sanjay Bhalla Both R/o H.No.A-8, Nizamuddin (West), New Delhi 110094 has disowned/debarred their son namely Abhinav Bhalla & his wife namely Kalpana for all purpose from their all movable/immovable properties/assets and severe all their relation with Abhinav Bhalla and Kalpana because my client has no control over them and they do not take care and respect of my client. My client shall not be responsible for any act, deeds and things of his above named son and his wife. If any person deals with them, will do so at his/her/their own risk, cost and consequences. My client shall not be held responsible for any kind of act done by them

KAMENDRA SINGH Advocate
Chamber No.951 Patiala House
Courts New Delhi

NAME CHANGE

I,Vinay s/o Uday Kant Jha R/o K2 - 208 Sangam Vihar Delhi-110062 have change my name to Vinay Kumar Jha for all purposes

NAME CHANGE

I, SHAILESH KUMARI W/o NEERAJ NARESH SHROTI R/o 47, Nagla Miyan Patti, Devari, Hathras, Uttar Pradesh - 204215 have changed the name of my minor son DIPANSHU SHROTI aged 16 years and he shall hereafter be known as ARJIT NARESH SHROTI.

NAME CHANGE

I, hitherto Known as AJAY SRIVASTAVA alias AJAY SHRIVASTVA S/o PARAS RAM residing at 8614, Ground Floor, New Rohtak Road, Karol Bagh, Central Delhi, Delhi -110005 have changed my name and shall hereafter be known as AJAY SHRIVASTAV.

NAME CHANGE

I, DIVYANGNA D/O RAM KISHAN residing at C-159, BLOCK-C,, JHILMIL COLONY,, SHAHDARA, DELHI -110095 have changed my name to DIVYANGNA MAROTH for all future purposes

सार्वजनिक सूचना

मैं, समीक्षा यादव, पुत्री JC-541911N रैंक-SUB CLK नाम रमेश चंद्र, निवासी ग्राम-लालपुर, पोस्ट अचलपुर, तहसील और जिला-मैनपुरी, राज्य-उत्तर प्रदेश, मेरे पिता के सैन्य अभिलेखों में मेरा नाम गलत तरीके से समीक्षा के रूप में दर्ज किया गया है। मेरा सही नाम समीक्षा यादव है। जिसे मेरे पिता के सैन्य अभिलेखों में दर्ज किया जाये ।

NAME CHANGE

I, No. 15724420X Rank-NK, Name-GOHIL HARISHCHANDRASINH VANARAJSINH Father of GOHIL VIRRAJSINH Residing at VPO-GADHALI, TEH-GADHADA, DIST-BOTAD, GUJARAT-364750 have changed my minor son's name from GOHIL VIRRAJSINH to GOHIL VIRRAJSINH HARISHCHANDRASINH for all future purposes vide Affidavit dated 04/06/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, No. 14877334M Rank-SEP Name- SHUBHAM Father of DRISHTI Residing at H NO-47, WARD NO-9, VPO-RAMGADHIA, TEH-BHADRA, DIST-HANUMANGARH, RAJASTHAN-335511, have changed my minor daughter's name from DRISHTI to DRISHTI CHOUDHARY for all future purposes vide affidavit dated 04/06/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NASIR AHMAD S/O BASHIR AHMAD residing at F-132-133, OLD SEEMAPURI, PO-JHILMIL, DELHI-110095 have changed my name to NASEER AHMAD for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

General Public is hereby informed that I. Rabin Bag resident of H.NO. 3253, Gali No. 28 Bedonpura, Karol Bagh, New Delhi 110005 has married Smt. Susmita Das widow wife of Late Avijit Das on 21/06/2022. That I have legally owned Master Ankrit Das Son of Late Avijit Das and Smt. Susmita Das. The surname of Ankrit Das is now Ankrit Bag.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि श्री विजय प्रकाश और श्रीमती विनीता गैरोला श्राइन बिल्डटेक प्राइवेट लिमिटेड और एसएससी बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड के एससीसी सफायर ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट में ब्लॉक-ए में तीसरी मंजिल पर फ्रीहोल्ड आवासीय इकाई/फ्लैट संख्या ए-408 के मालिक हैं, जिसका क्षेत्रफल 1395 वर्ग फुट है। ग्राम नूर नगर परगना लोनी तहसील और जिला गाजियाबाद उत्तर प्रदेश के खसरा नंबर 1010, 1011 और 1012 पर राज नगर एक्सटेंशन, गाजियाबाद में स्थित भूमि के एक हिस्से पर निर्मित। विक्रय विलेख के आधार पर दिनांक 17.07.2020 को दस्तावेज़ संख्या 4785, खंड संख्या 16919 पृष्ठ संख्या 293-412 SR- GZB-II के रूप में। और इसे हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस से खो दिया गया है, अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और उसी संपत्ति को वर्तमान में हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस द्वारा वित्तपोषित किया जाता है और अब उसे फिर से वित्तपोषित किया जाएगा। आवास फाइनेंसर्स लिमिटेड द्वारा। शाखा राजिंदर प्लेस, दिल्ली। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकारञ्जस्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

Naveen Kumar Verma
(advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the public at large that we are investigating and verifying the title, in respect of the premises more particularly described in the schedule hereunder written which is seized, possessed, owned and/or entitled by Mr. Vijay Kumar Aggarwal 5/o Mr. Raghubar Dayal through General Power of Attorney Dated 20.02.2001 executed by Mrs. Krishna Devi W/o Mr. Raghubar Dayal in favour of Mr. Vijay Kumar Aggarwal 5/o Mr. Raghubar Dayal in respect of Property Bearing No.D-205-A area measuring 100 Sq. Yards, out of Khasra No.55/13.

All those persons/entities having any rights, title, interest, share, claim, demand whatsoever in respect of the said premises or any parts thereof by way of sale, mortgage(save and except the Mortgage application in respect of the said premises in favour of Anand Rathi Global Finance Limited "ARGFL"), transfer, exchange, gift, bequest, trust, inheritance, tenancy, subtenancy, leave and license, care taker basis, possession, family arrangement/settlement, decree or order of any Court of Law, Contracts/agreements, encumbrance, lis pendens, and/or any commitment or otherwise howsoever into, over or upon the said premises re hereby required to give notice thereof in writing together with the supporting documents and particulars of any such right or claim to the undersigned, within 14 (Fourteen) days from the date of publication hereof, failing which the claim, if any, shall be deemed to have been released or waived.

THE SCHEDULE HEREINABOVE REFERRED TO

Property bearing No. D-205A, land area measuring 100 Sq. yards ie. 83.61 Sq. Meters, out of Khasra Nos. 55/13 situated in the revenue estate of Village Palam Delhi State Delhi, abadi known as Raj Nagar II, Palam Colony, New Delhi-110045.

Place: Delhi
DATE: 4/6/2024

MANDEEP SOLANKI ADVOCATE
DELHI HIGH COURT
E No. D/3748/2012
CHAMBER NO.743, 7th FLOOR,
SECTOR-10, DWARKA, NEW DELHI-75
MOB:-9716710102

NAME CHANGE

I, GOHIL VANARAJSINH P Father of No. 15724420X Rank-NK, Name-GOHIL HARISHCHANDRASINH VANARAJSINH Presently residing at VPO-GADHALI, TEH-GADHADA, DIST-BOTAD, GUJARAT-364750 have changed my name from GOHIL VANARAJSINH P to GOHIL VANRAJSINH PARBATSINH for all future purposes vide Affidavit dated 04/06/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

It is for general information that I, MD SHAHBAZ SHAKIL S/o MD SHAKIL AHMAD, permanent R/o Moh-Banoulia, Ward No.-32, Bichli Aran, Biharsharif, Nalanda, Bihar-803101, and currently residing at G-43, Kalindi Kunj, Shaheen Bagh, Abdul Fazal Enclave-II, South Delhi, Delhi-110025, declare that name of mine and my father have been wrongly written as MD SHAHBAZ SHAKEEL and MD SHAKIL AKHTER in my 10th class Certificate, as MD SHAHBAZ SHAKIL and MD SHAKIL AKHTER in my Voter Card No. NWD4410964, as MOHAMMAD SHAHBAZ SHAKEEL and MOHAMMAD SHAKIL AKHTER in my Passport No. K4094609, and as MOHAMMAD SHAHBAZ SHAKIL and MOHAMMAD SHAKIL AKHTER in my PAN Card No. EHYPS1917K. The actual name of mine and my father are MD SHAHBAZ SHAKIL and MD SHAKIL AHMAD respectively.

PUBLIC NOTICE

Be it known to general public at large that my clients namely are Sh. Ramji Jaysawal S/o Jamuna Prasad and his wife Radhika Devi both are resided at H.no.63 Block A, V.P. Singh Camp Railway Colony, Tughalkabad, Badarpur, New Delhi-44., now at present address D-107, Prince Colony Hari Nagar Extn. Part-3 Harsh Vihar Tanki Road Badarpur New Delhi 110044., have severed all their relations and disowned their son Hemant Jaiswal and daughter in law namely Shivane Jaiswal, from their all movable and immovable properties since they all are not in the control of my clients. My clients shall have no concern with their acts and deeds in future. My clients will not be responsible to any person for any kind of claim or liability whatsoever arisen while dealing with them or due to their act.

Rahul Singh & Sagar Saxena
Advocate
Chamber no. 606 Lawyears Block,
Saket Court New Delhi-110044

PUBLIC NOTICE

Be it known to public at large that my clients SH PRAMOD KUMAR and R/o H. No. 171/201 A, SANGAM VIHAR, NEW DELHI do hereby disown and disinherits and further severe all relations from Son Shekhar Kumar along with Mrs. Sushama W/o Shekar Kuamr & Vikas Kumar along with Mrs. Mala Kumari W/o Vikas Kumar as there is no more faithful to my clients and beyond their control. He shall have no right whatsoever to claim any share in the moveable and immoveable properties of my client and anybody dealing with him in respect to my clients properties or in any manner whatsoever they shall be doing so at his her own cost and risk for which my clients shall not be liable either socially, morally or legally for any of their acts.

R P PANDEY & ASSOCIATES
ADVOCATE
CH NO 614, SAKET COURT
COMPLEX NEW DELHI-110017

NAME CHANGE

I, GOHIL ANJANABA H Wife of No. 15724420X Rank-NK, Name-GOHIL HARISHCHANDRASINH VANARAJSINH Presently residing at VPO-GADHALI, TEH-GADHADA, DIST-BOTAD, GUJARAT-364750 have changed my name from GOHIL ANJANABA H to GOHIL ANJANABA HARISHCHANDRASINH for all future purposes vide Affidavit dated 04/06/2024 before Notary Public, Delhi.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

लाखों की अफीम के साथ पकड़ी गई 12 वर्षीय लड़की

एजेंसी

हिसार। रेलवे पुलिस ने यहां के रेलवे स्टेशन से 12 वर्षीय लड़की को भारी मात्रा में अफीम सहित गिरफ्तार किया है। लगभग 2.5 किलो इस अफीम को लड़की जोधपुर से लेकर आई थी। अफीम की बाजारी कीमत पांच लाख रुपये बताई जा रही है। रेलवे पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आखिर 12 वर्षीय लड़की के सहारे कौन लोग हैं, जो नशे की तस्करी में लिप्त है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है लड़की अफीम किसे सप्लाई करने आई थी। जोधपुर से किस व्यक्ति ने इसे हिसार में भेजा। रेलवे पुलिस के अनुसार जीआरपी पुलिस रेलवे स्टेशन पर गश्त कर रही थी। गश्त के दौरान ईएसआई बलवान सिंह, हवलदार सुरेंद्र कुमार, महिला पुलिस कर्मी विजय लक्ष्मी, महिला सिपाही मुकेश, एसपीओ सुभाष चन्द्र, एएसआई आरपीएफ असलम खान, आरपीएफ सिपाही दीपक चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान प्लेटफार्म नंबर 1 के पास एक्सलरेटर के पास मुखबिर ने सूचना दी कि एक लड़की जोधपुर से आई है और उसने नीले रंग का लोवर व सफेद काली चैकदार शर्ट पहनी हुई है। उसके पास नीले रंग का पिट्ठू बैग है, जिसमें अफीम हो सकती है।

तीन नए कानून एक जुलाई से होंगे लागू, पुलिस कर्मियों को दिया जा रहा प्रशिक्षण

एजेंसी

हिसार। पुलिस अधीक्षक मोहित हांडा ने कहा है कि आगामी एक जुलाई से तीन नए कानून लागू हो रहे हैं। इसके बारे में जिला पुलिस के अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक मोहित हांडा पुलिस लाइन में साप्ताहिक परेड का निरीक्षण करने उपरांत अधिकारियों से बैठक कर रहे थे। बैठक में उन्होंने कहा कि भारतीय दंड संहिता, भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता और साक्ष्य अधिनियम के स्थान पर तीन नए कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू किया जा रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि नए कानून किस प्रकार पुराने कानून से भिन्न है, कौन से कृत्य को अपराध की परिधि में शामिल किया है और पुलिस के अपराध अनुसंधान के दायरे को किस प्रकार संदर्भित किया गया है, आईटी तथा डिजिटल संसाधनों का प्रयोग किस प्रकार कानून के रूप में मान्य बनाया है, महिलाओं व बच्चों के विरुद्ध होने वाले अपराधों में क्या संशोधन किए गए हैं। पुलिस के कर्तव्यों और दक्षता में पुलिस को क्या ध्यान रखना चाहिए।

फायरिंग की घटनाओं के बाद दो विधायकों की सुरक्षा बढ़ाई गई

चंडीगढ़। हरियाणा के नरवाना तथा होडल से विधायकों के आवास पर फायरिंग की घटना का संज्ञान लेते हुए विधानसभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता ने पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखकर विधायकों की सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। यही नहीं स्पीकर ने इस मामले में आरोपितों को तुरंत गिरफ्तार करके दो सप्ताह के भीतर रिपोर्ट विधानसभा में दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। स्पीकर ने पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखने से पहले उनके साथ फोन पर बातचीत करके घटनाओं की जानकारी भी ली। दरअसल, 22 मई की रात नरवाना के विधायक रामनिवास सुरजाखेड़ा और 1 जून को होडल के विधायक जगदीश नय्यर के आवास पर गोलीबारी की घटनाएं हुई हैं। इन घटनाओं से दोनों विधायकों के परिजनों तथा उनके आस-पड़ोस में भय का माहौल बना हुआ है। विधानसभा के स्पीकर ज्ञान चंद गुप्ता ने उपरोक्त दोनों घटनाओं पर संज्ञान लेते हुए पुलिस महानिदेशक को हिदायत दी कि इन घटनाओं की जांच प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध ढंग से करवाई जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। गुप्ता ने दोनों विधायकों की सुरक्षा भी बढ़ाने को कहा है। पुलिस महानिदेशक को इन घटनाओं की जांच रिपोर्ट के संबंध में 15 दिन के भीतर अवगत करवाना होगा।

हरियाणा सरकार का फैसला, स्कूलों में नही लगेंगे समर कैंप

चंडीगढ़। हरियाणा के सरकारी स्कूलों में 5 जून से शुरू होने वाले समर कैंप अब नहीं लगेंगे। प्रदेश में भीषण गर्मी व शिक्षक संगठनों के विरोध के बीच सरकार ने स्कूलों में ग्रीष्मकालीन शिविर के आयोजन का फैसला वापस ले लिया है। हरियाणा विद्यालय शिक्षा परियोजना परिषद की ओर से सभी जिला उपायुक्त, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला परियोजना अधिकारी समग्र शिक्षा और राज्य के सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को पत्र लिखकर अवगत कराया गया है कि राजकीय स्कूलों में ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान आयोजित हुए वाले शिविर को स्थगित किया गया है।

शिक्षक संगठनों की ओर से भीषण गर्मी के बीच ग्राष्मकालीन शिविर के आयोजन पर आपत्ति जताते हुए शिक्षा राज्यमंत्री सीमा त्रिखा को इस मुद्दे बारे अवगत कराया गया था। इसके बाद शिक्षा मंत्री की ओर से विभाग को शिविर को स्थगित करने के निर्देश दिए।

वहीं, सलाह संगठन के कार्यकारी राज्य प्रधान अशोक शर्मा ने शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा को फोन के माध्यम से ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान आयोजित होने वाले शिविरों को रद्द करने का आग्रह किया था। सलाह संगठन के आग्रह पर शिक्षा मंत्री ने शिविरों के आयोजन को रद्द करने के आदेश जारी किए।

ईवीएम स्ट्रांग रूम की स्क्रीन पर चला गीत, मामला दर्ज

स्क्रीन पर रिकार्डिंग की जगह चले थे पंजाबी गाने

एजेंसी

कैथल। आर एस कॉलेज में स्ट्रांग रूम के बाहर लगी स्क्रीन पर रिकॉर्डिंग की जगह गीत चलने के मामले में देर रात एआरओ ने अज्ञात के खिलाफ पुलिस में शिकायत देकर मामला दर्ज करवा दिया। डीएसपी हेडक्वार्टर को मामले की जांच सौंपी गई है। एसडीएम एवं कैथल एआरओ सुशील कुमार ने गाने चलने के बाद जिला निर्वाचन अधिकारी व डीसी प्रशांत पवार को पत्र लिखकर बताया कि जब एलईडी का वाई-फाई चालू किया गया और उसका डिस्प्ले अपने आप किसी मोबाइल से कनेक्ट हो गया,तुरंत ही डिस्प्ले को सीसीटीवी-

एनवीआर पर स्विच करने की कार्रवाई की गई। साथ ही उस दौरान की रिकॉर्डिंग भी देखी गई। उस समय आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता और कैथल के नायब तहसीलदार मौजूद थे। साथ ही लगभग 200 अधिकारी भी उस परिसर में मौजूद थे क्योंकि मतगणना टीमों की मतगणना रिहर्सल थी। इस मामले में अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा दी गई है।

एलईडी पर रिकॉर्डिंग की जगह चले थे गाने

आरकेएसडी कॉलेज में बने स्ट्रांग रूम के बाहर लगी एलईडी पर सीसीटीवी कैमरा की रिकॉर्डिंग चलने की बजाय गाने चलने लगे थे। एलईडी को ईवीएम स्ट्रांग रूम में लगाए सीसीटीवी के लिए लगाया गया था, ताकि स्ट्रांग रूम की सारी गतिविधियां कैमरे पर नजर आती रही। आम आदमी पार्टी किसान विंग के प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील सहारण ने बताया कि आज सुबह हमारे साथी यहां स्ट्रांग रूम के पास ईवीएम की निगरानी पर बैठे हुए थे तो सुबह करीब नौ बजे यहां लगी एलईडी स्क्रीन पर पंजाबी गाने और नाटक आदि चल रहे थे। एक वीडियो प्ले हुई और पांच सात मिनट वह चली। इसके बाद कुछ अधिकारी आए कुछ इसके बाद उसे हटाया गया। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने प्रशासन पर आरोप भी लगाए थे।

कोर्ट के चक्कर में न पडक़र सरकार भर्ती प्रक्रिया करे पूरी : जयहिंद

एजेंसी

रोहतक। जयहिंद सेना प्रमुख नवीन ने सीईटी और सोसिओ इकनोमिक के पांच नम्बरों पर आए हाईकोर्ट के आदेश को लेकर कहा कि जिन युवाओं ने सीईटी पास किया और चार गुना में आये, उनके सामने आज बहुत बड़ा संकट आ गया है, जिसके चलते युवा हताश है। उन्होंने मंगलवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से अपील करते हुए कहा कि सरकार भर्ती को लेकर सुप्रीम कोर्ट में न जाए, अगर सरकार सुप्रीम कोर्ट गई तो ये भर्तियां सालों साल कोर्ट में लटकी रहेंगी। नवीन जयहिंद ने कहा कि पिछले पांच साल में बेरोजगार तारीख पर तारीख भुगत रहे हैं। अब सरकार को हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से पीछा छुडवा कर इन भर्तियों को पूरा कर देना चाहिए। जयहिंद सेना प्रमुख नवीन पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज के दिन युवाओं को सबसे ज्यादा जरूरत रोजगार की है, इसलिए सरकार को बिना देरी किए अब कोर्ट के चक्कर में न पड़ कर भर्ती प्रक्रियों को पूरी करे। साथ ही उन्होंने हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग पर भी आरोप लगाए और कहा कि अधिकारी सरकार को गुमराह कर रहे है। उन्होंने कहा कि जब चुनाव की समीक्षा बैठक हो सकती है तो भर्तियों के लिए समीक्षा बैठक क्यों नहीं हो सकती है। सरकार युद्धस्तर पर कार्य करके इन भर्तियों को पूरा करे, अगर हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के बस की बात नहीं है तो यह काम फौज के जिम्मा सौंप दे, जिसके चलते एक महीने में भर्तियां पूरी हो जाएंगी।

बैंक खाते से धोखाधड़ी से कोई निकाल ले रुपये तो 1930 पर दर्ज करवाएं शिकायत

समय पर शिकायत दर्ज करवाने पर वापस मिल सकते निकाले गए पैसे

एजेंसी

हिसार। हांसी पुलिस अधीक्षक मकसूद अहमद ने जनता को साइबर क्राइम के प्रति आगाह किया है। उन्होंने कहा कि यदि कोई साइबर अपराधी धोखाधड़ी करके किसी नागरिक के खाते से रुपये निकाल लें तो वे तुरंत 1930 पर शिकायत दर्ज करवाएं। पुलिस अधीक्षक मकसूद अहमद ने कहा कि देश में ऑनलाइन पेमेंट का चलन तेजी से बढ़ रहा रहा है। आमजन भी पैसों का लेनदेन हो या फिर कोई फीस या बिल का भुगतान आनलाइन करते हैं। ऑनलाइन गतिविधियां बढ़ने के साथ ही साइबर ठगी व धोखाधड़ी के मामलों में भी काफी तेजी से बढ़ोतरी हुई है। साइबर ठगों द्वारा आम आदमी को विभिन्न प्रकार झांसों में लेकर उन्हें अपना शिकार बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि बैंक से निकाले गए रुपयों में आपने बैंक खाते से रुपए नहीं निकाले हैं या फिर गलती से भी ट्रांसफर नहीं किए है और आपके

आपकी गलती नहीं है और आपके अकाउंट से किसी ने धोखाधड़ी करते हुए रुपए निकाले हैं तो आप तुरंत 1930 नंबर पर कॉल कर अपनी शिकायत दर्ज करवाएं और कुछ जरूरी हिदायतों का पालन करते है तो आपके खाते से निकाला गया रुपया वापस मिल जाता है। उन्होंने बताया कि अगर पास बैंक से रुपए कटने का मैसेज आया है तो सबसे पहले आप अपने बैंक को इस मामले की सूचना दें। समय रहते अगर बैंक को सूचना मिल जाएगी तो साइबर ठगों द्वारा की गई ट्रांजेक्शन को रोका जा सकता है। अगर आपकी कोई गलती नहीं है तो रुपये आपके खाते में वापस आ जाते हैं।

जीवन का आधार है संस्कार : कविता जैन

एजेंसी

सोनीपत। संस्कार ही जीवन का आधार है, जो व्यक्ति अपने संस्कारों, संस्कृति एवं धर्म से दूर हो जाता है उसके जीवन में मिली सफलता बेमायने है । इसलिए बच्चों में शुरू से ही धर्म एवं संस्कारयुक्त शिक्षा के बीज रोपित करने चाहिए ताकि वह अपने परिवार की पहचान बन सके। पूर्व कैबिनेट मंत्री कविता जैन ने यह बात ब्राह्मी महिला मंच द्वारा जैन मंदिर मंडी तथा सेक्टर 15 सेक्टर में आयोजित अर्हम ध्यान एवं संस्कार कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर कही।

उन्होंने कहा कि भारत देश विदेशी आक्रांताओं के बावजूद भी अपनी संस्कृति एवं धर्म के बल पर जिन्दा है। बच्चे गीली मिटटी के समान हैं, जिन्हें हम किसी भी प्रकार का आकार दे सकते हैं। प्रधानाचार्य पंडित अमन शास्त्री एवं वीरेंद्र शास्त्री ने बताया कि बच्चों की ग्रीष्मकाल की छुट्टियों में इस तरह के शिविर पूरे देश में आयोजित किए जाते हैं ताकि बच्चे धर्म के मार्ग पर चलते रहें। मुख्यमंत्री के पूर्व मिडिया सलाहकार एवं वरिष्ठ भाजपा नेता राजीव जैन, प्रधान एसके जैन, पियूष जैन, पिंकी जैन, सुमन जैन, प्रियंका जैन, कमलेश जैन सहित

जैन, डॉक्टर भावना जैन, नीलम जैन, शांता जैन, उषा जैन, रेखा प्रतियोगिता में भाग लेने वाले काफी बच्चे शामिल रहे।

फिलिस्तीन पर इजराइली हमले तुरंत बंद किए जाएं : दिनेश सिवाच

एजेंसी

हिसार। इज़राइल द्वारा किए जा रहे जनसंहार के विरोध में प्रदर्शन कर फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता प्रकट कर फौरन युद्ध रोकने की मांग की मांग पर जनसंगठन मंच की ओर से उपायुक्त कार्यालय के समक्ष धरना दिया गया। धरने की अध्यक्षता एमएल सहगल व निर्मला ने की।

धरने को संबोधित करते हुए दिनेश सिवाच ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय न्यायालय द्वारा आक्रमण रोकने के निर्देश देने के बावजूद इजराइली सेना फिलिस्तीन के निर्दोष व निहत्थे लोगों पर लगातार आक्रमण कर रही है। पिछले आठ महीने से जारी हमलों में अभी तक 36 हज़ार से ज्यादा बेकसूर फिलिस्तीनी नागरिक मारे जा चुके है। इनमें ज्यादातर महिलाएं व बच्चे शामिल है। यही नहीं पिछले हफ्ते ही 26 मई को रफाह में विस्थापित व्यक्तियों के शिविर पर बर्बरतापूर्वक हवाई हमला कर 45 लोग मार दिए गए। यह सब साम्राज्यवादी देशों के सरगना अमरीका की शह पर हो रहा है। कामरेड सेठी ने कहा कि भारत सदैव फिलिस्तीन की स्वतंत्रता का पक्षधर रहा है परंतु भाजपा की मोदी सरकार अमेरिका आगे घुटने टेक कर सरेआम इज़राइल के साथ खड़ी हो गई है। इससे दुनिया भर में भारत की साख पर बट्टा लगा है। यही नहीं, गाजा पर आक्रमण के लिए भारत से इजराइल को हथियार निर्यात करने का निंदनीय फैसला भी सामने आया है। इससे देशवासियों में भारी गुस्सा है। इसलिए केंद्र की मोदी सरकार को इस पर फ़ौरन रोक लगानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि युद्धों से आज तक किसी समस्या का समाधान होने की बजाए बर्बादी ही हुई है। साम्राज्यवादी देश अपना दबदबा बनाए रखने तथा हथियारों को बेचकर भारी मुनाफे कमाने में लगे है। मानवता के हित में युद्धों पर फ़ौरन रोक लगाई जाए। इस अवसर पर इंटक नेता कृष्ण नैन, एसकेएस के नरेश गौतम, ओमप्रकाश माल, प्रभु सिंह, सीटू जिला प्रधान सुरेश कुमार, मनोज सैनी, किसान नेता सूबे बरा, रमेश मिरकां, रिटायर्ड कर्मचारी संघ के नेता ओमप्रकाश सैनी, अनिल शर्मा, शकुंतला जाखड़, बबली लांबा, मुकेश दुर्जनपुर, रोहतास राजली, हितैष कुमार, चंदगी राम, डेमोक्रेटिक फोरम से प्रो. अत्तर सिंह, मास्टर सतबीर सिंह व विकलांग मंच से ऋषि राजली आदि उपस्थित थे।

एमडीयू के बाहर छात्रों ने पकौडे बनाकर बढ़ी हुई फीस वृद्धि का किया विरोध

एजेंसी

रोहतक । महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय द्वारा पाठ्यक्रमों की भारी फीस वृद्धि के विरोध में छात्रों ने अनोखे तरीक्के से रोष प्रदर्शन किया। छात्रों ने एमडीयू के गेट के बाहर स्टाल लगाकर पकौडे बनाए और बढ़ी हुई फीस को लेकर विरोध जताया। छात्रों ने आरोप लगाया कि सरकार शिक्षा का निजीकरण कर गरीब व मध्यवर्गीय परिवारों के बच्चों से शिक्षा का अधिकार छीनने का प्रयास कर रही है।छात्रों ने चेताया कि अगर जल्द एमडीयू ने इस छात्र विरोधी फैसले को वापिस नहीं लिया तो बड़ा आंदोलन करने पर मजबूर होगे। साथ ही जल्द छात्र इस संबंध में राज्यपाल से भी मुलाकात करेगे। छात्र नेता दीपक धनखड़ ने बताया कि हाल ही में एमडीयू प्रशासन ने

स्नातक कोर्स में प्रवेश प्रक्रिया को लेकर प्रॉस्पेक्टस जारी किया है। इसमें नई शिक्षा नीति के तहत नए कोर्स शुरू किए गए हैं, जिन कोर्सो की फीस पांच गुना तक बढ़ा दी गई है, जोकि छात्रों के हित में नहीं है। गरीब व मध्यवर्गीय परिवार के छात्र इतनी भारी भरकम फीस अदा नहीं कर पाएंगे, जिसके चलते वह शिक्षा से वंचित हो जाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी संस्थानों में खुलेआम हो रही फीस की लूट ने गरीब व मध्यम वर्ग के बेटे-बेटियों के लिए पढ़ाई मुश्किल नहीं, असंभव बना दी है। साथ ही एमडीयू में अब पढ़ाई केवल अमीरों और धनाढ्य लोगों के बच्चों की रह गई है।

उन्होंने कहा कि पहले यूजी पाठ्यक्रम की फीस लगभग 8500 रुपए थी वह बढक़र अब 40 से 60 हजार तक कर दी गई है । इसी तरह से अन्य कोर्सो की फीस में भी पांच गुणा तक बढ़ोतरी की गई है, जोकि सरासर गलत है। उन्होंने आरोप लगाया कि फीस बढ़ाकर सीधा-सीधा निजी शिक्षण संस्थाओं को फायदा पहुंचाया जा रहा है, जिसे किसी कीमत पर सहन नहीं किया जाएगा। इस अवसर पर अमन आलडिया, रॉबिन मलिक, सचिन दलाल, अंकित अहलावत व ललित सैनी, नितिन डांगी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

उत्तरी भारत में शोध के क्षेत्र में गुजवि श्रेष्ठ स्थान पर : नरसी राम बिश्नोई

शोध मात्रात्मक की बजाय गुणवत्तापरक होना चाहिए

एजेंसी

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कहा है कि शोध मात्रात्मक की बजाय गुणवत्तापरक होना चाहिए। हरियाणा में ही नहीं, बल्कि अधिकतर उत्तरी भारत में तो शोध के क्षेत्र में गुजविप्रौवि श्रेष्ठ स्थान पर है। गुजवि की प्राथमिकता गुणवत्तापरक शोध है। हमें इसे राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर श्रेष्ठ स्थान पर स्थापित करना होगा। शोध में विश्वविद्यालय को श्रेष्ठ स्थान दिलवाने की जिम्मेदारी विश्वविद्यालय के शिक्षकों तथा शोधार्थियों की है। प्रो. नरसी राम बिश्नोई विश्वविद्यालय के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्र (एमएमटीटीसी) द्वारा नए दाखिला लेने वाले शोधार्थियों के लिए शुरू किए गए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार में हुए इस छह दिवसीय कार्यक्रम की अध्यक्षता एमएमटीटीसी की निदेशिका प्रो. सुनीता रानी ने की। कार्यक्रम में एमएमटीटीसी की प्रो. वंदना पूनिया व अनुराग सांगवान उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. नरसी राम

बिश्नोई ने कहा कि विश्वविद्यालय को हाल ही में टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2024 द्वारा जारी प्रतिष्ठित एशिया विश्वविद्यालय रैंकिंग 2024 में भारत में 71वां स्थान और दुनिया में 501-600वां स्थान मिला है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि में विश्वविद्यालय के गुणवत्तापरक शोध की मुख्य भूमिका है। उन्होंने शोधार्थियों से कहा कि वे अपने शोध पत्रों को उच्च स्तरीय जर्नल्स में प्रकाशित करवाएं ताकि उनके शोध को एक पहचान मिल सके। निदेशिका प्रो. सुनीता रानी ने बताया कि यूजीसी द्वारा प्रायोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 40 से अधिक प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। प्रतिभागियों को गुणवत्तापूर्ण शोध की विशेष विधियों से अवगत कराने के साथ-साथ आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी (एआई) के शोध में होने वाले प्रयोगों के बारे में भी विशेष रूप से अवगत कराया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों में उच्च स्तरीय विषय विशेषज्ञ शोधार्थियों को शोध की सूक्ष्मतम तकनीकियों से अवगत कराएंगे।

लू ने तोड़ा 19 साल का रिकॉर्ड, लगातार 21 दिनों से जारी है गर्म हवाएं

कॉलेज जाती हुई छात्राएं गर्मी से बचने के लिए सर पर कपड़ा ओढ़े हुए

नई दिल्ली।

कैथल। नौतपा के तपते हुए 9 दिन भी बीत गए, लेकिन गर्म हवाएं नहीं थम रही। कैथल में तापमान रिकॉर्ड ऊंचाई पर जाने के बाद सोमवार दोपहर को अधिकतम तापमान 45 डिग्री न्यूनतम 29 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया। वहीं सिरसा और राजस्थान के गंगानगर में 45.4 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया। वहीं लू ने प्रदेश में 42 साल का रिकॉर्ड तोड़कर नया रिकॉर्ड बनाया है। साल 1982 में लगातार 19 दिन लू चली थी। इस बार 21 दिन पार हो गए हैं। अभी जून में गर्मी से राहत मिलने के कोई असर नजर नहीं आते। मंगलवार को प्रदेश के कई हलकों में बूंदाबांदी और बारिश होने के आसार जताए गए हैं, लेकिन दिन के तापमान में गिरावट होने की संभावना नजर नहीं आती।

हरियाणा में पहले एक्टिव हुए पश्चिमी विक्षोभ का असर आज रात से कम हो जाएगा, इस वजह से मौसम फिर से शुष्क हो जाएगा। इससे दिन के तापमान में फिर से बढ़ोतरी हो सकती है। रात के तापमान

में भी 2 से 3 डिग्री की बढ़ोतरी हो सकती है। आईएमडी के अनुसार प्रदेश में 2 दिन बाद फिर से बदलाव के आसार हैं। 5 से 6 जून को एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। इससे 6 जून को गर्मी से थोड़ी राहत मिल सकती है।

हरियाणा के चहुंमुखी विकास के शिल्पकार थे चौ. भजनलाल : कुलदीप बिश्नोई

13वीं पुण्यतिथि पर पूर्व सीएम को किया याद, समर्थकों ने की श्रद्धांजलि अर्पित

एजेंसी

हिसार। पूर्व सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता कुलदीप बिश्नोई ने कहा है कि हरियाणा के पूर्व मूख्यमंत्री स्व. चौ. भजनलाल विरले इंसान थे, जिन्होंने सदैव समाज के गरीब, पिछड़े तथा कमजोर वर्ग के उत्थान के लिए काम किया। भले ही वे आज हमारे बीच मौजूद नहीं है परंतु जनता अपने महान नेता को सदैव अपने दिलों में जिंदा रखेगी।

पिछले 12 वर्षों में मुझे पारिवारिक, सामाजिक तथा राजनीतिक स्तर पर उनकी बहुत कमी महसूस हुई, परंतु एक अद्वितीय शक्ति के रूप में वे सदा मेरे साथ रहेंगे और उनके संस्कार मुझे लोगों के हितों के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा देते रहते हैं।

कुलदीप बिश्नोई अपने पिता एवं पूर्व मुख्यमंत्री स्व. चौ. भजनलाल की 13वीं पुण्यतिथि पर हिसार स्थित बिश्नोई मंदिर में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं आदमपुर स्थित उनकी समाधी पर पुष्पाजंलि अर्पित करने उपरांत समर्थकों को संबोधित कर रहे थे। आदमपुर स्थित बिश्नोई मंदिर में आयोजित रक्तदान शिविर में भी कुलदीप बिश्नोई ने भाग लिया। चौ. भजनलाल की 13वीं बरसी पर हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली सहित विभिन्न क्षेत्रों में लोगों ने रक्तदान शिविर, हवन यज्ञ तथा गरीबों, बच्चों को फल वितरित करके उन्हें याद किया। कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि स्व. चौ. भजनलाल राजनीति में होते हुए भी सदैव सामाजिक रहे। विरोधियों को भी अपना बनाने की उनकी कला का हर कोई मुरीद था। विधायक, सांसद, केन्द्रीय मंत्री तथा मुख्यमंत्री के ओहदे पर रहते हुए उन्होंने समाज की 36 बिरादरी व प्रदेश के हर क्षेत्र का एक समान

चहुंमुखी विकास करवाया।

NAME CHANGE

It is for general information that I, VIPIN KUMAR S/o MAHESH KUMAR, R/o H.No. 28, F-Block, Gali No. -1, Near Shemrock School, New Palam Vihar, Phase – 1, Gurgaon, Haryana - 122001, declare that name of my Father has been wrongly written as MAHESH in my 10th class Educational Documents. The actual name of my Father is MAHESH KUMAR, which may be amended accordingly.

पांच दिवसीय राज्य स्तरीय बाढ़ राहत शिविर का हुआ शुभारंभ

एजेंसी

यमुनानगर। बाढ़ जैसी आपदा से निपटने के हथिनी कुंड बैराज के नजदीक पश्चिमी यमुना नहर की लिंक चैनल पर सीवर को राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग हरियाणा द्वारा आयोजित पांच दिवसीय राज्य स्तरीय बाढ़ राहत प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर अंबाला आयुक्त रेणु.एस.फुलिया मुख्य अतिथि के रूप में पहुंची। इस मौके पर रेणु.एस. फुलिया ने कहा कि जब भी बाढ़ जैसी आपदा आती है तो प्रशिक्षण प्राप्त व्यक्ति ही बाढ़ में फंसे लोगों की बेहतर ढंग से सहायता कर सकते हैं। किसी भी प्रकार का प्रशिक्षण लेने से जहां व्यक्ति का आत्मविश्वास बढ़ता है वहीं उसमें निपुणता आती है। उन्होंने कहा कि हर तैराक को चाहिए कि वह अपनी ऊर्जा पानी से ज्यादा बना कर रखे ताकि पानी पर विजय प्राप्त की जा सके, इसके लिए हर तैराक को मानसिक रूप से तैयार रहना है। उन्होंने कहा कि 5 दिन तक चलने वाले इस बाढ़ राहत प्रशिक्षण में पूरे राज्य से 40 प्रशिक्षणार्थी व 13 प्रशिक्षिक भाग ले रहें है। उन्होंने कहा कि मानवता की सेवा व समाज की रक्षा के लिए ऐसे प्रशिक्षणों को जरूर सीखना चाहिए और जब प्राकृतिक एवं अप्राकृतिक आपदा आती है तो ऐसे में आपदा से सही समय पर सही ढंग से निपटने के लिए बेहतर नेतृत्व की आवश्यकता होती है क्योंकि आपदा के आने पर बेहतर नेतृत्व लोगों को जायेगा। प्रशिक्षणार्थियों व प्रशिक्षकों के ठहरने व खान पान की बेहतरीन व्यवस्था की गई है। मुख्य प्रशिक्षक भगत सिंह ने बाढ़ राहत प्रशिक्षण शिविर की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षणार्थियों को चलते पानी में मोटर बोट चलाना, चप्पू से नाव चलाना, तैराकी व प्राथमिक उपचार आदि का प्रशिक्षण दिया जायेगा।

अप्रैल-मई में मॉयल का मैंगनीज अयस्क का उत्पादन में सात प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र मॉयल ने बताया कि अप्रैल-मई, 2024 के दौरान उसका मैंगनीज अयस्क उत्पादन सात प्रतिशत बढ़कर 3.05 लाख टन हो गया।मॉयल ने बयान में कहा कि उसने एक साल पहले की समान अवधि में 2.84 लाख टन मैंगनीज अयस्क का उत्पादन किया था।

कंपनी की कुल बिक्री 3.3 लाख टन की हुई, जो एक साल पहले की समान अवधि के 2.5 लाख टन से 32 प्रतिशत अधिक है। इस्पात मंत्रालय के तहत मॉयल देश में डाइऑक्साइड अयस्क की लगभग 46 प्रतिशत आवश्यकता को पूरा करती है। मौजूदा समय में मैंगनीज अयस्क का औसत वार्षिक उत्पादन लगभग 13 लाख टन है।

राजेश चंदिरमानि ने कॉमवीवा के सीईओ का पदभार संभाला

नई दिल्ली। ग्राहक अनुभव एवं डेटा मोनेटाइजेशन सॉल्यूशंस कंपनी कॉमवीवा ने आज घोषणा की कि श्री राजेश चंदिरमानि ने मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एवं पूर्णकालिक निदेशक का पदभार ग्रहण किया है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि उनकी नियुक्ति 1 जून, 2024 से प्रभावी है। संयोग से नेतृत्व परिवर्तन ऐसे समय में हुआ है जब कॉमवीवा ने कारोबार में 25 वर्ष पूरा करने की उपलब्ध हासिल की है और कंपनी के तौर पर यह उपलब्धि इंटेलिजेंट सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म्स में विश्व की अग्रणी कंपनी के तौर पर आगे बढ़ने की इसकी प्रतिबद्धता परिलक्षित होती है।

मई में विनिर्माण गतिविधियां हुयी धीमी, विनिर्माण पीएमआई गिरकर 57.5 पर आया

नई दिल्ली। विनिर्माण गतिविधियों को मापने वाले एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) इस साल मई में पिछले महीने के 58.8 से गिरकर 57.5 पर आ गया। एसएंडपी ग्लोबल द्वारा जारी सर्वेक्षण के अनुसार, मई 2024 में भारत की फैक्ट्री गतिविधियों में कमी आई, लेकिन विस्तार की स्थिति बनी रही। 50 से नीचे पीएमआई का मतलब संकुचन है जबकि इससे ऊपर गतिविधियों में विस्तार को दर्शाता है।

जिंसों में टिकाव

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों में तेजी रहने के बावजूद स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त पड़ने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में जून का पाम ऑयल वायदा 83 रिंगिट उतरकर 4070 रिंगिट प्रति टन हो गया। इसी तरह जून का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.39 सेंट की तेजी लेकर 46.11 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

वैश्विक विमानन कम्पनियों के लिए अपने दरवाजे खोलने की जरूरत

दुबई। अमीरात के अध्यक्ष सर टिम क्लार्क ने कहा है कि भारत सरकार Indian government को वैश्विक हवाई वाहकों के लिए अपने दरवाजे खोलने होंगे, क्योंकि विश्व अर्थव्यवस्था पर भारतीय प्रवासियों का प्रभाव बढ़ रहा है। 'उन्हें अपने दरवाजे खोलने होंगे। उन्हें इन विमानों की जरूरत है। भारतीय प्रवासियों, विश्व अर्थव्यवस्था पर भारत का प्रभाव बड़ा होता जा रहा है। श्री मोदी के नेतृत्व वाली यह सरकार इसका विस्तार कर रही है। आपको हवाई परिवहन की जरूरत है। आपको बड़े विमानों की जरूरत है। सर टिम क्लार्क ने आईएटीए की 80वीं वार्षिक आम बैठक के मौके पर कहा, ÷आपको लोगों को स्थानांतरित करने की जरूरत है।' जबकि एमिरेट्स पिछले 10 वर्षों से भारत से उड़ानों के संचालन को बढ़ाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन भारत और यूएई के बीच द्विपक्षीय समझौते के तहत इसे अब तक दुबई के लिए 65,000 सीटों के संचालन तक ही सीमित रखा गया है। हाल ही में, कुछ मीडिया रिपोर्टों के अनुसार भारत ने दुबई स्थित एयरलाइनों को दी गई प्रत्येक अतिरिक्त सीट के लिए अपनी एयरलाइनों के लिए चार सीटों के अनुपात की मांग की है।

देश का कोयला उत्पादन मई में 83.91 मिलियन टन पर पहुंचा

एजेंसी

नई दिल्ली। देश का कोयला उत्पादन मई में 83.91 मिलियन टन (एमटी) (अनंतिम) तक पहुंच गया है। यह पिछले वर्ष की समान अवधि में 76.18 एमटी की तुलना में 10.15 फीसदी अधिक है। इस दौरान कोयला कंपनियों के पास कुल कोयला स्टॉक 96.48 मीट्रिक टन है। वहीं, सीआईएल के पास पड़ा कोयला स्टॉक 83.01 मीट्रिक टन है, जबकि कैप्टिव और अन्य कंपनियों के पास 8.28 मीट्रिक टन है। कोयला मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि मई 2024 में कोयला का उत्पादन 83.91 मिलियन टन (एमटी) रहा है। कोयला का उत्पादन पिछले वर्ष की समान अवधि में 76.18 एमटी की तुलना में 10.15 फीसदी ज्यादा है। इस अवधि में कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने 64.40 एमटी (अनंतिम) कोयला का उत्पादन

किया है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के दौरान उत्पादित 59.93 एमटी की तुलना में 7.46 फीसदी अधिक है। मंत्रालय के मुताबिक इसके अलावा मई में कैप्टिव और अन्य संस्थाओं द्वारा कोयला का उत्पादन 13.78 मीट्रिक टन (अनंतिम) रहा है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की 10.38 मीट्रिक टन की तुलना में 32.76 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। इसी तरह मई के लिए भारत का कुल कोयला प्रेषण 90.84 मीट्रिक टन (अनंतिम) तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की 82.32 मीट्रिक टन की तुलना में 10.35 फीसदी अधिक है। कोयला मंत्रालय के मुताबिक मई के दौरान सीआईएल ने 69.08 मीट्रिक टन (अनंतिम) कोयला भेजा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की 63.67 मीट्रिक टन तुलना में 8.50 फीसदी की वृद्धि को दर्शाता है। इसके अलावा मई में कैप्टिव और अन्य संस्थाओं द्वारा कोयला का प्रेषण 16 मीट्रिक टन (अनंतिम) दर्ज किया गया, जो पिछले वर्ष की 12.37 मीट्रिक टन की तुलना में 29.33 फीसदी की वृद्धि का दर्शाता है।

टाटा पावर ने जोधपुर से देशव्यापी सौर ऊर्जा अभियान की शुरुआत की

एजेंसी

जोधपुर। भारत की अग्रणी रूफटॉप सोलर कंपनी और टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी टाटा पावर सोलर सिस्टम्स लिमिटेड (टीपीएसएसएल) ने राजस्थान के जोधपुर से अपना 'ग्घरघरसोलर, टाटा पावर के संघ' राष्ट्रीय अभियान शुरू किया।

शहर को साल में बड़ी संख्या में धूप वाले दिनों के कारण सन सिटी जोधपुर का नाम मिला है। कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि इस योजना का शुभारंभ टाटा पावर के सीईओ और एमडी प्रवीर सिन्हा ने टीपीआरईएल के सीईओ और एमडी दीपेश नंदा की मौजूदगी में किया। इस लॉन्च से देशव्यापी अभियान की शुरुआत हुई है जिसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को आवासीय सोलर रूफटॉप समाधान स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

सिन्हा ने कहा, मैं जोधपुर से अपना घरघर सोलर अभियान शुरू करते हुए बेहद खुश हूं। एक बयान के अनुसार, 'ग्घरघरसोलर, टाटा पावर के संघ' अभियान के साथ, टाटा पावर सोलर भारत भर में हर घर तक विश्वसनीय, सस्ती और टिकाऊ सौर ऊर्जा पहुंचाने के अपने मिशन को जारी रखे हुए है।

अदाणी वन और आईसीआईसीआई बैंक ने लांच किया पहला को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड

एजेंसी

अहमदाबाद। अदाणी वन और आईसीआईसीआई बैंक ने आज वीजा के साथ मिलकर भारत का पहला को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड लॉन्च किया है, जिसमें एयरपोर्ट से जुड़े खास फायदे मिलते हैं। यह कार्ड दो प्रकार के हैं, जिसमें अदाणी वन आईसीआईसीआई बैंक सिग्नेचर क्रेडिट कार्ड और अदाणी वन आईसीआईसीआई बैंक प्लेटिनम क्रेडिट कार्ड शामिल है। दोनों कार्ड आपको आकर्षक रिवार्ड्स भी देते हैं। ये कार्ड कई तरह के फायदे देते हैं, जो कार्ड होल्डर्स की लाइफस्टाइल को बेहतर बनाने और उनके एयरपोर्ट और ट्रेवल के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। ये कार्ड्स पूरे अदाणी ग्रुप के कंस्यूमर इकोसिस्टम पर खर्च करने पर 7त्र तक के अदाणी रिवॉर्ड पॉइंट्स देते करते हैं, जैसे कि अदाणी वन ऐप, जहां कोई भी फ्लाइट, होटल, ट्रेन, बस और कैब बुक कर सकता है। अदाणी द्वारा प्रबंधित एयरपोर्ट्स,अदाणी सीएनजी पंप, अदाणी बिजली के बिल और ट्रेनमैन, जो एक ऑनलाइन ट्रेन बुकिंग प्लेटफॉर्म है। इन रिवॉर्ड्स की कोई सीमा नहीं है।

ये कार्ड वेलकम बेनिफिट्स के रूप में कई तरह के फायदे भी देते हैं, जैसे फ्री एयर टिकट्स और एयरपोर्ट की सुविधाएं जैसे प्रीमियम लाउंज का उपयोग, प्रणाम मीट एंड ग्रीट सेवा, पोर्टर, वाहन सेवा और प्रीमियम कार पार्किंग। कार्ड यूजर्स को ड्यूटी फ्री दुकानों पर खरीदारी और एयरपोर्ट पर खाने-पीने पर छूट देते हैं साथ ही निःशुल्क मूवी टिकट और किराना सामान, यूटिलिटीज़ और अंतरराष्ट्रीय खर्च पर अदाणी रिवॉर्ड पॉइंट्स जैसे लाभ भी मिलते हैं। यह रणनीतिक साझेदारी, अदाणी समूह का फाइनेंसियल सेक्टर में पहला कदम है। अदाणी वन आईसीआईसीआई बैंक और वीजा के साथ मिलकर नए स्टैंडर्ड्स स्थापित करने का इरादा रखता है।

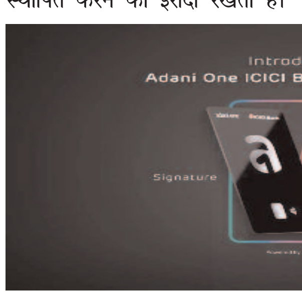

लॉन्च इवेंट में अदाणी ग्रुप के डायरेक्टर, जीत अदाणी ने कहा, आईसीआईसीआई बैंक और वीज़ा के साथ ये अनूठी साझेदारी कस्टमर एक्सपीरियंस में एक नया बेंचमार्क स्थापित करेगी और इनोवेशन के साथ एक्सीलेंस के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करेगी। अदाणी वन आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट कार्ड एक आसान डिजिटल इकोसिस्टम का रास्ता है। अदाणी वन प्लेटफॉर्म का लाभ उठाकर, जो भौतिक व्यापारों को डिजिटल दुनिया में एकीकृत करता है, यूजर्स को अद्वितीय सुविधा और पहुंच का अनुभव मिलेगा। आईसीआईसीआई बैंक के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर राकेश झा ने कहा, हम मानते हैं कि 'कस्टमर 360' पर हमारा फोकस, हमारे डिजिटल प्रोडक्ट्स, प्रक्रियाओं में सुधार और सेवा वितरण के समर्थन से हमें ग्राहकों को एक सहज तरीके से समग्र समाधान प्रदान करने और प्रमुख क्षेत्रों में बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने में सक्षम बनाता है। अदाणी वन और वीज़ा के साथ को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड का लॉन्च इसी दर्शन के साथ जुड़ा हुआ है। इस लॉन्च के ज़रिए, हमारा इरादा अपने ग्राहकों को अदाणी समूह के पूरे उपभोक्ता जाल में (एयरपोर्ट, बिजली के बिल, ऑनलाइन शॉपिंग आदि) कई तरह के रिवार्ड्स और फायदे देना है। साथ ही, बैंक के क्रेडिट कार्ड कारोबार को और मजबूत बनाना है।

वीज़ा इंडिया और दक्षिण एशिया के ग्रुप कंट्री मैनेजर संदीप घोष ने कहा, वीज़ा में, हम अदाणी समूह और आईसीआईसीआई बैंक के साथ साझेदारी करके रोमांचक को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड लाने के लिए खुश हैं, जो वीज़ा के विश्वसनीय नेटवर्क और दुनिया भर में स्वीकृति का लाभ उठाते हैं। ये कार्ड यात्रियों को एक शानदार यात्रा और खरीदारी का अनुभव प्रदान करते हैं। ऑनलाइन और ऑफलाइन, दोनों प्रकार से उनकी सुविधा और यात्रा के अनुभव को बढ़ाते हैं। हम भविष्य में इस तरह के और भी कई ऑफर लाने की तैयारी कर रहे हैं। अदाणी वन आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट कार्ड के साथ आप खरीददारी के पहले कभी न मिलने वाला अनुभव कर सकते हैं। आइए हमारे साथ फाइनेंसियल एम्पावरमेंट के इस रोमांचक सफर में शामिल हों और कंस्यूमर फाइनेंस के भविष्य को फिर से परिभाषित करें। ग्राहक कार्ड के लिए वेबसाइट www.adanione.com पर आवेदन कर सकते हैं।

अदाणी वन आईसीआईसीआई बैंक सिग्नेचर क्रेडिट कार्ड का वार्षिक शुल्क 5,000 रुपये है और जॉइनिंग के साथ आपको 9,000 रुपये के लाभ मिलते हैं, वहीं दूसरी तरफ अदाणी वन आईसीआईसीआई बैंक प्लेटिनम क्रेडिट कार्ड का वार्षिक शुल्क 750 रुपये है और जॉइनिंग के साथ आपको 5,000 रुपये के लाभ मिलते हैं।

क्रिप्टो करेंसी मार्केट में रौनक, बिटकॉइन 69 हजार डॉलर के पार

एजेंसी

नई दिल्ली। क्रिप्टो करेंसी मार्केट में रौनक नजर आ रही है। बिटकॉइन और एथेरियम समेत मार्केट कैप के लिहाज से टॉप-10 में शामिल सभी क्रिप्टो करेंसीज आज बढ़त के साथ ग्रीन जोन में कारोबार कर रही हैं। आज की तेजी के कारण दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन एक बार फिर 69 हजार डॉलर के ऊपर पहुंच गई है। इसी तरह एथेरियम ने भी आज 1 प्रतिशत से अधिक की छलांग लगाई है।

भारत में क्रिप्टो करेंसी का कारोबार करने के लिए अधिकृत एजेंसी कॉइन मार्केट कैप से मिली जानकारी के मुताबिक भारतीय समय के हिसाब से आज शाम 6 बजे तक बिटकॉइन 2.48 प्रतिशत की मजबूती के साथ 69,162.90 डॉलर यानी 57.51 लाख रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह एथेरियम की कीमत भी आज 1.01 प्रतिशत की तेजी के साथ उछल कर 3,814.55 डॉलर के स्तर पर आ गई थी। बिटकॉइन और एथेरियम के

अलावा टेथर 0.06 प्रतिशत, बीएनबी 5.43 प्रतिशत, सोलाना 0.52 प्रतिशत, यूएसडी कॉइन 0.02 प्रतिशत, एक्सआरपी 1.16 प्रतिशत, डॉगकॉइन 3.08 प्रतिशत, टॉनकॉइन 3.24 प्रतिशत और कार्डानो 0.97 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। कॉइन मार्केट कैप के मुताबिक पिछले 24 घंटे के कारोबार के दौरान क्रिप्टो करेंसी के ग्लोबल मार्केट कैप में 1.81 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है। फिलहाल क्रिप्टो करेंसी का ग्लोबल मार्केट कैप बढ़ कर 2.57 लाख करोड़ डॉलर यानी करीब 213.68 लाख करोड़ रुपये हो गया है। ग्लोबल मार्केट कैप में बढ़ोतरी होने के साथ ही पिछले 24 घंटे के दौरान क्रिप्टो करेंसीज के लेन-देन में भी तेजी आई है। इस अवधि में कुल 7,456 करोड़ डॉलर यानी 6.20 लाख करोड़ रुपये की क्रिप्टो करेंसी की लेन-देन हुई, जो 1 दिन पहले की तुलना में 5.24 प्रतिशत अधिक है। अगर दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन की बात करें, तो कीमत में उछाल आने के साथ ही पिछले 24 घंटे के कारोबार के दौरान क्रिप्टो करेंसी मार्केट में इस आभासी मुद्रा की स्थिति 0.24 प्रतिशत मजबूत हुई है, जिसके कारण इसकी मार्केट हिस्सेदारी बढ़ कर 52.98 प्रतिशत हो गई है।

आर्थिक गतिविधियों में ऊंची छलांग और मोदी 3.0 की आहट से शेयर बाजार ने भड़ी उड़ान

नई दिल्ली।

मुंबई। भारतीय अर्थव्यवस्था के दुनिया में सबसे तेज 8.2 प्रतिशत की गति से वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ने और आम चुनाव में श्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में मोदी 3.0 सरकार बनने के चुनाव बाद सर्वेक्षणों के रूझान से उत्साहित निवेशकों की लिवाली के बल पर आज शेयर बाजार ने नया रिकार्ड बनाया। इस दौरान बीएसई का सेंसेक्स 76 हजार अंक के स्तर को पार करते हुये 76468.78 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज(एनएसई) का निफ्टी भी पहली बार 23 हजार अंक के पार 23263.90 अंक पर रहा।

पिछले सप्ताहांत पर कारोबार बंद होने के बाद वित्त वर्ष 2023-24 के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े आये थे जिसमें भारत 8.2 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि के साथ दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश बना रहा है। हालांकि अधिकांश प्रमुख वैश्विक एजेंसियों ने इसके 7.0 प्रतिशत आसपास रहने का अनुमान जताया था। एक जून को आम चुनाव के लिए अंतिम चरण का मतदान हुआ था और उसके बाद जारी एक्जिट पोल में मोदी 3.0 का अनुमान जताया गया है। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन आज शुरूआती कारोबार में ही इन दोनों पहलुओं का असर दिखा और उत्साहित निवेशकों की लिवाली के बल पर शेयर बाजार ने नया रिकार्ड कायम किया। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 2622 अंक की छलांग लगाकर पहली बार 76 अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 76,583.29 अंक पर खुला और रिकॉर्ड लिवाली की बदौलत थोड़ी देर बाद ही 76,738.89 सार्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। हालांकि रिकॉर्ड ऊंचे भाव पर निवेशकों ने मुनाफा भी वसूला, जिससे सेंसेक्स 75,678.43 अंक के निचले स्तर पर भी रहा। अंत में यह पिछले दिवस के 73961.31 अंक की तुलन में 2507.47 अंक अर्थात 3.39 प्रतिशत की रिकार्ड तेजी के साथ पहली बार 76 हजार अंक के स्तर को पार करते हुये 76467.78 अंक पर रहा। इसी तरह से एनएसई का निफ्टी 807 अंक की उड़ान भरकर 23,337.90 अंक पर खुला और 23,338.70 अंक के रिकॉर्ड ऊंचे स्तर पर पहुंच गया। सत्र के दौरान यह 23062.30 अंक के निचले स्तर तक उतरा भी। अंत में यह पिछले दिवस के 22530.70 अंक की तुलना में 733.20 अंक अर्थात 3.25 प्रतिशत की बढ़त के साथ पहली बार 23 हजार के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार करते हुये 23263.90 अंक पर रहा।बीएसई में कुल रिकार्ड 4115 कंपनियों में कारोबार हुआ जिनमें से 2346 हरे निशान में और 1615 लाल निशान में रही जबकि 145 में कोई बदलाव नहीं हुआ।

हिंडनबर्ग के झटके से उबरा अडाणी ग्रुप

नई दिल्ली। करीब डेढ़ साल पहले हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के कारण बड़े झटके का सामना करने के बाद भारतीय उद्योगपति गौतम अडाणी अब पूरी तरह से उबर चुके हैं। इस अवधि में गौतम अडाणी एक बार फिर दुनिया के सबसे धनवान कारोबारी की सूची में टॉप 10 के काफी करीब पहुंच गए हैं। गौतम अडाणी ने संपत्ति के मामले में रिलायंस इंडस्ट्रीज के मुकेश अंबानी को भी पीछे छोड़ दिया है। फिलहाल गौतम अडाणी की व्यक्तिगत संपत्ति 111 अरब डालर हो गई है, जबकि मुकेश अंबानी की निजी संपत्ति 109 अरब डॉलर है। दुनिया के सबसे रईस कारोबारी की सूची में गौतम अडाणी 11वें स्थान पर और मुकेश अंबानी 12वें स्थान पर काबिज हैं। उल्लेखनीय है कि जब हिंडनबर्ग रिसर्च ने अपनी रिपोर्ट में अडाणी ग्रुप पर स्टॉक में हेर-फेर और अकाउंटिंग फ्रॉड करने समेत कई आरोप लगाए थे, उस समय गौतम अडाणी 150 अरब डॉलर की व्यक्तिगत संपत्ति के साथ दुनिया के टॉप 5 रईस कारोबारियों की सूची में शामिल थे। लेकिन इस रिपोर्ट में लगे आरोपों के बाद अडाणी ग्रुप के शेयरों में जोरदार गिरावट आई थी। खुद गौतम अडाणी की संपत्ति घटकर 37.72 अरब डॉलर के स्तर पर आ गई थी। लेकिन बाद में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर हुई जांच और अमेरिकी जांच एजेंसियों की रिपोर्ट में हिंडनबर्ग रिसर्च के रिपोर्ट को आधारहीन और स्वार्थप्रेरित पाए जाने के बाद अडाणी ग्रुप के शेयरों ने दोबारा तेजी पकड़ ली। इस तेजी की वजह से ही गौतम अडाणी एक बार फिर 111 अरब डॉलर की व्यक्तिगत संपत्ति के साथ भारत और एशिया के सबसे रईस कारोबारी बनने में सफल हुए हैं।

ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक फिलहाल फ्रांसीसी कारोबारी और लुई वीटो (एलवीएमएच) के संस्थापक बर्नार्ड अरनॉल्ट 207 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ दुनिया के सबसे रईस कारोबारी की सूची में पहले स्थान पर हैं। वहीं टेस्ला के संस्थापक एलन मस्क 203 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ दूसरे और अमेजन के जेफ बेजॉस 199 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स में गौतम अडाणी और मुकेश अंबानी के अलावा टॉप 100 रईसों की सूची में भारतीय कारोबारियों में से शापूरजी मिस्त्री 36.14 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ 44वें स्थान पर, सावित्री जिंदल 32.62 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ 49वें स्थान पर, शिव नाडर 31.61 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ 51वें स्थान पर, अजीम प्रेमजी 25.53 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ 68वें स्थान पर, दिलीप सांघवी 23.82 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ 79वें स्थान पर, कुमार बिरला 20.90 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ 89वें स्थान पर, लक्ष्मी मित्तल 20.54 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ 95वें स्थान पर, साइरस पूनावाला 20.51 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ 97वें स्थान पर और राधाकृष्ण दमानी 20.22 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ 100वें स्थान पर हैं।

दो हजार रुपये के 97.82 फीसदी नोट बैंकिंग सिस्टम में आए वापस:ःआरबीआई

एजेंसी

मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने कहा कि दो हजार रुपये मूल्य वर्ग के 97.82 फीसदी नोट बैंकों में वापस आ गए हैं। अब सिर्फ 7,755 करोड़ रुपये के नोट अभी भी लोगों के पास चलन में हैं, क्योंकि 2000 रुपये मूल्य का नोट अभी वैध है। आरबीआई ने बताया कि 19 मई को कारोबार की समाप्ति पर बाजार में चलन में मौजूद 2000 रुपये मूल्य वर्ग के नोट का कुल मूल्य 3.56 लाख करोड़ रुपये था। रिजर्व बैंक के मुताबिक 31 मई को कारोबार की समाप्ति पर बाजार में सिर्फ 7,755 करोड़ रुपये के नोट रह गए हैं। केंद्रीय बैंक ने कहा कि इस प्रकार 19 मई तक चलन में मौजूद 2000 रुपये मूल्य के 97.82 फीसदी नोट बैंकिंग प्रणाली में वापस आ गए हैं।

रिजर्व बैंक के मुताबिक 19 मई, 2023 से दो हजार रुपये के बैंक नोट को बदलने की सुविधा आरबीआई के 19 निर्गम कार्यालयों

में उपलब्ध है। इससे पहले 7 अक्टूबर, 2023 तक दो हजार रुपये के नोट को जमा करने या बदलने की सुविधा देश की सभी बैंक शाखाओं में उपलब्ध थी। रिजर्व बैंक के निर्गम कार्यालय 9 अक्टूबर, 2023 से व्यक्तियों और संस्थाओं से उनके बैंक खातों में जमा करने के लिए 2000 रुपये के नोट स्वीकार कर रहे हैं। इसके अलावा लोग अपने बैंक खातों में जमा करने के लिए देश के किसी डाकघर से आरबीआई के किसी भी निर्गम कार्यालय में भारतीय डाक के माध्यम से 2000 रुपये के नोट भेज रहे हैं। दो हजार रुपये के नोट बदलने के लिए आरबीआई के 19 क्षेत्रीय कार्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, बेलापुर, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, पटना और तिरुवनंतपुरम में स्थित हैं।

आरबीआई ने 19 मई, 2023 को दो हजार रुपये मूल्य वर्ग के नोट को चलन से वापस लेने की घोषणा की थी। नवंबर, 2016 में उस समय चलन में मौजूदा 1000 रुपये और 500 रुपये के बैंक नोट बंद किये जाने के बाद 2000 रुपये के नोट प्रचलन में लाये गये थे।

आईएटीए की आगामी आम बैठक की नई दिल्ली में मेजबानी करेगी इंडिगो

एजेंसी

दुबई/नई दिल्ली। बजट विमानन कंपनी इंडिगो जून 2025 में नई दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आईएटीए) की आगामी वार्षिक आम बैठक की मेजबानी करेगी। ये घोषणा आईएटीए की यहां जारी वार्षिक आम बैठक में की गई।

एयरलाइन ने जारी एक बयान में कहा कि इंडिगो 8-10 जून, 2025 को भारत की राजधानी नई दिल्ली में 81वीं आईएटीए वार्षिक आम बैठक

(एजीएम) और विश्व वायु परिवहन शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने कहा कि आईएटीए की वार्षिक आम बैठक 42 साल के बाद भारत में होगी। एल्बर्स ने आईएटीए में उपस्थित लोगों को बताया कि इंडिगो ने पहली बार उड़ान भरने वाले लाखों यात्रियों को सुविधा प्रदान की है। उन्होंने कहा कि हम 2025 में 81वीं आईएटीए एजीएम के लिए भारत के प्रवेश द्वार शहर नई दिल्ली में विमानन उद्योग को इकट्ठा करने के लिए तत्पर हैं। गौरतलब है कि आईएटीए 330 से अधिक एयरलाइन का एक वैश्विक समूह है।

मदर डेयरी ने भी दूध के दाम में 2 रुपये प्रति लीटर का किया इजाफा

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के नतीजे से पहले अमूल डेयरी के बाद अब मदर डेयरी ने भी अपने उत्पादों के दाम बढ़ाने का ऐलान किया है। मदर डेयरी ने दूध के दाम में दो रुपये प्रति लीटर का इजाफा किया है। अमूल डेयरी के दाम बढ़ाने के 12 घंटे बाद ही मदर डेयरी ने भी अपने उत्पादों का दाम बढ़ा दिया है। नई दरें सोमवार से लागू हो गई हैं। मदर डेयरी

ने तीन जून से दिल्ली-एनसीआर में अपने ताजा पाउच दूध सहित सभी प्रकार की दूध की कीमतों में 2 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। इस बढ़ोतरी के बाद मदर डेयरी का फुल क्रीम दूध 68 रुपये प्रति लीटर, टोन्ड दूध 56 रुपये प्रति लीटर और डबल टोंड दूध 50 रुपये प्रति लीटर का हो गया है। इसी तरह भैंस और गाय के दूध की कीमत अब क्रमशः 72 रुपये और 58 रुपये प्रति लीटर हो गई है, जबकि टोकन दूध (थोक में बेचा जाने वाला दूध) 54 रुपये प्रति लीटर बेचा जाएगा। कंपनी के बयान के अनुसार इस निर्णय का उद्देश्य बढ़ती उत्पादन लागत की भरपाई करना है, जो एक साल से अधिक समय से उद्योग को प्रभावित कर रही है। गौरतलब है कि मदर डेयरी दिल्ली-एनसीआर में प्रतिदिन 35 लाख लीटर ताजा दूध बेचती है। कंपनी ने आखिरी बार फरवरी 2023 में अपनी कीमतों में इजाफा किया था।

खाने में मिलाएं बस एक चुटकी Hing, मिलेंगे ये 8 हैरान करने वाले फायदे

हींग एक ऐसा मसाला है जो हर रसोई में बड़ी ही आसानी से मिल जाता है। खाने में इसे बस एक चुटकी डालने भर से भी खाने का स्वाद ऐसा निखरकर आता है कि सभी उंगलियां चाटते रह जाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह खाने की ख़ुशबू और स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। आइए जानते हैं Hing Benefits के बारे में।

Hing खाने का स्वाद बढ़ाने के साथ-साथ सेहत के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। इसका उपयोग पाचन को सुधारने, गैस और एसिडिटी को कम करने और पेट दर्द जैसी अन्य समस्याओं से राहत दिलाने में भी मदद करता है। इतना ही नहीं, यह खांसी और सर्दी में भी लाभकारी होता है।**Hing** असल में फेरूलाङ्कफोइटिडा नामक एक पौधे का रस होता है, जिसे सुखाकर हींग (Asafoetida) बनाई जाती है। इसकी उपज विशेष रूप से अफगानिस्तान, पाकिस्तान, इरान, बलूचिस्तान और काबुल के पहाड़ी क्षेत्रों में होती है। वहां से इसे भारत में पंजाब और मुंबई में लाया जाता है, क्योंकि भारत में इसकी खेती बहुत ही कम होती है।

औषधीय गुणों से भरपूर हींग को नियमित रूप से खाने में शामिल करने से आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और आपको स्वस्थ रहने में मदद मिलती है। ऐसे ही और भी कई लाभ एक चुटकी हींग आपको दे सकती है और यही कारण है कि सदियों से इसका इस्तेमाल खाने में होता आ रहा है। आइए जानते हैं हींग के सेवन से हमें क्या-क्या फायदे (Hing Benefits) मिल सकते हैं।

हींग से होने वाले फायदे

हींग में एंटीइंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो शरीर में सूजन कम करने में मदद करता है। इससे जोड़ों के दर्द से राहत मिलती है और सेहत से जुड़ी अन्य समस्याओं से भी बचाव होता है।

इसमें एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण होते हैं, जिसके कारण स्किन की जैसे कि एक्ने आदि को कम करने में मदद मिलती है।

हींग में विभिन्न प्रकार के रोगाणुओं के खिलाफ लड़ने में मदद करती है।

इसमें एनाल्जेसिक और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो पीरियड्स के दौरान होने वाले दर्द और ब्लोटिंग को कम करने में मदद करते हैं।

हींग में पाए जाने वाले तत्व रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करते हैं, जिससे हृदय संबंधी समस्याओं को कम किया जा सकता है। इसके अलावा, यह रक्त को पतला करने में मदद करता है, जिससे रक्त प्रवाह समान रहता है और ब्लड प्रेशर नॉर्मल रहता है।

हींग खाने को अच्छे से पचाने में मदद करता है, जिससे पेट की समस्याओं को कम किया जा सकता है।

यह गैस और एसिडिटी को नियंत्रित करने में मदद करता है।

हींग खांसी और सर्दी के लिए भी लाभकारी होता है, जिससे यह हमारे स्वास्थ्य के लिए लाभदायक सिद्ध होता है।

हींग श्वासनली को स्वस्थ रखने में मदद करता है, इसलिए यह रेस्पिरेटरी इन्फेक्शन से बचाने में मदद करता है।

इस चुनाव के दो खलनायक : गोदी मीडिया और चुनाव आयोग

चार जून को देखा जाएगा। विपक्ष ने यह चुनाव बहुत अच्छा लड़ा है। जनता के मुद्दे उठाए। जनता को भरोसा दिया कि आने के बाद वह उनकी सुनेगा। अपने मन की बात नहीं करेगा। जनता ने भी इस बार विपक्ष को खूब सुना। माहौल वह बिल्कुल नहीं है जो एक्जिट पोल बता रहा है। सारी जिम्मेदारी चुनाव आयोग पर जिलों के चुनाव अधिकारियों पर है कि वह पूरी ईमानदारी, निष्पक्षता और बिना किसी डर के काम करें। जनता से पंगा अच्छी बात नहीं है!चार जून को देखा जाएगा। विपक्ष ने यह चुनाव बहुत अच्छा लड़ा है। जनता के मुद्दे उठाए। जनता को भरोसा दिया कि आने के बाद वह उनकी सुनेगा। अपने मन की बात नहीं करेगा। जनता ने भी इस बार विपक्ष को खूब सुना। माहौल वह बिल्कुल नहीं है जो एक्जिट पोल बता रहा है। सारी जिम्मेदारी चुनाव आयोग पर जिलों के चुनाव अधिकारियों पर है कि वह पूरी ईमानदारी, निष्पक्षता और बिना किसी डर के काम करें। जनता से पंगा अच्छी बात नहीं है!या गोदी मीडिया के एक्जिट पोल सही साबित होंगे? हो सकते हैं, अगर चुनाव मशीनरी उससे मिली हुई हो! ज़मीन पर तो कहीं मोदी के जीतने के संकेत नहीं थे। हर जगह बेरोजगारी, महंगाई, अग्निवीर में युवाओं की जवानी बर्बाद होने की चिंता और संविधान बचाने की बातें थीं।जो हिन्दू=मुसलमान मोदी ने किया, मंदिर-मस्जिद लाए, मंगलसूत्र और भैंस तक छीनने की बात ले आए उसका तो जमीन पर कहीं असर दिखा नहीं। अपने काम की बात उन्होंने की नहीं। कांग्रेस ने यह किया कांग्रेस ने यह नहीं किया ही बोलते रहे। दस साल में आपने क्या किया इसके बारे में एक भी शब्द नहीं। बेरोजगारी, महंगाई शब्द ही एक बार भी मुंह से नहीं निकला। फिर ये 350 से 400 तक के आंकड़े कैसे? कोई एक आदमी ऐसा मिलता नहीं जो बताता हो कि एक्जिट पोल वाले उसके पास आए थे। फिर ये पोल किसका?रविवार सुबह के अखबार देखे। कुछ संयमित लगे। लिखा अनुमान हैं ये। पहले की तरह दावा नहीं लिखा। जाहिर है अखबारों के पास भी माहौल समझने का कुछ विवेक है। उसके संवाददाता भी जगह-जगह घूमे हैं। जिला स्तर पर और ब्लाक तक अभी भी अखबारों के संपर्क हैं। उनके संवाददाता हैं। यह अलग बात है कि उनकी खबरें पूरी तरह अब नहीं छपतीं। मगर संपादक और दूसरे वरिष्ठ पत्रकारों के आंखों के सामने से गुजरती हैं।

एक उदाहरण देते हैं। ग्वालियर में एक अख़बार हुआ करता था- स्वदेश। अभी भी है। 45 साल पहले वह ग्वालियर शहर और पूरे संभाग का प्रमुख अख़बार हुआ करता था। संघ का अख़बार था। स्टाफ भी सारा संघ का ही होता था। जिला और तहसील तक सारे संवाददाता भी प्रचारक या संघ के आदमी होते थे। लेकिन जब भी चुनाव आते थे। खबरें विश्लेषण तो वह भाजपा, जनसंघ के हिसाब से करता था। मगर मालूम उसे सब होता था। बड़ा अखबार होने की वजह से हर वर्ग के लोगों के संपर्क में रहता था। तो करना कुछ भी पड़ता हो मगर जानता सब था कि चल क्या रहा है। जनता क्या सोच रही है। चुनावों के बारे में जो दूसरे अख़बार समझते थे उनकी सूचनाएं होती थीं वही उसकी होती थी। संवाददाता संघ का होता था खबर उसके एंगल से लिखता था। मगर संपादक को बता देता था कि क्षेत्र की सही तस्वीर क्या है।ऐसा आज भी है। अखबारों को मालूम है कि जमीन पर क्या हुआ। इसलिए उन्होंने उछल कर नहीं दबा कर एक्जिट पोल पर लिखा। और अख़बार क्या खुद एक्जिट पोल करने वाले टीवी भी पहले की तरह नहीं फुदक रहे थे। उनके मुख्य एंकर अपने जोश पर बार-बार ब्रेक लगाते थे। और संवाददाताओं की आवाज में तो कहीं उत्साह था नहीं। पहले तो वे इस तरह खबर बताते थे जैसे मोदी जी का दिग्विजय अभियान पूरा होने वाला हो। तो मतलब कहानी इतनी आसान नहीं है।जनता ने क्या फैसला दिया है। यह उसकी बातों उसकी समस्याओं से मालूम पड़ता है। घर-घर में बेरोजगारी वाली जनता घर-घर मोदी वाला नारा सुनने को तैयार नहीं थी। महंगाई से पीड़ित जनता कांग्रेस यह ले जाएगी वह ले जाएगी सुनना नहीं चाहती थी। बचा क्या है जो कांग्रेस ले जाएगी?यह सारे सवाल थे। मगर एक्जिट पोल इसके ठीक विपरीत हैं। वे मोदी मोदी कर रहे हैं। इसलिए जनता को शक है कि गोदी मीडिया से माहौल बनवाकर कहीं चुनाव आयोग उसी के अनुसार नतीजे न दे दे।कांग्रेस के कोषाध्यक्ष अजय माकन ने बड़ा सनसनीखेज खुलासा किया है कि इस बार प्रत्याशी के मतगणना एजेंट को मतगणना टेबल तक नहीं जाने दिया जाएगा। मतलब चुनाव अधिकारी को खुली छूट होगी कि वह जो चाहे करे। माकन ने अपने इस खुलासे पर चुनाव आयोग से स्पष्टीकरण मांगा है मगर वह नहीं आया।1977 से हमने सब चुनाव देखे हैं। 77 से ही मतगणना केन्द्र में ही रहकर गिनती भी देखी है। मगर ऐसा कभी नहीं हुआ कि प्रत्याशियों के अधिकृत एजेंटों को मतगणना टेबल से दूर रखा जाए। फिर वह देखेगा क्या? पत्रकार भी अंदर होते हैं वे भी देखते हैं। प्रत्याशी के एजेंट, पत्रकार अगर वोट से ही दूर रहेंगे तो मतगणना केन्द्र में उनके जाने का फायदा क्या? बहुत गंभीर सवाल है। इससे पहले एक करोड़ सात लाख से ऊपर जाली वोट ईवीएम में करवाने का आरोप चुनाव आयोग पर है। पहले फेज के मतदान के बाद 11 दिन तक कितना मतदान हुआ इसका आंकड़ा सार्वजनिक नहीं किया गया था। बाद में मतदान प्रतिशत बढ़ाकर दिखाया गया। यह जो अतिरिक्त वोट दिखाए गए। जिन्हें विपक्ष एक करोड़ सात लाख से ज्यादा बता रहा है वह किसके खाते में गए?चुनाव आयोग बहुत संदेह के घेरे में है। इसलिए कहा जा रहा है कि गोदी मीडिया से ऐसा एक्जिट पोल करवाया गया कि वह आयोग के चार जून के बताए जाने वाले नतीजों के अनुरूप हो। पहले गोदी मीडिया से कहलवा दो फिर वैसा ही नतीजा बता दो। जनता मान जाएगी।लेकिन अब जनता सवाल कर रही है कि यह गोदी मीडिया जब खबरें गलत बताता है। तो एक्जिट पोल सही कैसे बता देगा?जब रोजगार का सवाल चला तो मोदी ने तो एक बार भी उसका नाम नहीं लिया। मगर गोदी मीडिया ने बता दिया कि मोदी ने दो करोड़ प्रतिवर्ष रोजगार देने के अपने वादे के अनुरूप 20 करोड़ रोजगार लोगों को दे दिए हैं। लोग हैरान कि यह रोजगार कहां गए? हमारे परिवार में एक भी नहीं आया। गांव में भी किसी को नहीं मिला। फिर ये गए कहां? तो लोगों को गोदी मीडिया की खबरों पर ही जब भरोसा नहीं है तो एक्जिट पोल पर कैसे बनेगा?नतीजे कुछ भी हों मगर इस चुनाव में दो खलनायक सामने आ गए हैं। एक गोदी मीडिया और दूसरा चुनाव आयोग। जन विरोधी। दोनों ने अपनी विश्वसनीयता तो पूरी तरह खतम की ही है जनता को ऐसा लगने लगा है कि दोनों मिलकर उसका अस्तित्व भी खतम कर रहे हैं। वोट ही तो उसकी ताकत है। वही अगर उसने दिया किसी को चला कहीं और जाए तो उसका क्या महत्व रहेगा?लोकतंत्र में निष्पक्षता, पारदर्शिता बहुत जरूरी है। इसी से जनता का विश्वास बना रहता है। अभी इतने एक्जिट पोल आए जनता का सवाल बिल्कुल जायज है कि कभी आज तक कोई भी उनसे पूछने नहीं आया कि किसे वोट दिया है? और साथ ही लोग यह भी कहते हैं कि वोट डालने के बाद क्या कोई इनको बता देगा कि फलाने को वोट डालकर आए हैं।एक्जिट पोल एक खेल की तरह, धंधे की तरह भी ठीक था। मगर अब यह जनादेश बदलने के लिए उपयोग में लाया जा रहा है। पहले कहा चार सौ पार। फिर उसका माहौल बनाया। एक्जिट पोल लाया। और फिर आगे?चार जून को देखा जाएगा। विपक्ष ने यह चुनाव बहुत अच्छा लड़ा है। जनता के मुद्दे उठाए। जनता को भरोसा दिया कि आने के बाद वह उनकी सुनेगा। अपने मन की बात नहीं करेगा। जनता ने भी इस बार विपक्ष को खूब सुना। माहौल वह बिल्कुल नहीं है जो एक्जिट पोल बता रहा है। सारी जिम्मेदारी चुनाव आयोग पर जिलों के चुनाव अधिकारियों पर है कि वह पूरी ईमानदारी, निष्पक्षता और बिना किसी डर के काम करें।

संपादकीय

अब नतीजों का इंतज़ार

लोकसभा चुनाव के सातवें व अंतिम चरण का मतदान शनिवार को सम्पन्न हो जाने के बाद विभिन्न न्यूज़ चैनलों एवं सर्वे एजेंसियों ने उसी शाम 6.30 बजे के बाद से अपने एक्जिट पोल्स दिखला दिये हैं और अपने-अपने अनुमानों के अनुसार सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी प्रणीत नेशनल डेमोक्रेटिक एलाएंस यानी एनडीए अथवा उसके खिलाफ कांग्रेस के नेतृत्व में लामबन्द हुए इंडिया को जीतता हुआ बतला रहे हैं। भाजपा के स्टार प्रचारक नरेन्द्र मोदी के बहुप्रचारित खुद की पार्टी के बल पर 370 और एनडीए के बूते 400 पार के नारे की तो बात अब हो नहीं रही है लेकिन ट्रेंड यह दिख रहा है कि सत्ता के नजदीक माना जाने वाला मुख्यधारा का मीडिया एनडीए को तथा स्वतंत्र व डिजिटल मीडिया, जिनमें ज्यादातर यू ट्यूबर हैं- इंडिया की जीत का अनुमान जाहिर कर रहे हैं। जो भी हो, मंगलवार को स्थिति साफ हो जायेगी जब परिणाम सामने आ जायेंगे।यह चुनाव जिस तरीके से लड़ा गया है, वह कई सवाल खड़े करता है। पहला तो यही कि केन्द्रीय निर्वाचन आयोग, जिस पर निष्पक्षतापूर्वक व भयरहित वातावरण में चुनाव कराने की जिम्मेदारी थी, वह ऐसा करने में पूरी तरह से नाकाम रहा है। जिस दिन से इसकी घोषणा हुई थी, तभी से उसने अपनी आंखें, कानों और मुंह को बन्द कर रखा है। गहन संदेहों के घेरे में आई हुई इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के जरिये ही चुनाव कराने पर सरकार के इशारे पर आमादा निर्वाचन आयोग 2019 के चुनाव के समय से ही सरकार के पक्ष में खड़ा दिखा था। उसने अपना वही रवैया इस बार भी बनाये रखा। ईवीएम के साथ ही इलेक्टोरल बॉन्ड्स के कारण विपक्षी आलोचना के केन्द्र में रही भाजपा सरकार पर यह भी आरोप लगा कि उसने अपनी जांच एजेंसियों के जरिये खूब चुनावी चंदा बटोरा है और उसके बल पर वह न केवल चुनाव लड़ रही है बल्कि उसने कथित %ऑपरेशन लोटसट के माध्यम से विरोधी दलों को कमजोर किया, उसकी राज्य सरकारें गिराईं और एक तरह से संघवाद को कुचल दिया है।

इसके अलावा भाजपा ने कई प्रकार से आचार संहिता का उल्लंघन किया जिसमें निर्वाचन आयोग ने भरपूर साथ दिया। मोदी के चुनावी भाषणों में आचार संहिता के किसी भी नियम का ख्याल नहीं रखा गया। उन्होंने अलग-अलग सन्दर्भों में खूब हिन्दू-मुसलमान किया, कांग्रेस व अन्य विरोधी दलों के नेताओं के खिलाफ आधारहीन व अमर्यादित टिप्पणियां कीं। पहले तो उन्होंने इंडिया गठबन्धन को अपमानजनक शब्दों से सम्बोधित किया, फिर कांग्रेस के घोषणापत्र पर %मुस्लिम लीग की छायाट बतलाई तथा उलजुलूल आरोप लगाये। गैरजिम्मेदारीपूर्ण व्यवहार का परिचय देते हुए उन्होंने यह कहा कि कांग्रेस की सरकार बनी तो वह लोगों के मंगलसूत्र छीनकर %कई बच्चे वालों' को दे देगी। उनका संकेत मुस्लिमों की ओर था। उन्होंने इंडिया सरकार द्वारा एक्सरे कर लोगों के घरों का सोना छीन लेने और सबकी बिजली-पानी काट देने का डर भी दिखाया। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के एक भाषण को गलत उद्धृत करते हुए मोदी ने कह डाला कि यूपीए सरकार का मानना था कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुस्लिमों का है। मोदी इस दौरान भविष्य में विकसित भारत बनाने की तो बातें करते रहे परन्तु वे अपने 10 वर्ष के कार्यकाल के दौरान क्या विकास कर सके, इस बाबत चुप्पी साधे रखी। मोदी व भाजपा ने प्रतिपक्ष के कई नेताओं को अपमानित किया। ओडिशा के सुसंस्कृत मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के बारे में अभद्र बातें कहीं। हालांकि इनमें उनकी कुछ टिप्पणियां ऐसी थीं कि स्वयं मोदी ही हास्य के पात्र बन गये।भारत के इतिहास में यह पहला चुनाव है जिनमें कई घटनाएं पहली बार हुईं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया गया। इसका मकसद दोनों को चुनाव प्रचार से रोकना था। हेमंत तो मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर जेल गये पर केजरीवाल ने पद नहीं छोड़ा। इतना ही नहीं, उन्होंने जमानत पाकर करीब दो हफ्ते जमकर प्रचार किया और अब फिर रविवार को उन्होंने जेल जाने के लिए समर्पण कर दिया। यह कदम भाजपा के लिये आत्मघाती साबित होता दिख रहा है क्योंकि इससे इंडिया और भी मजबूत बन गया तथा दोनों राज्यों में सहानुभूति लहर चल पड़ी। अन्य मामलों की तरह ही निर्वाचन आयोग इस मामले पर भी मौन बना रहा। शनिवार को कांग्रेस के जयराम रमेश ने यह कहकर सनसनी फैलाई कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह कलेक्टरों को व्यक्तिगत रूप से फोन कर धमका रहे हैं। ये वही शाह हैं जिनका दावा है कि पांचवें चरण के बाद ही एनडीए को 300 से 310 सीटें मिल चुकी हैं। यानी वह सत्ता बनाने की स्थिति में आ गया है। ऐसा है तो शाह के लिये क्या ज़रूरत है कि वे कलेक्टरों को धमकियां दें? यह इस बात की ओर स्पष्ट संकेत है कि शाह जो कह रहे हैं वैसा कुछ है नहीं। यानी एनडीए सरकार बनाने की स्थिति में नहीं आया है।जिस प्रकार मोदी 2019 के चुनाव प्रचार के दौरान अपने निर्वाचन क्षेत्र में मतदान के पहले एक गुफा में ध्यान लगाने चले गये थे .

चाबहार बंदरगाह भारत, ईरान और अफ़गानिस्तान के लिए एक रणनीतिक जरूरत

चाबहार भारत के अफगानिस्तान में अपनी उपस्थिति को फिर से स्थापित करने के बारे में भी है, ठीक उसी तरह जैसे उसने 2001 और 2021 के बीच गणतंत्र सरकार और अफगान लोगों के साथ मजबूत संबंध बनाये थे। 2016 के चाबहार समझौते का एक महत्वपूर्ण हिस्सा पाकिस्तान के कराची और ग्वादर बंदरगाहों से बचते हुए भूमि से घिरे अफगानिस्तान को समुद्र तक पहुंच देना था।भारत आज ईरान में लंबे समय से लंबित चाबहार बंदरगाह परियोजना को पुनर्जीवित करने के लिए काम कर रहा है। 13 मई को, इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड (आईपीजीएल) और ईरान के बंदरगाह और समुद्री संगठन ने 10 साल के समझौते पर हस्ताक्षर किये। यह सौदा भारत को चाबहार बंदरगाह को विकसित करने और संचालित करने की अनुमति देता है।आईपीजीएल लगभग 120 मिलियन डॉलर का निवेश करेगा, जिसमें अतिरिक्त 250 मिलियन डॉलर का वित्तपोषण होगा, जिससे अनुबंध का कुल मूल्य 370 मिलियन डॉलर हो जायेगा।भारत, अफ़गानिस्तान और ईरान को जोड़ने वाला परिवहन और पारगमन मार्ग बनाने के लिए %चाबहार समझौता% मूलरूप से मई 2016 में हुआ था। इस समझौते का उद्देश्य भारत, अफ़गानिस्तान और ईरान के बीच माल और यात्रियों को ले जाने के लिए बंदरगाह का उपयोग करना था। इससे अन्य देशों से माल और यात्रियों को आकर्षित करने की भी उम्मीद थी।उस समय ईरान के राष्ट्रपति हसन रूहानी ने दिसंबर 2017 में चाबहार बंदरगाह के पहले चरण का शुभारंभ किया। आईपीजीएस ने 2018 के अंत में बंदरगाह संचालन का प्रबंधन शुरू किया। तब से, इसने 90,000 टीईयू (ट्वेंटी फुट इक्विवेलेंट यूनिट्स) से अधिक कंटेनर ट्रैफ़िक और 8.4 मिलियन टन से अधिक बल्क और सामान्य कार्गो को संभाला है। 2018 में, ट्रम्प प्रशासन ने एक छूट दी, जिसने चाबहार को अमेरिकी प्रतिबंधों से बाहर रखा, जिससे बंदरगाह का उपयोग अफ़गान पुनर्निर्माण प्रयासों का समर्थन करने के लिए किया जा सके। विदेश विभाग के प्रवक्ता ने कहा कि- राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की %दक्षिण एशिया रणनीति अफ़गानिस्तान की आर्थिक वृद्धि और विकास के लिए हमारे निरंतर समर्थन को उजागर करती है, साथ ही भारत के साथ हमारी मजबूत साझेदारी भी, जैसा कि द डिप्लोमैट की एक रिपोर्ट में बताया गया है।अमेरिकी प्रवक्ता ने कहा कि यह अपवाद अफ़गानिस्तान के लिए पुनर्निर्माण सहायता और आर्थिक विकास से जुड़ा है, जो देश के विकास का समर्थन करने और मानवीय राहत प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। हाल ही में हुए समझौते के जवाब में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने एक चेतावनी जारी की है। उसने संकेत दिया कि अगर भारतीय कंपनी आईपीजीएल निवेश के साथ आगे बढ़ती है तो उसे प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है।अगस्त 2021 में अमेरिका के अफगानिस्तान छोड़ने के बाद से चाबहार पर अमेरिकी दृष्टिकोण बदल गये हैं। वाशिंगटन तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार को मान्यता देने की योजना नहीं बना रहा है जिसने गणराज्य से सत्ता संभाली है और उसने तालिबान की प्रतिबंधात्मक नीतियों को बदलने की कोशिश करने के लिए वित्तीय दबाव का उपयोग करने की रणनीति लागू की है। भले ही यह रणनीति अब तक काम नहीं आई है, लेकिन चाबहार को तालिबान को लाभ पहुंचाने वाला एक प्रमुख व्यापार और पारगमन केंद्र बनाना अमेरिकी रणनीति के सफल होने की संभावनाओं को कमजोर कर सकता है।हालांकि, भारत के लिए चाबहार कई फायदे प्रदान करता है। यह ईरान के साथ अपने लंबे समय से चले आ रहे संबंधों को बनाये रखने में मदद करता है, जो भारत द्वारा ईरानी तेल आयात करना बंद करने और विभिन्न मुद्दों पर उनकी नीतियों के अलग होने के कारण तनावपूर्ण हो गया था। चाबहार निष्क्रिय अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे (आईएनएसटीसी) को पुनर्जीवित करने के लिए भी महत्वपूर्ण है, जिसका उद्देश्य भारत, ईरान, रूस और कई मध्य और पश्चिम एशियाई देशों के बीच व्यापार को बढ़ावा देना है। भारत-मध्य पूर्व आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) परियोजना, जिसे 2023 में बहुत उत्साह के साथ लॉन्च किया गया था, अब गाजा में इजरायल के युद्ध के कारण लगभग छोड़ दिया गया है, और यूरोपीय संघ और यू.के. के साथ

मुक्त व्यापार समझौते की वार्ता ठप हो गयी है, और भारत की वैकल्पिक व्यापार मार्गों की आवश्यकता भी काफी बढ़ गई है।चाबहार भारत के अफगानिस्तान में अपनी उपस्थिति को फिर से स्थापित करने के बारे में भी है, ठीक उसी तरह जैसे उसने 2001 और 2021 के बीच गणतंत्र सरकार और अफगान लोगों के साथ मजबूत संबंध बनाये थे। 2016 के चाबहार समझौते का एक महत्वपूर्ण हिस्सा पाकिस्तान के कराची और ग्वादर बंदरगाहों से बचते हुए भूमि से घिरे अफगानिस्तान को समुद्र तक पहुंच देना था। कई वर्षों से, पाकिस्तान ने अक्सर अफगानिस्तान के लिए अपनी सीमाओं को बंद कर दिया है, जिससे देश की समुद्र तक पहुँच अवरुद्ध हो गयी है और भारत और दक्षिण एशिया के साथ व्यापार और पारगमन में बाधा उत्पन्न हुई है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण संबंधों के कारण यह एक बार फिर प्रासंगिक हो गया है।चाबहार को वैकल्पिक मार्ग के रूप में फिर से सक्रिय करने के प्रयासों को कई खुली और पर्दे के पीछे की बातचीत के माध्यम से गति दी गयी है। हाल के महीनों में, भारत तालिबान के करीब आ गया है, जबकि अफ़गानिस्तान और पाकिस्तान के बीच संबंध खराब हो गये हैं, और तेहरान और इस्लामाबाद के बीच तनावबढ़ गया है। तालिबान के अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से खुद को एक ऐसे देश पाकिस्तान से दूर रखने का उल्लेख किया है जो अफ़गानिस्तान के मामलों में बहुत अधिक शामिल रहा है।मार्च 2024 में, तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी और भारत के विदेश मंत्रालय के अफ़गानिस्तान और पाकिस्तान प्रभाग के प्रमुख जे.पी. सिंह के बीच काबुल में एक बैठक के दौरान, उन्होंने चाबहार पर चर्चा की। 28 मार्च को, तालिबान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी किया जिसमें चाबहार बंदरगाह के माध्यम से दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ाने के लिए भारत के समर्थन पर प्रकाश डाला गया। उस महीने की शुरुआत में, तालिबान ने चाबहार बंदरगाह में लगभग 35 मिलियन डॉलर का निवेश करने की योजना की घोषणा की। भारत और ईरान दोनों ने तालिबान के साथ जुड़ने के लिए अपनी रणनीतियों को संरेखित किया है। यह स्पष्ट है कि नई दिल्ली, तेहरान और काबुल मूल चाबहार योजना को पुनर्जीवित करने और पिछली चुनौतियों से आगे बढ़ने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका से स्पष्ट स्वीकृति के बिना आगे बढ़ने के कारण, ये क्षेत्रीय खिलाड़ी क्षेत्रीय मंच पर जोखिम उठाने को तैयार हैं।अमेरिका के साथ बैक चैनल कूटनीति और मजबूत रणनीतिक संबंधों ने पहले भारत को रूस से एस-400 मिसाइल और तेल आयात करते समय अमेरिकी प्रतिबंधों को दरकिनार करने में सक्षम बनाया है। इस बार, नई दिल्ली को विश्वास है कि वह, जैसा कि भारतीय विदेश मंत्री ने कहा, चाबहार सौदे पर संयुक्त राज्य अमेरिका से संवाद कर सकता है, समझा सकता है और चुपचाप स्वीकृति प्राप्त कर सकता है, इसलिए आईपीजीएल को प्रतिबंधों का सामना नहीं करना पड़ेगा।चीन के साथ प्रतिस्पर्धा में नई दिल्ली अमेरिका के लिए एक महत्वपूर्ण भागीदार है, और वाशिंगटन द्वारा कठोर उपायों से बचने की संभावना है, खासकर चुनावी वर्ष के दौरान।

पंचतत्वों पर आधारित खानपान रखे स्वस्थ

पंचतत्व अर्थात् पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश। हमें अपने खानपान में प्रतिदिन इन पांचों तत्वों का भी सेवन करना चाहिए। ऐसा होने पर हम अधिकाधिक स्वस्थ व सक्रिय रह सकेंगे।

वायु – सांस के माध्यम से हर प्राणी वायु ग्रहण करता है। बाकी तत्वों को कुछ समय या कुछ दिन के लिए छोड़ा जा सकता है, पर वायु को नहीं। जो लोग अनशन या उपवास करते हैं, वे भी अन्न, फल, सब्जी या जल आदि छोड़ देते हैं, पर वायुसेवन नहीं। एक समय आहार लेने वाले संन्यासी भी वायुसेवन तो प्रतिक्षण करते ही हैं। अर्थात् पंचतत्व में से वायु प्राणियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

यह वायु व्यक्ति को शुद्ध एवं प्राकृतिक रूप में पर्याप्त मात्रा में मिले, यह भी आवश्यक है। जो लोग बड़े शहरों में या उद्योगों के पास रहते हैं, उन्हें शुद्ध वायु नहीं मिल पाती। इसीलिए इन दिनों नये-नये रोग लगातार बढ़ रहे हैं। अब तो बड़े नगरों में शुद्ध ऑक्सीजन के बूथ खुलने लगे हैं, जहां पैसे देकर व्यक्ति दस-पन्द्रह मिनट शुद्ध प्राणवायु ले सकता है। जैसे आजकल हर व्यक्ति अपने साथ साफ पानी की बोतल रखने लगा है, लगता है कुछ समय बाद लोग प्राणवायु के छोटे सिलेंडर भी साथ लेकर चला करेंगे। ताजी और शुद्ध प्राणवायु प्राप्त करने की निःशुल्क विधि प्रातःकालीन भ्रमण है। सूर्योदय होने पर पेड़ों द्वारा रात में उत्सर्जित कार्बन डायआक्साइड वायुमंडल में चली जाती है। ऐसे शीतल और शांत वातावरण में अकेले या सपरिवार घूमना शुद्ध वायु ग्रहण करने का सबसे सरल उपाय है।

केवल घूमना ही नहीं, तो इस समय कुछ आसन, व्यायाम और प्राणायाम करना भी बहुत लाभदायक है। सुबह की ही तरह शाम का भ्रमण भी बहुत लाभकारी है। इन दोनों समय पर दिन और रात का मिलन होता है। इसके सदुपयोग से हम अपने शरीर तथा मन को स्वस्थ रख सकते हैं। बच्चों और युवाओं को तो शाम के समय पढ़ने की बजाय खेलना ही चाहिए।

चाहे कोई स्वयं वाहन न चलाता हो, पर प्रदूषित वायु सेवन करना तो उसकी भी मजबूरी ही है। इसलिए जहां सार्वजनिक यातायात व्यवस्था का बहुत अच्छा होना जरूरी है, वहां दस-बीस कदम जाने के लिए वाहन निकालने की आदत भी छोड़नी होगी। पेड़ों को कटने से बचाकर तथा परिवार के हर सदस्य के नाम पर एक पेड़ लगाकर हम प्रदूषण नियंत्रण में सहयोग दे सकते हैं।

जल– वायु की ही तरह जल भी व्यक्ति की प्राथमिक आवश्यकता है। किसी समय बहता पानी निर्मला कहकर नदियों का जल सर्वाधिक शुद्ध माना जाता था, पर अब नगरों के सीवर, कारखानों के अपशिष्ट, समय-समय उसमें विसर्जित की जाने वाली रासायनिक रंगों से पुती मूर्तियों तथा अन्य कूड़े करकट के कारण नदियां आचमन योग्य भी नहीं रह गयी हैं। अब तो सब जगह कुछ घंटों के लिए सरकारी पानी मिलता है। वह कितना शुद्ध होता है, कहना कठिन है। पानी साफ और भरपूर मिले, इसके लिए निजी बोरिंग कराने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जिनके लिए यह संभव नहीं है, उन्होंने भी घरों में फिल्टर लगा लिये हैं। इनसे एक लीटर पानी साफ होने के चक्कर में चार लीटर पानी नाली में बह जाता है। शहरीकरण का अर्थ ही है, बिजली और पानी का अत्यधिक प्रयोग। अतः जल का स्तर लगातार नीचे जा रहा है।

विद्वानों का मत है कि अगला विश्व युद्ध जल के कारण होगा। इसका सत्य तो भविष्य बताएगा पर नलों पर हर दिन डिब्बे और कनस्तर लिये लोगों को झगड़ते हुए कोई भी देख सकता है। मंगल आदि ग्रहों पर जाने वाले यान भी वहां सबसे पहले पानी की ही तलाश कर रहे हैं। इसके बाद भी लोगों का ध्यान इस ओर नहीं है। जो कार दो बाल्टी पानी में धोई जा सकती है, उसे दो हजार लीटर साफ पानी से धोते हुए लोग प्रायः मिल जाते हैं। हम वर्षा जल का संरक्षण कर तथा पानी को व्यर्थ न जाने देकर भी इस दिशा में अपना व्यक्तिगत सहयोग दे सकते हैं। हम साफ पानी पिएं, यह तो आवश्यक है ही पर कितना पिएं, इस बारे में अलग-अलग मत हैं। फिर भी एक व्यस्क व्यक्ति को दिन भर में आठ-दस गिलास पानी तो पीना ही चाहिए। सुबह उठकर कुल्ला-मंजन के बाद तांबे के साफ पात्र में रखा पानी भरपेट पीना बहुत लाभ देता है। तांबा जल की अधिकांश अशुद्धियां दूर कर देता है। सर्दियों में पानी को गुनगुना कर लें, तो और अच्छा रहेगा।

आकाश– आकाश की पहचान खालीपन या शून्यता है। घटाकाश और मठाकाश जैसी कल्पनाएं इसी में से आई हैं। आकाश में कोई भी चीज फेकें, खाली होने के कारण वह मना नहीं करता। वायु और अंतरिक्ष यान इसीलिए आकाश में निर्द्वन्द उड़ते हैं। किसी पात्र के खाली होने का अर्थ है कि उसमें आकाश तत्व विद्यमान है पर जब उसमें कोई वस्तु डालते हैं, तो वह हट जाता है। ऐसी शून्यता हम अपने पेट को बिल्कुल खाली रखकर प्राप्त कर सकते हैं। अतः प्रातः शौचादि से निवृत्त होने के बाद लगभग दो घंटे तक पेट को अवकाश दें। इससे जहां भोजन पचाने वाली इंद्रियों को आराम तथा अपनी टूट-फूट ठीक करने का समय मिलेगा, वहां हमें आकाश तत्व भी प्राप्त होगा। व्रत और उपवास आकाश तत्व की प्राप्ति का अवसर कुछ अधिक समय तक प्रदान करते हैं। इनका भरपूर उपयोग करना चाहिए पर इस नाम पर दिन में कई बार पेट में गरिष्ठ चीजें ठूंसते रहना शुद्ध पाखंड है।

पृथ्वी– पृथ्वी हमें अन्न, दाल और सब्जियां आदि देती है। अतः इनके सेवन से हमें पृथ्वी तत्व की प्राप्ति होती है पर इन्हें कच्चा नहीं खा सकते। इन्हें आग पर पकाकर तथा आवश्यकतानुसार कुछ अन्य मिर्च-मसाले डालकर प्रयोग किया जाता है। इनका सेवन कितना और कितनी बार करें, इसका कोई मापदंड नहीं है। शारीरिक परिश्रम करने वाले किसान या मजदूर तथा कार्यालय में बैठकर काम करने वाले की आवश्यकता अलग-अलग होगी। उन्हें उसी अनुसार इनका सेवन करना चाहिए। ऐसा न होने पर जहां एक ओर तोंद वाले, तो दूसरी ओर दुबले-पतले लोग सर्वत्र घूमते मिलते हैं।

अग्नि–
अग्नि का स्रोत सूर्य है। सर्दियों में तो सीधे धूप में लेटना या बैठकर काम करना अच्छा लगता है। गर्मियों में भी अपने काम के सिलसिले में घूमते-फिरते धूप लगती रहती है। इससे अग्नि तत्व अपने आप ही मिल जाता है। जो लोग दिन भर वातानुकूलित वातावरण अर्थात् एसी वाले घर, कार्यालय और कार में रहते हैं, उनके शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। इसलिए थोड़े से परिश्रम या मौसम बदलने मात्र से ही ये लोग बीमार होकर बिस्तर पकड़ लेते हैं। भीषण गर्मियों में जहां लू से बचना आवश्यक है, वहां धूप से डरना भी अनुचित है।

जहां तक खानपान की बात है, तो सूर्य की ऊर्जा से पके हुए फल और सलाद आदि के सेवन से अग्नि तत्व भरपूर मात्रा में प्राप्त होता है पर इनका सेवन सूर्यकाल में ही करना चाहिए। अर्थात् सूर्यास्त के बाद इन्हें खाना ठीक नहीं है। इसी तर्ज पर कुछ लोग यह भी कहते हैं कि पृथ्वी तत्व वाले जिन पदार्थों को खाने से पूर्व आग पर चढ़ाना पड़ता है, उन्हें सूर्य की उपस्थिति में नहीं खाना चाहिए। यद्यपि बहुत से लोग अपनी धार्मिक आस्था या वृद्धावस्था के कारण सूर्यास्त के बाद अन्न नहीं खाते। उनका कहना है कि सूर्यास्त के बाद शरीर की पाचनक्रिया मंद हो जाती है। अतः उस समय भारी भोजन ठीक नहीं है। विचार भिन्नता के कारण इस विषय को स्वतंत्र छोड़ देना ही उचित है। ये कुछ ऐसी बातें हैं, जिन्हें समय-समय पर कुछ बुजुर्गों के मुंह से सुना है। इसमें से कुछ का प्रयोग करने से लाभ भी हुआ है। यद्यपि आज की भागदौड़ वाले जीवन में सब नियमों का पालन संभव नहीं होता। फिर भी जितना हो सके, उतना पालन करके देखें।

आंखों पर दें ध्यान

आंखें अनमोल हैं, इसलिए इनकी सेहत का बदलते मौसम के अनुसार ध्यान रखना आवश्यक है

- आंखों में सूखापन की समस्या सर्दियों में बढ़ सकती है। सूखेपन से बचाव के लिए डॉक्टर के परामर्श से आर्टीफिशियल टीयर ड्रॉप का इस्तेमाल करें।
- इस मौसम में एलर्जी की शिकायत भी सभव है। इससे बचने के लिए दिन में दो बार आंखों को साफ पानी से धोएं। इन्हें मलें या रगड़ें नहीं।
- चेहरे के साथ आंख के आसपास व पलक की त्वचा को सूखेपन से बचाएं, लेकिन ध्यान रहे कि कोई भी मॉइश्चराइजर या कोल्ड क्रीम आंख के अंदर न जाए।
- काला चश्मा लगाकर ही धूप में बैठें।
- नेत्रों को चश्मे के जरिये ठंडी हवाओं से बचाएं।

पेट दर्द के घरेलू उपचार

अधिकतर बीमारियों की वजह होती है असंयमित खान-पान। गलत खान-पान के कारण कभी-कभी पेट में दर्द होने लगता है। आमतौर पर पेट दर्द का एक मुख्य कारण अपच, मल सूखना, गैस बनना यानी वात प्रकोप होना और लगातार कब्ज बना रहना भी है। पेट दर्द को दूर करने के लिए कुछ घरेलू उपाय हैं, जो दर्द तो दूर करते हैं, साथ ही साथ पेट की क्रियाओं को भी ठीक करते हैं।

– पेट दर्द मे हींग का प्रयोग लाभकारी होता है। 2 ग्राम हींग थोड़े पानी के साथ पीसकर पेस्ट बनाएं। नाभी पर और उसके आस-पास यह पेस्ट लगाएं।

–अजवाइन को तवे पर सेक लें और काले नमक के साथ पीसकर पाउडर बनाएं। 2-3 ग्राम गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लेने से पेट का दर्द दूर होता है।

–जीरे को तवे पर सेकें और 2-3 ग्राम की मात्रा गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लें। इसे चबाकर खाने से भी लाभ होता है।

–पुदीने और नींबू का रस एक-एक चम्मच लें। अब इसमें आधा चम्मच अदरक का रस और थोड़ा सा काला नमक मिलाकर उपयोग करें। दिन में 3 बार इस्तेमाल करें, पेट दर्द में आराम मिलेगा।

–सूखी अदरक मुंह में रखकर चूसने से भी पेट दर्द में राहत मिलती है।

–बिना दूध की चाय पीने से भी कुछ लोग पेट दर्द में आराम महसूस करते हैं।

–अदरक का रस नाभी स्थल पर लगाने और हल्की मालिश करने से पेट दर्द में लाभ होता है।

–अगर पेट दर्द एसिडिटी से हो रहा हो तो पानी में थोड़ा सा मीठा सोडा डालकर पीने से फायदा होता है।

–पेट दर्द निवारक चूर्ण बनाएं। इसके लिए भुना हुआ जीरा, काली मिर्च, सौंठ, लहसुन, धनिया, हींग, सूखी पुदीना पत्ती सबकी बराबर मात्रा लेकर बारीक चूर्ण बनाएं। इसमें थोड़ा सा काला नमक भी मिलाएं। खाने के बाद एक चम्मच थोड़े से गर्म पानी के साथ लें। पेट दर्द में आशातीत लाभकारी है।

–एक चम्मच शुद्ध घी में हरे धनिये का रस मिलाकर लेने से पेट की व्याधि दूर होती है।

–अदरक का रस और अरंडी का तेल प्रत्येक एक-एक चम्मच मिलाकर दिन में 3 बार लेने से पेट दर्द दूर होता है।

–अदरक का रस एक चम्मच, नींबू का रस 2 चम्मच लेकर उसमें थोड़ी सी शक्कर मिलाकर प्रयोग करें। पेट दर्द में लाभ होगा। दिन में 2-3 बार ले सकते हैं।

–अनार पेट दर्द मे फायदेमंद है। अनार के बीज निकालें। थोड़ी मात्रा में नमक और काली मिर्च का पाउडर डालें। और दिन में दो बार लेते रहें।

–मेथी के बीज पानी में भिगोएं। पीसकर पेस्ट बनाएं। और इस पेस्ट को 200 ग्राम दही में मिलाकर दिन में दो बार लेने से पेट के विकार नष्ट होते हैं।

–इसबगोल के बीज दूध में 4 घटे भिगोएं। रात को सोते समय लेते रहने से पेट में मरोड़ का दर्द और पेचिश ठीक होती है।

–सौंफ में पेट का दर्द दूर करने के गुण होते है। 15 ग्राम सौंफ रात भर एक गिलास पानी में भिगोएं। छानकर सुबह खाली पेट पीयें। बहुत गुणकारी उपचार है।

–आयुर्वेद के अनुसार हींग दर्द निवारक और पित्तवर्द्धक होती है। छाती और पेट दर्द में हींग का सेवन बेहद लाभकारी होता है। छोटे बच्चों के पेट में दर्द होने पर एकदम थोड़ी सी हींग को एक चम्मच पानी में घोलकर पका लें। फिर बच्चे की नाभी के चारों लगा दें। कुछ देर बाद दर्द दूर हो जाता है।

–नीबू के रस में काला नमक, जीरा, अजवायन चूर्ण मिलाकर दिन में तीन बार पीने से पेट दर्द से आराम मिलता है।

होम्योपैथी का सहारा ले सकते हैं

अनिद्रा के रोगी

मुझे नींद नहीं आती, आपने अक्सर लोगों को यह शिकायत करते सुना होगा। नींद एक जैविक प्रक्रिया है। हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त नींद बहुत ही जरूरी है। पर्याप्त नींद नहीं लेने से हमारी कार्यक्षमता पर भी बुरा असर पड़ता है। अनिद्रा के शिकार लोगों को अक्सर दिन में इधर-उधर झपकियां लेते देखा जा सकता है।

अनिद्रा आजकल एक महामारी की तरह फैलती जा रही है। एक अनुमान के मुताबिक आज विश्व में हर पांचवां व्यक्ति अनिद्रा का शिकार है। अनिद्रा का अर्थ है नींद में व्यवधान, नींद उचटना या कम नींद आना। यह दो प्रकार की होती है। पहले प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों से जिन्होंने कभी अच्छी, चैन की नींद का आनंद नहीं लिया हो तथा ये लोग तनाव, घबराहट या अन्य किसी असहनीय पीड़ा से पीड़ित न हो। पहली प्रकार की अनिद्रा से पीड़ित लोगों की नाड़ी की गति तेज तथा शरीर का तापमान अधिक होता है। इनकी बाह्य धमनियां प्रायः संकुचित होती हैं। ये लोग प्रायः हिलते-डुलते रहते हैं। दूसरे प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों की अनिद्रा से है जो किसी न किसी बीमारी से पीड़ित होते हैं जैसे पेट में दर्द, पैरों में बेचैनी, थकान, स्पाइनल कॉर्ड में दर्द आदि। इन बीमारियों से नींद की प्रारंभिक अवस्था में बाधा पहुंचती है।

दूसरे प्रकार की अनिद्रा साइकेट्रीक, साइकोसिस तथा साइकोन्यूरोसिस के मरीजों में आमतौर पर देखी जा सकती है। डर तथा चिंता भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं। डिप्रेशन तथा मैनियक डिप्रेशन से भी अनिद्रा की शिकायत हो सकती है इससे सोने पर एक बार तो नींद आ जाती है परन्तु सुबह जल्दी आंख खुल जाती है तथा बाद में रोगी सो नहीं पाता। सन्निपात तथा कोई काल्पनिक डर भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं।

चिकित्सा की होम्योपैथिक शाखा के अंतर्गत अनेक ऐसी दवाईयां हैं जिनका प्रयोग अनिद्रा के उपचार के लिए किया जाता है। मरीज के लक्षणों के आधार पर कोई भी दवा उसे दी जा सकती है।

आर्सेनिक एलबम 30– यह दवा उन मरीजों को दी जाती है जो किसी मानसिक बेचैनी के कारण करवटें बदलते रहते हैं। वह शारीरिक रूप से इतना कमजोर होता है कि उसका चलना-फिरना भी मुश्किल होता है। मरीज को निरंतर मृत्यु का भय बना रहता है। वह इलाज के प्रति निराश हो चुका होता है। ऐसे रोगी को बार-बार थोड़े पानी की प्यास लगती रहती है।

केनाबिस इंडिका 30– यह उन रोगियों के लिए उपयुक्त होती है जो भय, भ्रांति तथा मानसिक दुर्बलता के शिकार होते हैं। ऐसे रोगी अक्सर मरे हुए लोगों को सपने में देखते हैं। उन्हें लगता है कि वह पागल हो जाएंगे। ऐसा रोगी लगातार बोलता रहता है और सिर हिलाता रहता है। अक्सर बोलते-बोलते वह यह भी भूल जाता है कि उसे आगे क्या बोलना है। विनम्र स्वभाव का व्यक्ति यदि उद्दण्ड स्वभाव हो जाए तो उसे यह दवा दी जाती है।

हायोसाइमस नाइगर 200– इसमें मरीज बहुत बातूनी और ईर्ष्यालु होता है। इस प्रकार का रोगी बहुत डरता है। उसे हर बात में डर लगता है जैसे अकेले रहने का डर, विष खिलाने का डर, किसी षड़यंत्र का डर आदि। बच्चों में नींद न आना, नींद आते ही डर जाना, बिस्तर से निकलने या भागने की कोशिश करना जैसे लक्षण होने पर यह दवा दी जाती है।

कैफिया क्रूडा 200– यह दवा उन रोगियों के लिए उचित है जिन्हें रात को नींद नहीं आती। वे अक्सर भविष्य के बारे में चिंता करते रहते हैं। ऐसे रोगी अचानक ही हंसने या रोने लगते हैं ऐसे रोगियों को बहुत अधिक चिंता, बातचीत या मानसिक परिश्रम करने में सिर में तेज दर्द होता है।

एकोनाइटम नैपेलस 30– इसमें रोगी अक्सर बैचेन रहता है जिससे उसे नींद नहीं आती। उसे इतना डर लगता है कि वह बेहोश भी हो जाता है। स्थिति गिंभीर होने पर रोगी को मरने का डर लगने लगता है। रोगी अक्सर डर के कारण घर से नहीं निकलता, भीड़भाड़ वाली जगहों से भी बचता है। उसे बार-बार पानी की प्यास भी लगती है।

इग्नेशिया अमारा 200– यह दवा उन रोगियों को दी जाती है जो शोक, भय या दुख की वजह से एकाएक बेहोश हो जाते हैं। उसे तम्बाकू या धुंआ सहन नहीं होता। उसके सिर में भी दर्द होता है। प्रेम या काम में निराशा से उत्पन्न अनिद्रा के लिए भी यही दवा कारगर होती है।

पोर्स फ्लोरा इन्कार्नेटा (क्यू)– वृद्धों तथा बच्चों में अनिद्रा दूर करने के लिए यह दवा कारगर सिद्ध होती है। यह दवा उन रोगियों की दी जाती है। जिन्हें तनाव और अत्यधिक मानसिक कार्य के कारण नींद नहीं आ पाती या सिर दर्द और आंखों में दर्द के कारण नींद नहीं आती।

किसी भी दवा के चुनाव से पहले रोगी के लक्षण पहचानना जरूरी होता है तथा किसी भी दवा के प्रयोग से पहले किसी विशेषज्ञ से सलाह लेना भी जरूरी होता है।

ज्ञान गंगा –आचार्य सुदर्शन

खुद के दोस्त बनें हम

हमारा देश एक धर्म प्रधान देश है। यही वजह है कि यहां युगों से धर्म की धारा बहती रही है। यहां के धर्मप्राण लोग इसमें डुबकी लगाकर अपना इहलोक और परलोक सुधारते हैं। यदि ध्यान से देखें तो प्राचीनकाल से लेकर अब तक यहां के धर्मप्राण लोगों ने संपूर्ण जीवन को आध्यात्मिक दृष्टि से ही समझने का प्रयास किया है। उदाहरण के लिए आप किसी शहरी श्रमिक को श्रम करते हुए देखें या गांव में हल चलाते किसी हलवाहे को और आप उनसे बात करें तो वह भी बस यही कहते हुए मिलेंगे कि इस जीवन का क्या ठिकाना ? आज है, कल नहीं, फिर काहे की चिंता आदि। इस प्रकार यदि देखें तो यहां के लोगों में आध्यात्मिक दृष्टि इस कदर समा चुकी है कि वे बचपन से लेकर जवानी तक और जवानी से लेकर वृद्धावस्था तक केवल और केवल अध्यात्म की बातें करते रहते हैं। ऐसा करके वे अपना इहलोक और परलोक, दोनों सुधार लेना चाहते हैं।

एक गांव की बात है। एक संत वहां के मंदिर में बैठकर पूजा–अर्चना कर रहे थे। वे साधना में ऐसे लीन हो गए कि शाम हो गई और अंधेरा छाने लगा। तभी एक छोटा बच्चा उस मंदिर में आया। उसने जेब से माचिस निकालकर मंदिर में रखे दीपक को जला दिया। मंदिर में प्रकाश देखकर संत ने बच्चे से पूछा, बेटा! यह बताओ कि यहां प्रकाश कहां से आ गया ? बच्चे को कोई उत्तर नहीं सूझा, इसलिए उसने फूंक मारकर दीपक बुझा दिया और संत से कहा, हे महात्मन! वह प्रकाश जहां से आया था, वहीं चला गया। संत हतप्रभ रह गए और उन्हें यह समझते देर नहीं लगी कि यह छोटा बच्चा भी मानता है कि सृष्टि में उस परमात्मा की ही शक्ति है जिसने इसकी रचना की है। उस दीपक के प्रकाश की तरह आप सब भी वहीं वापस चले जाएंगे, जहां से आए हैं। प्रभु का स्मरण करते हुए अपने कर्तव्य का निर्वहन करें।

खबरें जरा हटके

जमीन पर बिछे मिले एक अरब के नोट, नहीं कर सकते खर्च

नई दिल्ली। सड़क पर अगर एक भी नोट गिरा हुआ मिलता है तो हम उसे उठाने में जरा सी भी देर नहीं करते, सोचिए अगर आपको सड़क पर अरबों रुपए बिछे हुए मिल जाएं तो। शायद आप ये ही नहीं साचे पाएंगे कि इतने सारे रुपयों को अपने साथ कैसे लेकर जाएं। हाल ही रूस के सेंट पीटर्सबर्ड में एक समूह को एक दलदली उजाड़ जगह पर एक अरब रूबल के नोट मिले।

वर्तमान एक्सचेंज रेट के अनुसार इन नोटों की भारतीय मुद्रा में कीमत 113 करोड़ रुपए बनती है, लेकिन खोजने वालों को इन नोटों को खर्च करने की अनुमति नहीं है। पूर्व सोवियत संघ के दौर के ये नोट अब ये चलन से बाहर हो चुके हैं। यह जगह राजधानी मॉस्को से 160 किलोमीटर दूर, व्लादिमीर क्षेत्र में है। यह एक पुरानी खदान है, जहां सोवियत संघ के दौर में मिसाइलें रखी जाती थीं। ग्रुप ने अफवाह सुनी थी कि उस इलाके में काफी पैसा दबा है, इसलिए वह वहां खोजबीन के लिए गया था।

यह जानकारी सामने आते ही देशभर के मीडिया में चर्चाएं होने लगीं। पुरातत्व विभाग के अफसरों ने जांच करने के बाद बताया कि वे नोट सोवियत संघ के दौर के हैं। उन्हें वर्ष 1961 से 1991 के बीच जारी किया गया था। हालांकि, अब उन नोटों की कोई कीमत नहीं है। ये लगभग एक अरब रूबल के नोट हैं। कुछ विशेषज्ञों ने बताया कि ये नोट जिस जगह पर मिले हैं, वहां कभी मिसाइलें रखी जाती थीं। हालांकि, अब उस जगह की पहचान खदान के तौर पर है। एक अनुमान यह भी है कि कुछ वर्ष पहले वहां बाढ़ आई थी, उसी में ये नोट बहकर खदान तक पहुंच गए होंगे।

स्थानीय लोगों ने बताया कि जिस खदान के पास नोट मिले हैं, वहां आसपास कोई रहने की हिम्मत नहीं करता। उस जगह पर कभी सोवियत संघ का बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम चलता था। उसके कारण पूरा क्षेत्र रेडिएशन से प्रभावित है। एक अफसर ने बताया कि सोवियत दौर में 100 रुबल वाला वेतन भी बहुत अच्छा समझा जाता था। तब इतने नोट किसके पास रहे और उन्हें इस तरह क्यों छोड़ दिया गया, यह कोई नहीं जानता।

इस चर्च में रोबोट देता है आशीर्वाद, पढ़ता है बाइबल

नई दिल्ली। आप चर्च गए हों तो देखा होगा कि वहां प्रेयर्स से लेकर बाइबल पढने् और आशीर्वाद देने का काम पादरी करते हैं। जिस तरह मंदिर में पंडित जी का खास स्थान होता है, उसी तरह चर्च में पादरी को दखा जाता है। हालांकि आप जर्मनी के एक चर्च के बारे में सुनकर हैरान रह जाएंगे। इस चर्च में पादरी नहीं है, बल्कि उनकी जगह एक रोबोट है। ब्लेस यू–2 नाम का यह रोबोट बाकायदा हाथों से आशीर्वाद देता है और उसके हाथों से रोशनी भी निकतल है।

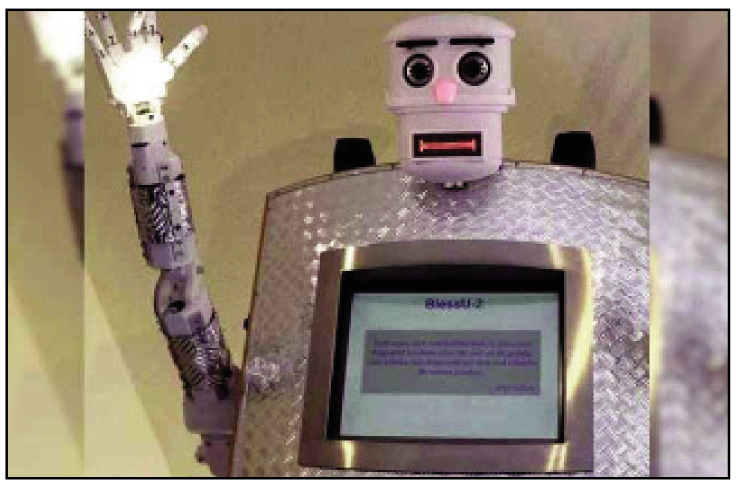

इस रोबोट को विटेनबर्ग में लॉन्च किया गया है। जर्मन पादरी मार्टिन लूथर की द नाइंटी फाइव थीसिस के प्रकाशन के 500 साल पूरे होने के मौके पर इस रोबोट को लॉन्च किया गया। चर्च के मुताबिक लोगों को आशीर्वाद देने से पहले रोबोट उनसे पूछता है कि वे पुरुष की आवाज में आशीर्वाद चाहते हैं या महिला की आवाज में। वह इसके बाद यह भी पूछता है कि उन्हें किस तरह का आशीर्वाद चाहिए।

जिस तरह से व्यक्ति इच्छा जताता है, उस तरह से ये रोबोट मुस्कुराते हुए बांहें फैला देता है और आशीर्वाद देता है। यह बाइबिल की पंक्तियां भी पढ़ता है –ईश्वर तुम्हें आशीर्वाद दें और तुम्हारी रक्षा करें।

सेहत

इन घरेलू उपायों को बनाएं शरीर का सुरक्षा कवच

डिहाइड्रेशन, सिरदर्द, लू लगना और मसूड़ों की तकलीफ ऐसी समस्याएं हैं जो आए दिन हर किसी को परेशान करती हैं। घरेलू उपायों के सुरक्षा कवच से इन रोगों से आसानी से लड़ा जा सकता है। तेज धूप की वजह से सिरदर्द हो तो लौकी का गूदा निकालकर पीस लें और माथे पर लेप करें, तुरंत आराम मिलेगा।

एक चम्मच सौंफ रात को एक गिलास पानी में भिगो दें। सुबह इसी पानी में सौंफ को मसलने के बाद छानकर थोड़ी चीनी मिलाकर पिएं, शरीर को ठंडक मिलेगी। 25 ग्राम गुलाब के फूल, मिश्री, सौंफ और वंशलोचन (तीनों 10 ग्राम) को पीसकर पाउडर बना लें। सुबह और शाम पानी के साथ आधा चम्मच पाउडर लेने से फोड़े, फुंसी, दाद और खुजली में लाभ होगा।

गुलकंद को एक चम्मच की मात्रा में रात को गुनगुने पानी या दूध के साथ खाने से कब्ज, गर्मी, मुंह के छाले और रक्तसंचार दुरुस्त होता है। दो टमाटर को काली मिर्च के साथ पीस लें। भोजन करने से पहले इसे खाने से पेट में कीड़ों की समस्या दूर होती है। नमक व सरसों का तेल मिलाकर मंजन करने से मसूड़े मजबूत होते हैं।

लू लगने पर प्याज को सलाद के रूप में और कैरी (कच्चा आम) को सब्जी या पना बनाकर प्रयोग करें। बिच्छू या मधुमक्खी के काटने पर प्याज का रस व नौसादर मिलाकर लगाने से जहर दूर होता है और दर्द में आराम मिलता है। दाद, खाज जैसे त्वचा रोगों में कच्चे पपीते का दूध लाभकारी होता है। हरड़ और पीपल के चूर्ण को बराबर मात्रा में तुलसी के रस के साथ पीने से खांसी में आराम मिलता है। सिरदर्द में लौंग पीसकर माथे पर लेप करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-2-5-6

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-7

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-7-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। शुभांक-3-5-7

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। काम में लगे रहें लाभ होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। शत्रु से सावधान रहें। शुभांक-1-3-5

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-4-5

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। पत्नी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-2-4-7

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-1-3-5

लॉफिंग ज़ोन

सर्किट- भाई, बापू ने बोला था कि कभी झूठ नही बोलना मंगता है, अपून आज से कभी झूठ नही बोलुंगा भाई।

मुन्ना भाई- ? सर्किट, वो सुनिता का बाप आया है तेरे को ढूंढ रहा है

सर्किट- भाई उसको बोलो अपून गांव गया है, खेती करने को।

मुन्ना भाई- पर सर्किट अभी तो तू बोल रहा था कि कभी झूठ नही बोलेगा

सर्किट- भाई, अपून झूठ नही बोलेगा, पर तुम तो बोल सकता है, ना भाई।

अजीत- माइकल इसके एक हाथ में लाल और दूसरे हाथ में हरा रंग लगा दो।

माइकल- लेकिन क्यो बॉस ?

अजीत- बेवकूफ, इतना भी नही जानते, जब पुलिस आएंगी तो उसे रंगे हाथो पकड लेगी।

एक चोर को चोरी के जुर्म में जीप में बैठाकर जेल ले जाया जा रहा था। वह बहुत खुश था।

सिपाही ने चोर से पूछा- तुम इतने खुश क्यों हो ?

चोर ने कहा- आज मैं पहली बार जीप में बैठा हूं।

काकुरो पहेली - 4075

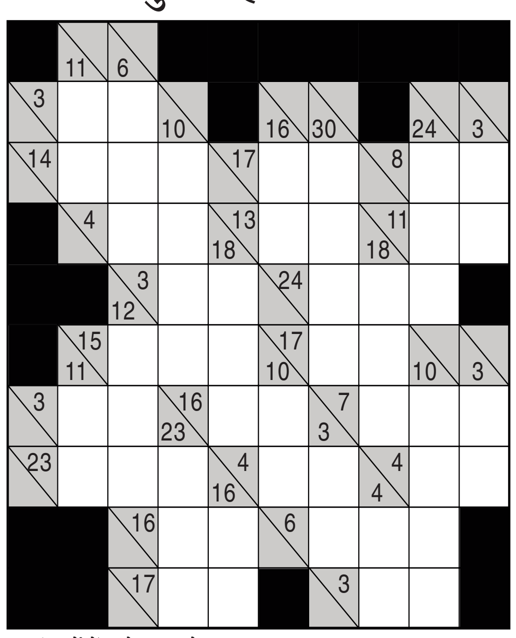

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

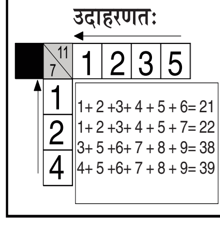

काकुरो 4074 का हल

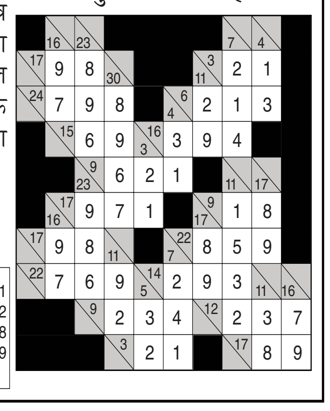

फिल्म वर्ग पहेली- 4075

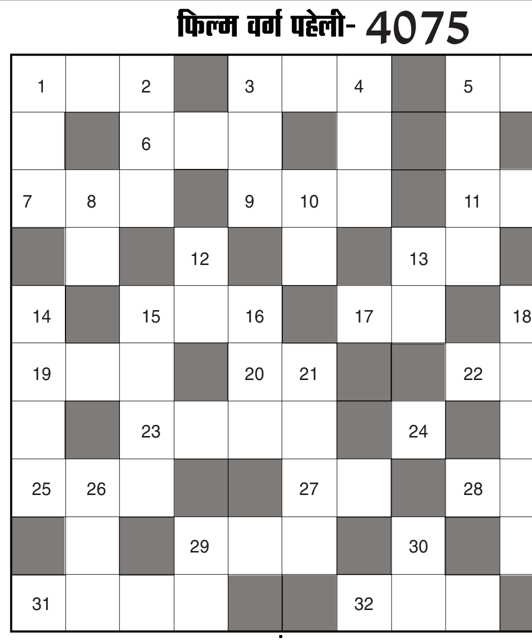

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, जॉन, हेमा, रानी की फिल्म-३
३. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-३
५. जैकी, अनिल, शत्रुघ्न, हेमा, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
७. कंवलजीत, वहीदा की फिल्म-३
९. 'झूठी मूठी मितवा सांवन' गीत वाली फिल्म-३
११. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की 'ना सतरा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'हर इक लब पर है' गीत वाली श्रेयस तलुदे, आयशा टकिया की फिल्म-२
१५. शाहरूख, मनीषा, प्रीति, शिल्पा की फिल्म-२,१
१७. अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
१९. 'मुझे तुम याद' गीत वाली फिल्म-३
२०. अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत, किमी की फिल्म-२
२२.'दिल में जिगर' गीतवाली फिल्म-२
२३. हिंदी फिल्मोंका पहला 'ही-मैन' किसे कहा गया है-४
२४. जीतेंन्द्र, जयप्रदा की एक पारिवारीक फिल्म-१
२५. 'सौ सवालों का' गीत वाली धर्मेन्द्र, अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. अमिताभ, जैकी, जावेद, कैटरीना, मधु, सीमा, जीनत की फिल्म-२
२८. 'जुड़वाँ' में सलमान के साथ करिश्मा के अलावा दूसरी नायिका कौन थी-२
२९. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
३१. फिरोज, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'मेरा दिल जिस दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, करीना की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. राहुल राय, शीबा की फिल्म-३
२. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो' गीत वाली दीपक कुमार, रेहाना की फिल्म-३
४. शशिकपूर, राखी की 'आज मदहोश हुआ जाये रे' गीत वाली फिल्म-३
५. 'नाले नाले मैं चली' गीत वाली मिथुन, कबीर बेदी, संगीता की फिल्म-४
८. बॉबी, काजोल, मनीषा कोइराला की 'मेरे ख्वाबों में तू' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'अब चाहे सर फूटे या' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२
१२. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश मैं और तू' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१४. सुनीलदत्त, माला की 'आजा आजा रे तुझको मेरा प्यार' गीत वाली फिल्म-४
१५. 'जान तन से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, फरहा की फिल्म-४
१६. प्रशांत, संध्या की 'तुम तो प्यार हो सजना' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'खुशी से खुदकुशी' गीत वाली फिल्म-५
२१. सनी, जीतेंद्र, फरहा, जयाप्रदा की फिल्म-४
२६. 'आँखों आँखों में हो गए' गीत वाली फिल्म-३
२९. नसीर, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-२
३०. 'रंग दीन्हीं रंग दीन्हीं' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4074

सूडोकु -4075

7	4	6		1		8		2
	5		8		7			
9				6				
	6		7	9		5		3
5				4				1
3		1		8	2		7	
				5				6
			4		3		9	
4		3		2		1	5	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4074 हल

8	7	9	4	2	5	6	1	3
5	6	3	8	1	7	4	2	9
4	1	2	6	9	3	5	8	7
1	9	8	3	7	4	2	6	5
7	3	4	2	5	6	8	9	1
2	5	6	1	8	9	7	3	4
9	8	5	7	3	2	1	4	6
6	2	7	9	4	1	3	5	8
3	4	1	5	6	8	9	7	2

शब्द पहेली - 4075

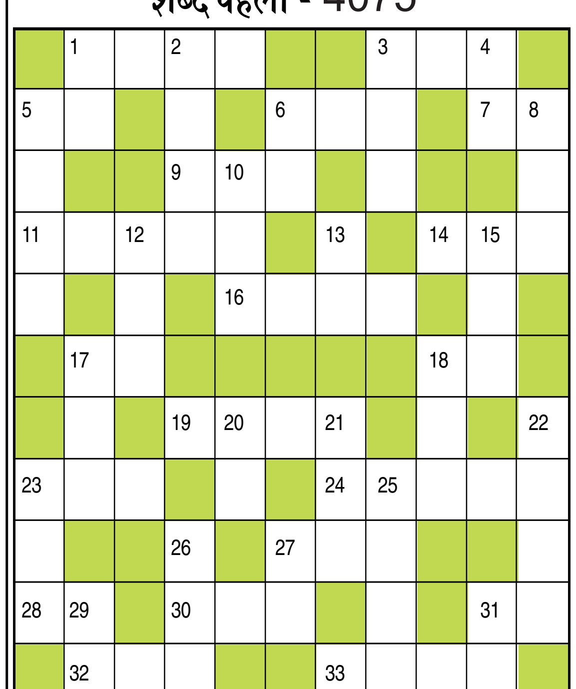

बाएँ से दाएँ

1.मूर्ख,बुद्धिहीन-4
3.रुई की फसल-3
5.वंश,खानदान-2
6.आह,पीड़ा भरी ध्वनि-3
7.जी,इच्छा,चित्त-2
9.पहनना-3
11.दास,नौकर,सेवक-5
14.अग्नि,आग-3
16.चयनित,स्वीकृत-4
17.जाति,संप्रदाय-2
18.उस समय-2
19.आदत,व्यवहार-4
23.माला का मोती-3
24.लालन-पालन-5
27.पूर्णिमा-3
28.वश,अधीन-2
30.खबर देने वाला-3
31.खदान,माइन-2
32.आश्रय,पनाह-3
33.संपत्ति-4

ऊपर से नीचे

1.घोड़े के पांव में लगने वाला लोहे का टुकड़ा-2
2.धारा के बीच में,अधर में-2,2
3.आफत,आपदा-3
4.एक समान-2
5.गृहपति,चांसलर-4
6.दाना-2
8.प्रतिकृति,प्रतिरूप-3
10.रोकर धनराशि-3
12.प्रेम ,आसक्ति-3
13.नीर,जल-2
15.भाग्य,तकदीर-3
17.जंबुल,जांब-3
18.टेंशन,परेशानी-3
20.काया,बदन-2
21.उष्णता-3
22.नाश होने योग्य-4
23.साम्राज्ञी,रानी-3
25.रमण करने योग्य-4
26.अदा,चोंचला-3
27.पूड़ी,गोलगप्पा-2
29.पिता की बहन-2
31.उर्वरक,गाय के गोबर से बना पदार्थ जो खेत में डाला जाता है-2

शब्द पहेली -4074 का हल

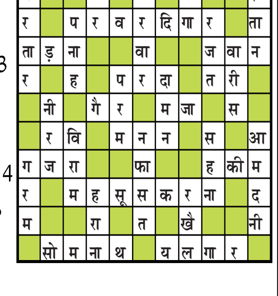

सीएम योगी ने राज्यपाल से की मुलाकात

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल से शिष्टाचार भेंट की। उनकी मुलाकात राजभवन में हुई। मुख्यमंत्री ने इस दौरान राज्यपाल को एक अध्यात्मिक पुस्तक 'शिव' भेंट किया।

बिहार के बगहा में गंडक नदी में डूबने से चार की मौत, मृतकों में 3 लड़कियां और एक बच्चा

बगहा। बिहार में पश्चिम चंपारण जिले के बगहा में गंडक नदी में डूबने से 4 बच्चों की मौत हो गयी है। मृतकों में 3 लड़कियां और एक बच्चा शामिल है। पहली घटना गोडिया पट्टी घाट की है। जहां गंडक नदी पार करने के दौरान 10 वर्षीय बच्चा और 16 वर्षीय किशोरी की गहरे पानी में डूबने से मौत हो गयी। दोनों मृतकों की पहचान गोडिया पट्टी निवासी अच्छे लाल सहनी के 10 वर्षीय पुत्र सुमित कुमार, विजय सहनी की 16 वर्षीय पुत्री पायल कुमारी के रूप में हुई है। दूसरी घटना बगहा के पुअरहाउस वार्ड नंबर 35 की है। जहां गंडक नदी में स्नान करने के दौरान भी दो बच्चियां डूब गई। स्थानीय लोगों ने दोनों के शव को बाहर निकाला। दोनों की पहचान राजेश गोड की 10 वर्षीय पुत्री प्रतिमा कुमारी व अवध बिहारी सहनी की 11 वर्षीय पुत्री तकली कुमारी के रूप में हुई है। इस घटना की पुष्टि एमएलसी भीष्म सहनी व वार्ड पार्षद मदन सहनी ने की है। जानकारी के अनुसार स्कूल बंद रहने के कारण दोनों गंडक पार अपने बाबा भूलाई सहनी के साथ खेती देखने गए थे। दोनों गंडक में पानी देख बिना बताए नदी पार करने लगे। इसी दौरान दोनों गहरे पानी में चले गए। इसकी सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद दोनों शव गंडक नदी से बाहर निकाल गया। घटना के बाद परिजनो के बीच कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इस घटना से पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है।

शोक संतप्त यादुका परिवार से मिले सांसद, कहा मिलेगा परिजनों को न्याय

पूर्णिया। सांसद सह एनडीए प्रत्याशी संतोष कुशवाहा भवानीपुर बाज़ार स्थित गोपाल यादुका के आवास सुबह पहुंचे, जहां रविवार को गोपाल यादुका की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।सबसे पहले कुशवाहा ने स्व. यादुका के पार्थिव शरीर पर माल्यार्पण कर उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना किया और परिजनों को सांत्वना दिया।इसके बाद वे परिजनों से अलग मिलकर घटना की जानकारी प्राप्त किया। मौके पर उन्होंने परिजनों से कहा कि मैं मानता हूँ कि यह सांत्वना तब तक अधूरी है जबतक कि हत्यारों के साथ -साथ हत्या की साजिश में शामिल सफेदपोश बेनक़ाब नही हो जाता है। आप सबों को विश्वास दिलाता हूँ कि पूर्णिया को अपराधियों की शरणस्थली में तब्दील नही होने दिया जाएगा। गोपाल यादुका के हत्यारे बख्शे नही जाएंगे परिजनों को न्याय अवश्य मिलेगा।

पेड़ की डाल गिरने से दो लोगों की मौत

भोपाल। राजधानी भोपाल में हल्की हवा में एक पेड़ की डाल गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। दोनों दोपहर में 10 नंबर मार्केट में एक नीलगिरी के पेड़ के नीचे खड़े थे, तभी अचानक डाल गिर गई। दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां कुछ देर बाद ही एक व्यक्ति ने दम तोड़ दिया, जबकि दूसरे की मौत चार घंटे बाद हो गई। घटना में वाहनों और दुकानों को भी नुकसान पहुंचा है।

10 नंबर मार्केट व्यापारी संघ के अध्यक्ष आनंद सोनी ने बताया कि सेकेंड स्टाप निवासी नर्मदा प्रसाद (47) पेड़ की छांव में गन्ने की चरखी चलाते थे, जबकि पंचशील नगर निवासी ठेकेदार अशोक अहिरवार (50) ज्यूस पीने के लिए चरखी पर पहुंचे थे। तभी करीब अचानक नीलगिरी के पेड़ की बहुत बड़ी डाल टूटकर गिर गई। वह सीधी दोनों के ऊपर गिरी। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां अशोक की कुछ देर में मौत हो गई, जबकि नर्मदा प्रसाद ने शाम को उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। हबीबगंज थाना प्रभारी सरिता बर्मन ने कहा कि 10 नंबर स्थित नीलगिरी के पेड़ की डाल गिरी थी। पुलिस की टीम मौके पर भेजी गई। इस मामले में हम हर एंगल से घटना की जांच करेंगे। मामले में मर्ग कायम किया जा रहा है। संबंधितों से बातचीत भी जारी है। इधर, स्थानीय लोगों ने बताया कि पेड़ की डाल गिरने से आसपास खड़ी कई दो पहिया वाहन क्षतिगस्त हुए हैं। डाल गिरने से आसपास की कई दुकानों को भी नुकसान पहुंचा है। नर्मदा प्रसाद करीब 15 साल से उसी पेड़ के नीचे गन्ने की चरखी लगा रहा था। स्थानीय व्यापारियों का आरोप है कि नगर निगम अगर समय पर पेड़ों की कटाई-छंटाई करता तो इतना बड़ा हादसा नहीं होता।

ऑफलाइन पंजीकरण अब दो हजार प्रतिदिन हो सकेंगे

पेयजल के लिये प्रभावी कार्ययोजना तैयार करें - मुख्यमंत्री

एजेंसी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि चारधाम यात्रा को सुगम व सुरक्षित बनाना हमारा उद्देश्य है। इस व्यवस्था से जुड़े सभी अधिकारी प्रतिबद्धता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने बताया कि चारधाम यात्रा के लिए ऑफलाइन पंजीकरण की संख्या को 1500 से बढ़ाकर 2000 प्रतिदिन करने का निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री आवास में मुख्यमंत्री धामी ने देहरादून में चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं की समीक्षा की। चारधाम यात्रा में आने वाले श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत मुख्यमंत्री ने हरिद्वार व ऋषिकेश में ऑफलाइन पंजीकरण की संख्या को 1500 से बढ़ाकर 2000 प्रतिदिन किये जाने के

निर्देश अधिकारियों को दिये। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में पेयजल की कमी को दूर करने के लिये प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के भी निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जल संचय एवं जल संवर्द्धन के प्रति संजीदगी के साथ योजना बनाने पर ध्यान दिया जाए। इसे जन आंदोलन के रूप में संचालित करने के लिये आम जनता को इससे जोड़ने के प्रयास किये जाएं। इसके लिये मुख्यमंत्री ने जल संचय, जल संवर्द्धन और भू-जल स्तर में सुधार के लिये बनायी जाने वाली कार्ययोजना के लिये सचिव शैलेश बगोली और विशेष सचिव पराग मधुकर धकाते को नोडल अधिकारी नामित करने के निर्देश दिये हैं।

खाना बनाते समय फटा सिलेंडर, महिला सहित चार घायल

एजेंसी

हमीरपुर। एक घर में खाना पकाते समय अचानक रसोई गैस सिलेंडर में आग लग जाने से सिलेंडर धमाके के साथ फट गया और पूरे घर में आग लग गई। इस घटना में घर गृहस्थी के सामान सहित चालीस हजार रुपये जलकर खाक हो गए। इस हादसे में खाना बना रही महिला सहित चार लोग घायल हुए हैं। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सरीला विकासखंड के जरिया थाना क्षेत्र में इटैलिया बाजा गांव निवासी बब्बू पासवान ने बताया कि उसके परिवार के सदस्य बाहर रहते हैं। वह पत्नी के साथ गांव में रहता है। पत्नी राजाबेटी(60) गैस सिलेंडर से रसोईघर में खाना बना रही थी। इसी दौरान अचानक सिलेंडर में आग लग गई। इसके बाद धमाके की आवाज के साथ सिलेंडर फट गया और आग ने पूरे घर को चपेट में ले लिया। इस हादसे में गृह स्वामी की पत्नी राजाबेटी व बगल के घर में रह रहे सुरेश(60) पुत्र भगवती प्रसाद व इनके भाई हरिहर(50) तथा आग बुझाने पहुंचे शिव

कुमार(45) पुत्र लक्ष्मी प्रसाद भी आग की लपेट में झुलस गए। सभी घायलों को ग्रामीणों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। जहां सभी की स्थिति सामान्य बताई जा रही है। ग्राम प्रधान हर्षबर्धन ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है। थाना प्रभारी प्रिंस दीक्षित ने बताया कि गैस सिलेंडर फटने से आग लगने की सूचना मिली है। मौके पर पुलिस फोर्स पहुंची है। खाना बनाने वाली महिला व आसपास के लोग झुलसे हैं। उनका प्राथमिक उपचार कराया गया है। आग पर काबू पा लिया गया है।

बनारस रेलवे स्टेशन को मिला अंतर्राष्ट्रीय संस्था का जेयूएसई प्रमाणपत्र,खुशी का माहौल

एजेंसी

वाराणसी। पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल स्थित बनारस स्टेशन को बड़ी उपलब्धि हासिल हुई हैं। स्टेशन को भारतीय रेलवे के पहला अंतर्राष्ट्रीय संस्था जेयूएसई (यूनियन ऑफ़ जेपनिज साइंटिस्ट एण्ड इंजीनियर्स) का प्रमाण पत्र मिला है। ये प्रमाण पत्र पाने वाला बनारस स्टेशन पूर्वोत्तर रेलवे का पहला स्टेशन है। प्रमाण पत्र मिलने पर वाराणसी मंडल रेल प्रबन्धक विनीत कुमार श्रीवास्तव ने खुशी जताते हुए बनारस रेलवे स्टेशन की पूरी टीम को बधाई दी है।

आई.एस.ओ. कार्य से सम्बंधित टीम व अधीनस्थ को इस अंतर्राष्ट्रीय उपलब्धि के लिए मंडल रेल प्रबंधक ने शुभकामनाए दी। मंडल रेल प्रबंधक के अनुसार विश्व स्तरीय सुविधाओं से युक्त पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल का बनारस रेलवे स्टेशन पूर्व मे ही अपनी उच्च गुणवत्ता, साफ़-सफाई के रख-रखाव एवं यात्री सेवाओं के लिए समर्पित है । बनारस स्टेशन को ग्रीन

स्टेशन के रूप में विकसित किया गया है। जिसके लिए उत्तर प्रदेश के प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड से इस कार्य के लिए प्रक्रिया का अनुमोदन प्राप्त कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि बनारस रेलवे स्टेशन पर एनजीटी के मानकों के अनुरूप जल एवं वायु क्वालिटी को नियंत्रित रखते हुए ग्रीन स्टेशन के रूप में विकसित किया गया है । बनारस स्टेशन जो तीन वर्ष पूर्व अंतर्राष्ट्रीय संस्था क्वालिटी सर्किल ऑफ़ इण्डिया से 5एस प्रमाण पत्र प्राप्त करने के बाद उस स्तर को बनाए हुए है। आज बनारस स्टेशन अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कार्य स्थल प्रबंधन हेतु अंतर्राष्ट्रीय संस्था यूनियन ऑफ़ जेपनिज साइंटिस्ट एण्ड इंजीनियर्स का प्रमाण पत्र भी प्राप्त हुआ है। मंडल रेल प्रबंधक के अनुसार कार्यस्थल प्रबंधन के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय मानक संस्था यूनियन ऑफ़ जेपनिज साइंटिस्ट एण्ड इंजीनियर्स के प्रमाणन के लिए क्वालिटी सर्किल फोरम ऑफ इंडिया के कार्यकारी निदेशक डी. के. श्रीवास्तव ने अपनी टीम के साथ बनारस स्टेशन का ऑडिट निरीक्षण किया। और स्टेशन के विभिन्न प्रबंधन को जेयूएसई मानकों के समकक्ष पाया।

इसके पश्चात क्वालिटी सर्किल फोरम ऑफ इंडिया के कार्यकारी निदेशक ने उनके (मंडल रेल प्रबन्धक) कक्ष में स्टेशन के यूनियन ऑफ़ जेपनिज साइंटिस्ट एण्ड इंजीनियर्स सर्टिफिकेशन का प्रमाण पत्र प्रदान किया । इस अवसर पर भारत सरकार की संस्था टीआईएफएसी के कार्यकारी निदेशक डा प्रदीप श्रीवास्तव,क्यूसीएफआई के निदेशक विजय कृष्ण,वाराणसी चैप्टर के सचिव अरुनमय चक्रवर्ती,संयुक्त सचिव अरुणा सिंह भी मौजूद रहे।

मनाली में दो पर्यटक महिलाएं व्यास नदी में समाई

एजेंसी

कुल्लू। पर्यटन नगरी मनाली में व्यास नदी के बीच पर्यटक महिलाओं को सेल्फी लेना उस समय महंगा पड़ गया जब सेल्फी लेते समय वह व्यास नदी में गिर गई। घटना जब पाल सिंह पुत्र तिलक राम निवासी गांव वुढेडा जिला बागपत उत्तरप्रदेश अपने परिवार के सदस्यों विजेन्द्र, अभिषेक, ज्योति, काजल, आंचल, विवेक, मीनू व दो साल का बच्चा सहित मनाली घूमने आए थे। पर्यटक वशिष्ठ चौक के समीप फोटो

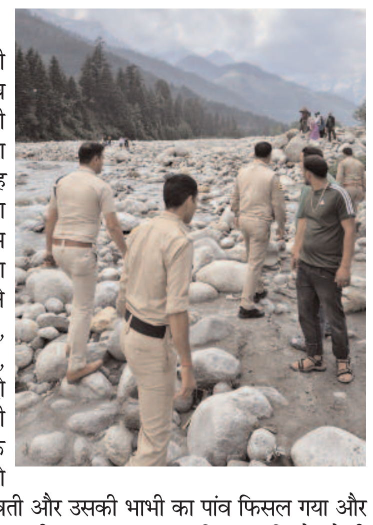

खींच रहे थे कि अचानक युवती और उसकी भाभी का पांव फिसल गया और दोनों ही नदी में गिर गई। व्यास नदी का बहाव इतना अधिक था कि देखते ही देखते दोनों व्यास नदी की लहरों में समा गई।

सूचना मिलते ही डीएसपी केडी शर्मा के नेतृत्व में पुलिस दल मौका पर पहुंच गया ओर राहत व बचाव कार्य शुरू कर दिए। शर्मा ने बताया कि नदी में आंचल (17) पुत्री श्रीपाल पता उपरोक्त व मीनू (24) पत्नी अभिषेक (पुत्र पाल सिंह) फिसल कर ब्यास नदी में गिर गयी थी उनमें से एक का शव नदी से बरामद कर लिया गया है। दूसरे शव की तलाश जारी है।

रोजगार जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किर्या

एजेंसी

जम्मू। भारतीय सेना ने थानमंडी में निवासी आबादी के लिए रोजगार पर व्याख्यान आयोजित किया, जिसका उद्देश्य स्वरोजगार कौशल को बढ़ाना और दूरदराज के क्षेत्र में बेहतर रोजगार के अवसर प्रदान करना था। इस कार्यक्रम में युवाओं, महिलाओं और निवासियों को बेरोजगारी से निपटने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा दी जाने वाली विभिन्न शैक्षिक और छात्रवृत्ति योजनाओं के बारे में शिक्षित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। भारतीय सेना के एक अधिकारी ने उपस्थित लोगों को संबोधित किया, बेरोजगारी को कम करने के लिए सरकार की पहलों के बारे में विस्तार से बताया। प्रमुख कार्यक्रमों में कौशल विकास पहल, नौकरी मेले और एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम, आईआरडीपी, सूखा प्रवण क्षेत्र कार्यक्रम, डीपीएपी, नेहरू रोजगार योजना, एनआरवाई और प्रधानमंत्री के एकीकृत शहरी गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम, पीएमआईयूपीईपी जैसी योजनाओं के तहत उद्यमिता के अवसर शामिल थे। इस व्याख्यान ने थानमंडी के निवासियों के लिए रोजगार की संभावनाओं को बेहतर बनाने में सामुदायिक विकास और समर्थन के लिए भारतीय सेना की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

सरकार की कठपुतली बन गये हैं विधान सभा अध्यक्ष : जयराम ठाकुर

एजेंसी

शिमला। तीन निर्दलीय विधायकों के इस्तीफ़े को स्वीकार करने के मामले में नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने शिमला से बयान जारी कर कहा कि माननीय विधानसभा अध्यक्ष को जब यही करना था तो पहले क्यों नहीं किया। जान बूझकर पूरे मामले को लटकाया गया। जिससे तीनों निर्दलीय विधायक इसी आम लोकसभा और विधान सभा उप चुनावों में भाग न ले पाए। जिससे बहुत समय और संसाधन की बचत हो सकती थी। इस तरह से जानबूझकर किसी फ़ैसले को लटकाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण हैं।

जयराम ठाकुर ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष संवैधानिक पद पर बैठे हैं लेकिन वह अपनी गरिमा के विपरीत काम कर रहे हैं। विधान सभा अध्यक्ष सरकार की कठपुतली बन कर काम कर रहे हैं। इस तरह से पद की गरिमा के विपरीत वह क्यों काम कर रहे हैं, उन्हें इसका जवाब देना चाहिए।

जयराम ठाकुर ने विधानसभा अध्यक्ष के कुलदीप सिंह पठानिया के पिछले दिन दिए गए बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि उनके द्वारा छह विधायकों का सर कलम कर देने और तीन विधायकों के सर आरी के नीचे हैं होने जैसे बात करना दुर्भाग्यपूर्ण हैं। एक संवैधानिक एवं गरिमापूर्ण पद पर बैठे किसी भी माननीय द्वारा इस तरह की बात करना समझ से परे है। हिमाचल की यह संस्कृति नहीं रही है। इस तरह के बयानों की हिमाचल जैसी देवभूमि में कोई जगह नहीं है।

जयराम ठाकुर ने कहा कि इस पूरे प्रकरण में वह कांग्रेस सरकार को लाभ पहुंचाने का प्रयास कर कर रहे हैं। हिमाचल के इतिहास में उनके द्वारा गरिमा एक विपरीत किया गया आचरण याद किया जाएगा। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि यह सब कार्य सरकार को ग़लत तरीक़े से बचाने के प्रयास हैं।

सरकार को बार-बार बचाने के लिए लोकतांत्रिक मूल्यों की उपेक्षा की जा रही है। बजट पास करवाने के लिए विधानसभा अध्यक्ष ने भारतीय जनता पार्टी के 15 सदस्यों को निष्कासित करके सरकार बचाई। यह सरकार संख्याबल और लोगों की नज़रों में गिर चुकी है, नैतिकता के आधार पर इस सरकार को बने रहने का कोई अधिकार नहीं है।

प्रयागराज मंडल में यात्री परिवहन से अर्जित आय में 12.03 फीसदी की वृद्धि

एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज मंडल ने मई 2024-25 में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए कुल 228.29 करोड़ रुपये की आय अर्जित की जो गत मई में अर्जित कुल आय 217.07 करोड़ रुपये से 5.17 फीसदी अधिक है। प्रयागराज मंडल में 59.86 लाख यात्रियों के परिवहन से कुल 147.58 करोड़ रुपये की आय अर्जित की गयी है जो गत मई में 57.19 लाख यात्रियों के परिवहन से अर्जित आय 131.73 करोड़ रुपये से 12.03 फीसदी अधिक है। जनसम्पर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि प्रयागराज मंडल राजस्व अर्जन में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है। परिवहन क्षेत्र में अच्छी सेवाए उपलब्ध कराने व सकारात्मक प्रयासों से मण्डल की आय में निरंतर बढ़ोत्तरी हो रही है। मण्डल रेल प्रबन्धक हिमांशु बडोनी के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक

हिमांशु शुक्ला के नेतृत्व में यात्रियों को उच्च दर्जे की सेवा देने के लिए प्रयागराज मण्डल आय में मई 2024 में निरंतर टिकट जांच अभियानों से आय अर्जन में वृद्धि हुयी है। उन्होंने आगे बताया कि प्रयागराज मण्डल द्वारा मई 2024-25 में गत मई की तुलना में 4.67 फीसदी अधिक यात्रियों ने यात्रा की। यात्री आय के अतिरिक्त 12.99 करोड़ रुपये अन्य कोचिंग आय से, 64.48 करोड़ रुपये माल ढुलाई से और 3.24 करोड़ रुपये विविध आय से अर्जित की गयी है। मई 2024 में बिना टिकट, अनियमित यात्रा, बिना बुक किए गए सामान, गन्दगी फैलाने एवं धूम्रपान करने वाले 1.24 लाख यात्रियों को प्रभारित कर 8.68 करोड़ रुपये का जुर्माना वसूल किया गया। इसमें से बिना टिकट 57,698 यात्रियों को प्रभारित कर 5.20 करोड़ रुपये, अनियमित यात्रा में 65,031 यात्रियों को प्रभारित कर 3.46 करोड़ रुपये, बिना बुक किए गए सामान, गन्दगी फैलाने एवं धूम्रपान करने वाले 1064 यात्रियों को प्रभारित कर 1.48 लाख जुर्माना लगाया गया। पीआरओ ने बताया कि प्रयागराज मण्डल ने मई माह में यात्री सुविधाओं में वृद्धि करते हुये कानपुर सिटी साइड में पार्किंग; 19 स्टेशनों पर यात्री सुविधा केंद्र, यात्रियों की ट्रेन बोर्डिंग को आसान बनाने के लिए चुनार रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म 2, 3 व 5 पर कोच गाइडेंस डिस्प्ले बोर्ड की सुविधा 05 मई से शुरू कर दी गयी है। इसके अतिरिक्त प्रयागराज जंक्शन के सिविल लाइन साइड में रेल कोच रेस्टोरेन्ट की सुविधा 21 मई से प्रारम्भ कर दिया गया है। अब प्रयागराज शहर में भी यात्री और जनता रेल कोच रेस्टोरेन्ट में खाने का आनंद ले सकेगें।

कोल्हापुर में अनियंत्रित कार ने 7 लोगों को कुचला, 3 लोगों की मौत

एजेंसी

मुंबई। कोल्हापुर के साइबर चौक पर सोमवार दोपहर में एक अनियंत्रित कार ने चार वाहनों को टक्कर मारते हुए 7 लोगों को कुचल दिया। इस घटना में 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और चार लोग घायल हो गए हैं। घायलों को नजदीकी

अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस के अनुसार दोपहर में कोल्हापुर के साइबर चौक इलाके में एक कार अचानक अनियंत्रित हो गई। इसके बाद कार ने एक मोटरसाइकिल और तीन कारों को टक्कर मार दी। इस घटना में तीन लोगों की मौत हुई है। मृतकों में वसंत चव्हाण (उम्र 74 वर्ष), हर्षद पाटिल शामिल और एक अन्य है। इस घटना में घायल धनजी कोली, शुभांगी कोली, समर्थ 1 वर्ष, मयूर खोत का इलाज नजदीकी अस्पताल में हो रहा है।

लोअर परल इलाके में फैक्ट्री में आग लगने से अफरा-तफरी

एजेंसी

मुंबई। मुंबई के लोअर परेल में स्थित शाह एंड नाहर इंडस्ट्रीट की एक फैक्टरी में दोपहर अचानक आग लग जाने से अफरा-तफरी मच गई। फायर ब्रिगेड की चार गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर और पूरे इंडस्ट्रीज को खाली करवा लिया है। खबर लिखे जाने तक फायर ब्रिगेड के जवान आग बुझाने का प्रयास कर रहे हैं। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं मिली है। जानकारी के अनुसार लोअर परेल में शाह एंड नाहर इंडस्ट्रीज के एक इमारत की तीसरी मंजिल पर स्थित फैक्टरी में आज दोपहर अचानक आग लग गई। आग लगने के बाद बिल्डिंग में मौजूद सभी लोग नीचे आ गए। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम ने बिल्डिंग में बचे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल कर आग बुझा रही है। आग लगने के कारणों का पता नहीं लग सका है।

मनमानी फीस वृद्धि पर निजी स्कूल पर लगाया दो लाख रुपये का जुर्माना

एजेंसी

सीहोर। सीहोर के सेन्ट एन्स सीनियर सेकेण्डरी स्कूल द्वारा फीस वृद्धि और एक ही दुकान से छात्र-छात्राओं को पुस्तकें खरीदने की शिकायतें प्राप्त हुई थी। कलेक्टर प्रवीण सिंह ने इन शिकायतों को संज्ञान में लेते हुए जांच के निर्देश दिए थे। जांच के लिए चार सदस्यों का दल गठित किया गया था। जांच में शिकायत सही पाए जाने पर कलेक्टर प्रवीण सिंह ने सेन्ट एन्स सीनियर सेकेण्डरी स्कूल पर दो लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। साथ ही जुर्माने की राशि सात दिवस के भीतर जमा करने के निर्देश दिए हैं। जिला शिक्षा अधिकारी संजय सिंह तोमर ने बताया कि 14 जुलाई 2023 को फीस वृद्धि तथा छात्र-छात्राओं द्वारा एक ही दुकान से पुस्तकें क्रय करने की शिकायत प्राप्त हुई थी।

संत कबीर महाराज की 626वीं जयंती मनाई गई

एजेंसी

जम्मू। शिरोमणि संत कबीर साहिब महाराज का 626वां जन्मदिवस श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। कोटली गला बाना, आर.एस. पुरा गांव से एक शानदार शोभा यात्रा शुरू हुई और आर.एस. पुरा के मुख्य बाजारों से गुजरी, जहां स्थानीय लोगों ने भक्तों को मीठा पानी और जलपान परोसकर प्रतिभागियों का गर्मजोशी से स्वागत किया।

संत कबीर के जीवन के विभिन्न पहलुओं को दर्शाती आकर्षक झांकियां शोभा यात्रा का हिस्सा थीं, जिसमें जम्मू जिले भर से भक्तों ने भाग लिया। इस अवसर पर चमन लाल फ्लोरिया ने कहा कि शोभा यात्रा का उद्देश्य सदुरु कबीर महाराज की विचारधारा का संदेश देना है, जो

मानवता तथा सभी मानव जाति के कल्याण पर आधारित है, चाहे वह किसी भी धर्म, जाति या पंथ का हो।

उन्होंने संत कबीर के जीवन पर प्रकाश डाला तथा समाज से सामाजिक बुराइयों को मिटाने में उनके योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि संत कबीर का सबसे बड़ा योगदान सामाजिक और आर्थिक न्याय पर आधारित एक सामंजस्यपूर्ण समाज की स्थापना में था। उन्होंने कहा कि संत कबीर ही थे जिन्होंने एक ऐसे समाज की कल्पना की थी, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति और समुदाय को समान माना जाएगा। उन्होंने कहा कि संत कबीर जी जैसे महान संतों और गुरुओं के उपदेशों ने भारतीय समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसकी मिश्रित संस्कृति की अनूठी विशेषता है। उन्होंने लोगों से आज के भ्रम और अराजकता के युग की चुनौतियों से लड़ने के लिए ऐसी आध्यात्मिक शिक्षाओं को अपने अंदर समाहित करने का आह्वान किया। इसी बीच बाबा भगवान दास जी महाराज और माता बिमला देवी सहित कई पूज्य व्यक्तियों ने स्थानीय और दूरदराज के क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं को अपना पावन आशीर्वाद प्रदान किया। बाबा उदास मार्ग संस्था की ओर से श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। शोभा यात्रा का समापन संत कबीर मंदिर, कबीर नगर, कोटली गला बाना, आर.एस.पुरा में हुआ।

सावधानी से करें अपने जीवनसाथी का चुनाव

किसी को जीवनसाथी चुनने के लिए केवल यही जरूरी नहीं होता कि आप उसे प्यार करते हैं और इसीलिए वह आपके लिए एकदम ठीक है। यह जानना भी जरूरी है कि क्या आपका और उनका साथ पूरी तरह से ठीक बैठता है? इसे अच्छी तरह विचार करना बहुत जरूरी होता है। क्योंकि यह आपकी जिन्दगी का एक अहम फैसला है। आपकी पसंद पर ही आपका पूरा भविष्य टिका होता है, इसीलिए आपको अपनी तरफ से पूरी तरह आश्वस्त होना चाहिए कि आपकी पसंद एकदम सही है।

इसके लिए सबसे पहले आपको अपने आप से पूरी ईमानदारी के साथ यह सवाल करके देखना होगा कि आप उसे प्यार क्यों करती हैं या उसके साथ क्यों हैं? अगर आप ठीक यही प्रश्न अपने मित्रों से करें तो शायद उन्हें आश्चर्य भी हो सकता है। उनका जवाब यही होगा कि क्योंकि वह मुझे प्यार करता है या फिर मैं उसे दुखी नहीं करना चाहती। इस तरह के उत्तर इस बात की ओर संकेत करते हैं कि यह रिश्ता पूरी तरह से डर, असुरक्षा व दया पर आधारित है। लेकिन जब रिश्तों में बहुत सारे अगर-मगर, लेकिन व और आने लगें तो इसका अर्थ है कि जल्दी या देर से ही सही इस रिश्ते का अंत निश्चित है।

यहां इसका यह अर्थ बिल्कुल नहीं है कि आपका संबंध विच्छेद हो जाएगा। हो सकता है कि आप अपनी बाकी की जिंदगी एक-दूसरे के साथ ही गुजार दें लेकिन एक आदर्श जोड़े के रूप में आप नाकामयाब हों। तो फिर प्रश्न उठता है कि अपना सही जीवनसाथी कैसे चुनें। यह तो स्वाभाविक है कि आप उसे साथी चुनते हैं जो आपको पहली नजर में ही शारीरिक रूप से आकर्षित करे, पर इसका अलावा भी बहुत से ऐसे पक्ष हैं जो महत्वपूर्ण हैं, जिनको नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

बातचीत का स्तर

जब आप अपने साथी से बात करें तो यह देखें कि क्या उसका और आपका स्तर समान है? आपकी बात का जवाब देने में उसे कितना समय लगता है? क्या आप बोर हो जाती हैं जब आपके प्रश्न के उत्तर में वह बाकी सब कुछ बताता है केवल उसे छोड़कर जो आपने पूछा था? या फिर वह जो मजाक करता है उसे आप पसंद करती हैं? क्या वह आपकी तुलना में बहुत धीरे बोलता है? जब आप बोलती हैं तो क्या वह पूरी तरह आपकी बात समझता है? क्या आप वास्तव में उससे सभी तरह की बातें कर सकती हैं?

समान रूचि

आप दोनों में ऐसा कुछ जरूर होना चाहिए जो समान हो। अन्यथा न तो आपके पास बात करने के लिए कुछ होगा और न ही मिलकर कुछ करने के लिए। ऐसे में शारीरिक संबंध भी आपको काफी दूर ले जा सकते हैं। जब दो व्यक्तियों की एकदम अलग रूचियां हों तो ऐसे में हमेशा किसी एक को दूसरे के लिए अपनी इच्छाओं की बलि देनी होगी। या फिर आप पूरी तरह से अलग जिंदगी जिएंगे।

ख्वाहिशे

क्या आप दोनों ही जिंदगी में एक ही तरह की चीजें चाहते हैं? या वह आपको पीछे करके स्वयं आगे जाना चाहता है? क्या वह आपको अपनी इच्छा का कॅरियर अपनाने की स्वतंत्रता देने की इच्छा रखता है? यहां तक कि अगर देर रात तक काम करना हो तो वह इसकी इजाजत देगा?

उक्त बातों में बहुत सी चीजें आपकी व्यक्तिगत पसंद पर आधारित होती हैं। यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि आप क्या हैं और आप क्या स्वीकार नहीं करना चाहतीं? केवल इसीलिए कि आप किसी को प्यार करने लगी हैं इसलिए वह आपके लिए उचित जीवनसाथी नहीं हो सकता। बहुत से लोगों के अनुभव इस बात को सिद्ध करते हैं।

ऐसे रखें बालों का ख्याल

नारी की खूबसूरत का आइना, नारी के केश से लगाया जाता है, जो उनमें एक अलग तरह की जान डाल देते है। इन केशो को और अधिक खूबसूरत बनाने के लिए हम आपको बता रहें कि क्या करें, क्या न करें?

- केशों की खूबसूरती को बनाए रखने के लिए आप अपने केशो को सप्ताह में कम से कम दो बार अवश्य धोया जाए।
- गंदे और चिपचिपे केशों को हर दूसरे व तीसरे दिन धोएं ताकि उनमें जमे धूल के कण साफ हो जाए।
- केशों को धोते समय उन्हें कई बार साफ पानी से धोएं। यदि केशों में शैंपू या कंडीशनर रह जाए तो केशो को हानि पहुंचाती है।
- अगर आप अपने केशो में कई प्रकार के प्रोडक्ट्स का प्रयोग करती है तो आपको नियमित रूप से केशो की सफाई करनी होगी क्यो कि ये केशो को कमजोर बना देते है।

- केशो को धोने के बाद हो सके तो धूप में या फिर हवा में ही सुखाएं। अगर आप केशो को सुखाने के लिए ड्रायर का उपयोग करते है तो केशों को अधिकतम हीट पर न सुखाएं क्यो कि हीट से सिर की त्वचा को नुकसान पहुंचता है। जब केश बहुत गीले हो तो उन्हें ब्लो ड्राई न करें। इससे उनकी जड़ों को नुकसान पहुंचता है। ड्रायर को कभी भी एक स्थान पर रोककर न रखें। हल्के हल्के घुमाते हुए केश सुखाएं। आधे केशों के सूखने के बाद ड्रायर को कूल पर सेट करें। केशों को खोलकर ही सुखाएं।
- केशो में कंघी को सही रूप से करना चाहिए और ज्यादा कंघी को करने से केशो को हानी पहुचती है, जिससे तैल ग्रंथियां बहुत ज्यादा सक्रिय हो उठती हैं, और वे चिपचिपे से हो जाते हैं।
- चिपचिपे केशों में मिट्टी व धूल के कण जमा हो जाते हैं। इससे केशों की बाहरी सुरक्षात्मक झिल्ली को भी नुकसान पहुंचता है।
- स्वस्थ व सुंदर केशों की सफाई के लिए शैंपू व कंडीशनर बेहद जरुरी है, क्योंकि ये केशों पर एक अस्थायी सुरक्षात्मक परत चढ़ा देते हैं और इससे केशों को खास चमक प्रदान होती हैं।
- पौष्टिक आहार से केशों की जड़ों को अंदर से पोषण मिलता है। ताजे फल, हरी सब्जियां व प्रोटीन पर्याप्त मात्रा में लें। केशों में चमक लाने के लिए विटामिन ई युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करें व सिर की तेल से मालिश करें।

ऐसा हो रिश्तों का बंधन

प्यार एक ऐसा बंधन होता है, जो कि विश्वास पर टिका होता है, अगर ये विश्वास न रहा तो आपका प्यार को टूटने से कोई नही बचा सकता है। इसे निभाने के लिए प्यार के डोर को मजबूत करना होता है, तभी आपके रिश्ते को लंबी उम्र मिल सकती है। इसके लिए आपको इन बातो का ध्यान रखना होगा...

हर समय साथ दें : क्या आप जानते है कि आपके अपने इतने सारे दोस्तो में आप किसी एक को ही क्यों पंसद करते हैं, क्योंकि वो आपको आसानी से समझ सकता है, तभी तो आप उससे प्यार करने लगते हैं और हर समस्या का निवारण आसानी से हो जाता है। जब भी कोई सिचुएशन आती है, तो आपको अपने साथी की मदद करनी चाहिए।

सम्मान अहम है : भारतीय समाज में सम्मान की अहम भुमिका होती है इसके लिए आपको एक-दूसरे को सम्मान देना जरूरी है, जो आपके रिश्तो को करीब लाऐगी, और रिश्तो मे कड़वाहट को दूर करेगी।

समझे स्थिति को: आपको अपने रिश्तों में एडजस्टमेंट करना जरूरी है, इससे आपकी स्थिति मे काफी सुधार होगा। आप अपने अनुसार परिस्थिति को समझने की कोशिश करें ताकि आपके हालातो में सुधार होगा।

रखें विश्वास: रिश्तों में विश्वास का होना जरूरी है। जिस रिश्ते में विश्वास नहीं होता है, वहां रिश्ते की नींव डगमगाने लगती है। परिस्थिति चाहे जैसी भी हो, आपको एक-दूसरे पर विश्वास रखना होगा तभी जीवन की गाड़ी आगे बढ सकती है।

दोहरी चुनौती से जूझती कामकाजी महिलाएँ

आज की महिला हर क्षेत्र में पुरुषों को कड़ी टक्कर दे रही है और सफलता के नित नए कीर्तिमान भी स्थापित कर रही है। लेकिन संयोगवश सामाजिक विकास के क्षेत्र में हुआ बदलाव पुरुषों की मानसिकता को नहीं बदल पाया है। हकीकत में पुरुष मानसिक स्तर पर इस बदलाव को सहज रूप में स्वीकार करने के लिए अभी तक तैयार नहीं हो पाए हैं।

समाज में अब एक क्रांतिकारी परिवर्तन आ चुका है। इसमें और चीजों के साथ ही महिलाओं की दशा भी सुधरी है। आज की महिला हर क्षेत्र में पुरुषों को कड़ी टक्कर दे रही है और सफलता के नित नए कीर्तिमान भी स्थापित कर रही है। लेकिन संयोगवश सामाजिक विकास के क्षेत्र में हुआ बदलाव पुरुषों की मानसिकता को नहीं बदल पाया है। हकीकत में पुरुष मानसिक स्तर पर इस बदलाव को सहज रूप में स्वीकार करने के लिए अभी तक तैयार नहीं हो पाए हैं। जिससे कामकाजी महिलाओं की आफिसों में मुश्किलें बढ़ रही हैं।

रेखा को जब नौकरी मिली तो उसकी खुशी का ठिकाना न रहा। लेकिन धीरे-धीरे अपनी खुशियां उसे एकदम धूमिल होती नजर आने लगीं। रेखा पहले दिन जब आफिस गई तो वहां का वातावरण उसे बहुत अच्छा लगा। शुरू-शुरू में तो सभी सहकर्मियों का व्यवहार भी अच्छा रहा। लेकिन धीरे-धीरे पुरुष सहकर्मियों के प्रति उसकी धारणा बदलने लगी, हर पुरुष उसे अजीब नजरों से देखता। पहले जींस और शर्ट पहन कर आफिस जाने वाली रेखा को लगा कि इसका कारण शायद उसके आधुनिक कपड़े ही हैं। अतः उसने अपने कपड़ों पर ध्यान दिया और आफिस जाने के लिए ऐसे वस्त्र पहनने शुरू किये, जिनमें बदन न दिखता हो। वह आफिस में काम करते समय भी सतर्क रहती थी कि कहीं उसका बदन न दिखाई दे। साड़ी के पल्लू और दुपट्टे को वह हमेशा व्यवस्थित रखती थी फिर भी पुरुष सहकर्मियों की निगाहें उसे वस्त्रों के अंदर कुछ तलाशती सी महसूस होतीं। यह स्थिति रेखा के लिए बड़ी अजीब थी।

यही नहीं एक दिन तो हद ही हो गई, जब उसका एक पुरुष सहकर्मी जोकि उसमें बहुत रूचि लेने लगा था और जिसे रेखा ने समझाते हुए कहा भी था कि वह शादीशुदा है और उसका अपने पति पर पूरा विश्वास है तथा दोनों का मजबूत दांपत्य है। लेकिन इन सबके बावजूद वह कुछ समझने को तैयार नहीं था। उसने एक दिन प्रेमपत्र लिखा और रेखा की मेज पर छोड़ दिया। रेखा ने जब पत्र देखा तो वह गुस्से में आ गई और उसने वह पत्र अपनी एक महिला सहकर्मी को दिखाया तो उसने बताया कि आफिस में इसके पहले भी कुछ महिलाओं के साथ ऐसी घटनाएं घटी हैं। महिलाओं ने जब विरोध किया तो उन्हें बदनामी उठानी पड़ी। कुछ महिलाओं को तो इस बदनामी के चलते मजबूर हो कर नौकरी तक छोड़नी पड़ी। रेखा जैसी एक नहीं अनेकों महिलाएं हैं, जो अपने पुरुष सहकर्मियों के कारण मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान रहती हैं लेकिन अब इन महिलाओं को नौकरी छोड़ने या पुरुष सहकर्मियों से दबने की आवश्यकता नहीं है। आज केन्द्र सरकार सहित विभिन्न राज्य सरकारों में एक प्रकार के शिकायत प्रकोष्ठ की व्यवस्था है, जिनमें महिलाएं अपनी शिकायत दर्ज करवा सकती हैं। लेकिन होता यह है कि महिलाएं बदनामी के डर से किसी से शिकायत नहीं करतीं और स्वयं में घुट कर रह जाती हैं।

महिलाओं को यह समझना चाहिए कि बदलते परिदृश्य और आधुनिक जीवनशैली की एक आवश्यकता है कि वह घर की जिम्मेदारी संभालने के साथ-साथ आफिस की जिम्मेदारी भी संभालें। अगर कोई महिला कार्यालय के किसी सहयोगी से परामर्श लेती है, किसी बहस में गर्मजोशी से भाग लेती है तो पुरुष उस महिला के प्रति गलत धारणा बना लेता है। उसे लगता है कि वह महिला उसमें रूचि ले रही है। अतः वह इसका लाभ उठाने के लिए तैयार रहता है। कभी-कभी वह अनुचित प्रयास भी करता है। ऐसे में महिला यदि शिकायत भी करे, तो गलत उसे ही ठहराया जाता है। वैसे यह तथ्य भी उभर कर आया है कि कामकाजी महिलाओं को छेड़ने के मामले में उनके बॉस की भूमिका कम होती है। इस संदर्भ में कई लोगों का कहना है कि महिलाओं से छेड़छाड़ में सहयोगियों का हाथ ही अधिक होता है। कामकाजी महिलाएं ऐसे मामलों में परिवार के सदस्यों की बजाय दोस्तों से सलाह लेना अधिक पसंद करती हैं। खासकर वे इस बात की चर्चा अपने पति से कभी नहीं करतीं। उन्हें इस बात का भय रहता है कि पति उन्हें गलत समझेंगे और उनका दांपत्य टूट जाएगा।

महिलाओं को चाहिए कि वह आफिस में अपने काम से काम रखें और बेफालतू की बातों में न उलझें। वैसे पुरुष कर्मियों का भी यह फर्ज बनता है कि वह हंसी मजाक तो करें लेकिन उसकी एक सीमा हो। दोनों पक्षों को यह ध्यान रखना चाहिए कि वह मर्यादा की सीमा को न लांघें और न ही ऐसी स्थितयां पैदा करें जिससे दूसरा व्यक्ति मानसिक तनाव में आ जाए।

आर अश्विन 10 जून को रिलीज होने वाली अपनी आत्मकथा में क्रिकेट यात्रा का करेंगे खुलासा

एजेंसी

नई दिल्ली। अनुभवी भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन अपनी आत्मकथा में अपने लंबे और अनुभव से भरे क्रिकेट के सफ़र का खुलासा करने के लिए तैयार हैं, जो 10 जून को रिलीज़ होने वाली है। आई हैव द स्ट्रीट्सःए कुट्टी क्रिकेट स्टोरी शीर्षक वाली और लेखक सिद्धार्थ मोंगा के साथ अनुभवी

क्रिकेटर द्वारा लिखी गई आत्मकथा में अश्विन के क्रिकेट स्टार बनने से पहले के जीवन का एक स्पष्ट प्रतिबिंब बताया गया है। बचपन में स्वास्थ्य समस्याओं से जूझने से लेकर अपने मध्यम वर्गीय परिवार से लगातार और असाधारण समर्थन तक, अश्विन ने खुलासा किया कि यह किताब दुनिया के साथ यह सब साझा करने जा रही है। यह चेन्नई में क्रिकेट के शौकीन गृहनगर से आने वाले अश्विन के अपने प्रतिष्ठित करियर को आकार देने के अनुभव का भी पता लगाएगी। अश्विन ने एक बयान में कहा, एक क्रिकेटर बनने की अपनी कहानी साझा करते हुए मुझे खुशी हो रही है। इस किताब के माध्यम से, मुझे कई महत्वाकांक्षी Cricketers को प्रेरित करने की उम्मीद है।

एनरिक नोर्त्ज़े ने दक्षिण अफीका के लिए टी20 विश्व कप में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

नासाउ काउंटी। एनरिक नॉर्टजे ने पुरुषों के टी20 विश्व कप के इतिहास में दक्षिण अफ्रीका के लिए सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी के आंकड़े दर्ज करके History रच दिया। तेज गेंदबाज ने न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में वानिन्दु हसरंगा की श्रीलंका के खिलाफ 4-0-7-4 के आंकड़े के साथ मैच समाप्त किया। उन्होंने 2022 में प्रतिष्ठित सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर बांग्लादेश के खिलाफ 3.3-0-10-4 के आंकड़े के साथ अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया। नॉर्टजे ने टी20 विश्व कप में प्रोटियाज के लिए सबसे ज्यादा 4 विकेट लेने का रिकॉर्ड भी बनाया। उन्होंने मोर्ने मोर्कल के 2 विकेट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। तेज गेंदबाज मेगा इवेंट में दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज द्वारा सबसे ज्यादा विकेट लेने के डेल स्टेन के रिकॉर्ड को तोड़ने से केवल 7 विकेट दूर हैं। 11 मैचों में 24 विकेट लेकर, नॉर्टजे अब स्टेन के 30 विकेटों से बहुत दूर हैं।

टी20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के लिए सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़े

एनरिक नॉर्टजः श्रीलंका के खिलाफ 4-0-7-4, न्यूयॉर्क, 2024
एनरिक नॉर्टजेः बांग्लादेश के खिलाफ 3.3-0-10-4, सिडनी, 2022
वेन पार्नेलः वेस्टइंडीज के खिलाफ 4-0-13-4, द ओवल, 2009
जैक्स कैलिसः जिम्बाब्वे के खिलाफ 4-1-15-4, हंबनटोटा, 2012
मोर्ने मोर्कलः न्यूजीलैंड के खिलाफ 4-0-17-4, डरबन, 2007

विश्व कप के लिए 11.25 मिलियन अमेरिकी डॉलर की रिकॉर्ड पुरस्कार राशि की घोषणा की

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने टी20 विश्व कप के लिए 11.25 मिलियन अमेरिकी डॉलर की रिकॉर्ड पुरस्कार राशि की घोषणा की, जिसमें विजेता टीम को कम से कम 2.45 मिलियन अमेरिकी डॉलर मिलेंगे। उपविजेता टीम को कम से कम 1.28 मिलियन अमेरिकी डॉलर मिलेंगे, जबकि हारने वाले सेमीफाइनलिस्टों को 787,500 अमेरिकी डॉलर मिलेंगे। 2022 के पिछले संस्करण में कुल पुरस्कार राशि 5.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर थी, जिसमें विजेता इंग्लैंड को 1.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर मिले थे। ICC ने एक बयान में कहा, "ICC पुरुष T20 विश्व कप के नौवें संस्करण में 20 टीमों के टूर्नामेंट के विजेताओं को कम से कम US$2.45 million मिलेंगे, जो टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे अधिक पुरस्कार राशि है, साथ ही उन्हें 29 जून को बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल में ट्रॉफी भी मिलेगी।' सुपर 8 से बाहर होने में विफल रहने वाली चार टीमों में से प्रत्येक को 382,500 अमेरिकी डॉलर मिलेंगे, जबकि नौवें, 10वें, 11वें और 12वें स्थान पर रहने वाली टीमों को 247,500 अमेरिकी डॉलर मिलेंगे।

दूरदर्शन पर चल रहे T20 World Cup पेरिस ओलंपिक और विंबलडन का प्रसारण करेगा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रसार भारती ने घोषणा की कि वह अपने DD Sports Channel पर चल रहे टी20 विश्व कप, पेरिस ओलंपिक और विंबलडन का प्रसारण करेगा। यह घोषणा प्रसार भारती केCEO Gaurav Dwivedi ने यहां मीडिया से बातचीत के दौरान की। प्रसार भारती ने टी20 विश्व कप के लिए एक विशेष गान 'जज्बा' भी लॉन्च किया। दूरदर्शन ने घोषणा की कि 26 जुलाई से 11 अगस्त तक पेरिस ओलंपिक और 28 अगस्त से 8 सितंबर तक पेरिस पैरालिंपिक का लाइव, स्थगित लाइव और हाइलाइट्स चैनल पर प्रसारित किया जाएगा। यह 6 से 14 जुलाई तक भारत के जिम्बाब्वे दौरे का भी प्रसारण करेगा, जहां वे टी20 विश्व कप के बाद पांच टी20 मैच खेलेंगे, यह बात एक बयान में कही गई है। इसने कहा कि 27 जुलाई से 7 अगस्त तक श्रीलंका में भारत की व्हाइट-बॉल सीरीज़ का प्रसारण डीडी स्पोर्ट्स द्वारा किया जाएगा। फ्रेंच ओपन और विंबलडन के फाइनल का भी दूरदर्शन द्वारा प्रसारण किया जाएगा।

सीरी ए क्लब ग्रेमियो में शामिल हुए पूर्व ब्राजीली डिफेंडर रोड्रिगो काइओ

एजेंसी

रियो डी जेनेरियो। ब्राजील के पूर्व अंतरराष्ट्रीय डिफेंडर रोड्रिगो काइओ फ्री ट्रांसफर पर ग्रेमियो में शामिल हो गए हैं, ब्राजील के सीरी ए क्लब ने यह जानकारी दी। 30 वर्षीय खिलाड़ी, जो जनवरी में फ्लामेंगो से अलग होने के बाद से किसी क्लब से नहीं जुड़े थे, दिसंबर तक ग्रेमियो के साथ जुड़े रहेंगे। घुटने की समस्याओं के अपने इतिहास को देखते हुए, काइओ को प्रदर्शन-आधारित प्रोत्साहनों की एक श्रृंखला दी गई है, जिसमें 2024 से आगे अपने अनुबंध को बढ़ाने का विकल्प भी शामिल है।

ग्रेमियो ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, रोड्रिगो अपने करियर में कई खिताब जीतने वाले डिफेंडर हैं और अपने साथ कई चैंपियन बनने का अनुभव लेकर आए हैं। 2011 में साओ पाउलो से शुरू हुए अपने

पेशेवर करियर में काइओ ने ब्राजील के लिए पाँच बार खेला है। 2015 में, यह बताया गया कि सेंटर-बैक ने वालेंसिया के साथ पाँच साल का अनुबंध किया था, लेकिन दो मेडिकल में विफल होने के बाद यह सौदा टूट गया। फ़्लेमेंगो में, काइओ ने दो कोपा लिबर्टाडोरेस ट्रॉफ़ी, दो ब्राज़ीलियाई सीरी ए खिताब और एक कोपा डो ब्रासिल क्राउन जीता।

यूटीटी 2024: आठ टीमों ने आगामी सत्र के लिए नए कोचिंग सेटअप की घोषणा की

एजेंसी

मुंबई। अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) अपने कोच ड्राफ्ट इवेंट के बाद 2024 के रोमांचक सीज़न के लिए तैयार है, जहाँ आठों फ्रेंचाइजी ने एक विदेशी और एक भारतीय कोच का चयन किया है। इस साल, अहमदाबाद एसजी पाइपर्स और जयपुर पैट्रियट्स के रूप में दो नई टीमें भी आई हैं, जिससे लीग में हिस्सा लेने वाली टीमों की संख्या आठ हो गई हैं।

ड्राफ्ट में बेंगलुरु स्मैशर्स ने नीदरलैंड की एलेना टिमिना को चुना, जो चार बार की ओलंपियन हैं और जिन्होंने पिछले सीजन में गोवा चैलेंजर्स को जीत दिलाई थी। अहमदाबाद एसजी पाइपर्स ने अनुभवी फ्रांसिस्को सैंटोस को चुना, जो यूटीटी में उनकी पांचवीं भागीदारी है। दबंग दिल्ली टीटीसी और जयपुर पैट्रियट्स ने क्रमशः भारतीय कोच सचिन शेट्टी और सोमनाथ घोष को चुना।

चार भारतीय कोच अहमदाबाद एसजी पाइपर्स के साथ जय मोदक, बेंगलुरु स्मैशर्स के साथ अंशुमान रॉय, गोवा चैलेंजर्स के साथ पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन सुभाजीत साहा और चेन्नई लायंस के साथ सुबिन कुमार इस सीजन में अपना यूटीटी डेब्यू करेंगे। दबंग दिल्ली टीटीसी ने शेट्टी और स्लोवेनियाई कोच वेस्ना ओजस्टरसेक के सफल संयोजन को फिर से जोड़ा है, जिसका लक्ष्य 2019 के अपने उपविजेता प्रदर्शन को बेहतर बनाना है।

अन्य उल्लेखनीय नियुक्तियों में यू मुंबा ने जॉन मर्फी को चुना, जो इंग्लैंड टीम के वर्तमान मुख्य कोच हैं जबकि अंशुल गर्ग को बरकरार रखा है। गोवा चैलेंजर्स ने हंगरी की महिला टीम के कोच ज़ोल्टन बार्टोफी को चुना। चेन्नई लायंस का मार्गदर्शन स्वीडिश राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच टोबियास बर्गमैन करेंगे, जो अपना यूटीटी डेब्यू कर रहे हैं।

यूटीटी का आगामी सीजन 22 अगस्त से 7 सितंबर तक चेन्नई में होगा।

यूटीटी 2024 की टीमें और कोच (चयन के क्रम में):

बेंगलुरु स्मैशर्स- एलेना टिमिना (नीदरलैंड), अंशुमान रॉय

अहमदाबाद एसजी पाइपर्सः फ्रांसिस्को सैंटोस (पुर्तगाल), जय मोडक

दबंग दिल्ली टीटीसीः सचिन शेट्टी, वेस्ना ओजस्टरसेक (स्लोवेनिया)

रियल मैड्रिड ने किलियन एमबाप्पे के साथ किया पांच साल का अनुबंध

एजेंसी

मैड्रिड। रियल मैड्रिड ने पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) से फ्री ट्रांसफर पर फ्रांसीसी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी किलियन एमबाप्पे के साथ करार किया है। 25 वर्षीय फारवर्ड ने हाल ही में चैम्पियंस लीग विजेता के साथ पांच साल का अनुबंध किया है। स्ट्राइकर ने सोशल मीडिया पर लिखा, मैं अपने सपनों के क्लब रियल मैड्रिड में शामिल होने के लिए बेसब्र हूं। इस पल में मैं कितना खुश हूं, यह बताना असंभव है।

एमबाप्पे ने पीएसजी के लिए 308 मैचों में 256 गोल, मोनाको के लिए 60 मैचों में 27 गोल और फ्रेंच राष्ट्रीय टीम के लिए 77 मैचों में 46 गोल किया है। उनकी गति और शक्ति के साथ-साथ इन प्रभावशाली संख्याओं ने उन्हें यकीनन दुनिया का सबसे अच्छा स्ट्राइकर बना दिया है। मोनाको में उनके सफल होने के बाद से रियल मैड्रिड उनके साथ करार करने की कोशिश कर रहा था। एमबाप्पे वर्तमान में यूरोपीय चैंपियनशिप की तैयारी के लिए फ्रांसीसी राष्ट्रीय टीम के साथ हैं। रियल मैड्रिड को सप्ताहांत में एक और अच्छी खबर मिली, जिसमें पुष्टि की गई कि एमबाप्पे ओलंपिक खेलों में भाग नहीं लेंगे, जिसका अर्थ है कि वह 2024-2025 ला लीगा सीज़न की शुरुआत के लिए उपलब्ध रहेंगे, जो अगस्त के मध्य में शुरू होगा।

भारत-पाकिस्तान मैच को हो सकता है ISIS से खतरा

एजेंसी

मुरादाबाद। आतंकी हमले का खतरा भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले पर मंडरा गया है।Reportsमें दावा किया जा रहा है की इस सूचना के बाद सुरक्षा बढ़ा दी गई है। 9 जून कोNew Yorkके नासाउ स्टेडियम में खेला जायेगा। जहाँ मैच के दौरान आतंकी हमले का खतरा मंडरा रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, आतंकी समूह ISIS ने मैच से पहले आतंकी हमला करने की धमकी दी है। इस धमकी के बाद Stadiumकी सुरक्षा और कड़ी कर दी गई है। न्यूयॉर्क में स्नाइपर्स के साथ SWAT टीमों को तैनात कर दिया है। इसके अलावा सादे कपड़ों में पुलिस अधिकारी भी मैदान के अंदर काम करेंगे। साथ ही नारकोटिक्स डिवीजन के अधिकारी चार ड्रॉप द्वारा 24 घंटे पिचों की लगातार निगरानी कर रहे हैं। अभी से हर गतिविधियों पर स्टेडियम में निगाह रखी जा रही है।

केदार जाधव ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से लिया संन्यास

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर केदार जाधव ने तत्काल प्रभाव से खेल के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने की घोषणा की है। उन्होंने आखिरी बार 2020 में न्यूजीलैंड के खिलाफ ऑकलैंड में भारतीय टीम के लिए खेला था और इंग्लैंड में खेले गए 2019 विश्व कप में भी भारतीय टीम का हिस्सा थे। जाधव ने अपने संन्यास की पुष्टि करने के लिए ट्विटर का सहारा लिया और अपने करियर के दौरान सभी समर्थन और प्यार के लिए प्रशंसकों को धन्यवाद दिया। जाधव ने ट्वीट किया, मेरे पूरे करियर में आपके प्यार और समर्थन के लिए आप सभी का धन्यवाद, 3 बजे से मुझे क्रिकेट के सभी प्रारूपों से रिटायर मान लें। महाराष्ट्र के आक्रामक मध्यक्रम बल्लेबाज केदार जाधव आईपीएल में अपने डेब्यू पर दिल्ली डेयरडेविल्स के लिए 29 गेंदों में 50 रन बनाकर सुर्खियों में आए थे। उन्होंने 2008-09 के प्रथम श्रेणी सत्र के दौरान छह अर्द्धशतक और एक शतक बनाया और जिन्होंने उन्हें महाराष्ट्र के लिए बल्लेबाजी करते देखा है, वे उन्हें एक स्वाभाविक ट्वेंटी20 खिलाड़ी मानते हैं। वह शुरुआत में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर डेवलपमेंट स्क्वॉड का हिस्सा रहे, उन्हें दिल्ली ने ड्राफ्ट किया, जिसके

लिए बैंगलोर के खिलाफ उनकी पारी संघर्षरत सीज़न में एक बड़ी ताकत थी। आखिरकार वह 2016 में बैंगलोर फ़्रैंचाइज़ी में लौट आए।रणजी ट्रॉफी में, उन्होंने 2013-14 में बेहतरीन प्रदर्शन किया और छह शतकों सहित 1223 रन बनाकर सीजन के सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। उन्हें जून 2014 में बांग्लादेश के खिलाफ वनडे के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया, लेकिन टीम में मौका नहीं मिला। जाधव ने भारत के लिए अपना एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय पदार्पण 16 नवंबर 2024 को श्रीलंका के खिलाफ और अपना टी-20आई पदार्पण 17 जुलाई 2015 को जिम्बाब्वे के खिलाफ किया था। उन्होंने अपना आखिरी मैच 8 फरवरी 2020 में न्यूजीलैंड के खिलाफ ऑकलैंड में खेला। जाधव ने भारत के 73 एकदिवसीय मैच खेले और 42.09 की औसत से 1389 रन बनाए, इस दौरान उन्होंने 2 शतक और 6 अर्धशतक लगाए, उनका सर्वाधिक स्कोर 120 रन था, साथ ही उन्होंने 27 विकेट भी लिये।

वहीं 9 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने एक अर्धशतक की बदौलत 122 रन बनाए। उनका सर्वाधिक स्कोर 58 रन था।जाधव ने आईपीएल में 93 मैच खेले 123.17 के स्ट्राइक रेट से 1196 रन बनाए। आईपीएल में उनके नाम 4 अर्धशतक है, 69 रन उनका सर्वोच्च स्कोर है।केदार जाधव आईपीएल में दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स), रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, सनराइजर्स हैदराबाद और चेन्नई सुपर किंग्स का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

17 वर्षीय मीरा एंड्रीवा 19 साल में सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बनीं

मीरा एंड्रीवा 17 साल और 27 दिन की उम्र में फ्रेंच ओपन 2024 के क्वार्टर फाइनल के लिए Qualified करने वाली सदी की दूसरी सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गई हैं। इस प्रतिभाशाली खिलाड़ी ने अपने चौथे दौर के मैच में सुज़ैन-लेंगलेन में रूस की वरवारा ग्रेचेवा को 7-5, 6-2 से हराया। 15 साल और 288 दिन की उम्र में, सेसिल करातंचवा रोलांड गैरोस में क्वार्टर फाइनल तक पहुँचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बनी हुई हैं। लीना क्रास्नोरौत्स्काया, मारिया शारापोवा और निकोल वैदिसोवा भी इस सूची में शामिल हैं। इस साल की शुरुआत में, एंड्रीवा ऑस्ट्रेलियन ओपन के राउंड ऑफ़ 16 में बाहर हो गई थीं, लेकिन उन्होंने अपने खेल में बहुत सुधार किया है। जीत के बाद, एंड्रीवा बहुत खुश थीं, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि फ्रांसीसी दर्शकों के सामने खेलना मुश्किल था। इस युवा खिलाड़ी ने यह भी कहा कि वह दबाव में शांत रहने की कला सीखने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं। मुझे लगता है कि मैं बेहतर हो रही हूँ ÷यह अद्भुत लगता है। किसी दोस्त के साथ खेलना हमेशा कठिन होता है। मुझे पता था कि यह न केवल खेल के लिहाज से बल्कि मानसिक रूप से भी कठिन लड़ाई होगी।

फ्रांसीसी भीड़ के खिलाफ खेलना थोड़ा कठिन था। मैं वास्तव

में खुश हूं कि मैं इससे गुजरने में कामयाब रही। समर्थन के लिए धन्यवाद। सभी से नहीं, लेकिन आप में से कुछ लोगों से, ÷एंड्रीवा ने ऑन-कोर्ट साक्षात्कार में कहा। हमें इसके लिए अपने कोच को धन्यवाद देना चाहिए। यह उनका काम भी है... हमने इस पर एक साथ काम किया है। पिछले कुछ महीनों से हम एक साथ काम कर रहे हैं। मुझे लगता है कि मैं सुधार कर रही हूं। मैं वास्तव में खुश हूं कि आप देख सकते हैं कि मैं कठिन क्षणों में शांत रहती हूं। मैं इस पर वास्तव में कड़ी मेहनत कर रही हूं। मुझे वास्तव में खुशी है कि इसका भुगतान हो गया, एंड्रीवा ने कहा। एंड्रीवा के सामने एक Tough Challenge है क्योंकि उनका अगला मुकाबला वर्ल्ड नंबर 2 आर्यना सबालेंका से होगा, जिन्होंने चल रहे हार्ड-कोर्ट मेजर में अभी तक एक भी सेट नहीं गंवाया है। सबालेंका ने डब्ल्यूटीए सर्किट पर एंड्रीवा पर 2-0 की बढ़त भी बनाई थी।

आईएसएसएफ विश्व कप: पहले दिन भारतीय निशानेबाजों ने किया उत्साहजनक प्रदर्शन

एजेंसी

नई दिल्ली। म्यूनिख में चल रहे अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) विश्व कप के पहले दिन कई भारतीय राइफल और पिस्टल निशानेबाजों ने उत्साहजनक प्रदर्शन किया। ईशा सिंह ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल क्वालिफिकेशन के पहले राउंड में 293 अंक हासिल किए और कुल मिलाकर छठा स्थान हासिल किया।

10 मीटर एयर पिस्टल ट्रायल में दूसरे स्थान पर रहने वाली उनकी हमवतन रिदम सांगवान ने हालांकि 281 अंक हासिल किए और 68वें स्थान पर रहीं। इसके बाद 10 मीटर एयर राइफल निशानेबाजों की बारी आई और ट्रायल्स में शीर्ष पर रहे संदीप सिंह क्वालीफिकेशन से चूक गए (काउंटबैक पर) और वह 631.4 के स्कोर के साथ नौवें स्थान पर रहे। दिव्यांश पंवार 631.2 के साथ 12वें स्थान पर रहे जबकि रुद्राक्ष पाटिल ने 630.7 अंक हासिल कर 17वां स्थान हासिल किया। हालांकि, सर्वश्रेष्ठ भारतीय अर्जुन बाबूता रहे, जिन्होंने केवल रैंकिंग पॉइंट (आरपीओ) के लिए शूटिंग करते हुए 635.1 अंक हासिल किए, जो उनका कुल मिलाकर इस इवेंट में दिन

का दूसरा सर्वश्रेष्ठ स्कोर था।

महिलाओं की एयर राइफल में रमिता ने 633.0 अंक के साथ चौथे स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई। तिलोत्तमा सेन और एलावेनिल वलारिवन, अन्य दो भारतीय दावेदारों ने 629.3 और 628.3 अंक हासिल कर क्रमशः 30वें और 45वें स्थान पर रहीं।

राहुल द्रविड़ ने पुष्टि की कि टी20 विश्व कप भारत के कोच के रूप में उनका आखिरी काम होगा

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ ने घोषणा की है कि आगामी टी20 विश्व कप भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के रूप में उनका आखिरी कार्यभार होगा। न्यूयॉर्क में आयरलैंड के खिलाफ भारत के पहले मैच से पहले बोलते हुए द्रविड़ ने कहा, 'यह आखिरी ऐसा मैच होगा, जिसकी I will take the responsibility" द्रविड़ ने व्यस्त कार्यक्रम और अपनी मौजूदा जीवन अवस्था को इस पद के लिए दोबारा आवेदन न करने का कारण बताया। आयरलैंड के खिलाफ भारत के विश्व कप के पहले मैच से पहले पत्रकारों से बात करते हुए द्रविड़ ने कहा कि उन्होंने अपने कोचिंग कार्यकाल का हर पल का लुत्फ उठाया।

हर टूर्नामेंट महत्वपूर्ण होता है। भारत के लिए मैंने जो भी मैच कोचिंग की है, वह मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण रहा है। इसलिए मेरे लिए यह कोई अलग नहीं है, क्योंकि यह

आखिरी ऐसा मैच होगा, जिसकी जिम्मेदारी मैं संभालूंगा, उन्होंने यह पूछे जाने पर कि क्या यह टूर्नामेंट टीम की जिम्मेदारी संभालने के लिए उनका आखिरी टूर्नामेंट था, कहा। पूर्व भारतीय कप्तान ने उस साल टी20 विश्व कप के बाद नवंबर 2021 में टीम की कमान संभाली थी। उन्होंने कहा, मुझे यह काम करना बहुत पसंद है।

मुझे भारत को कोचिंग देने में बहुत मज़ा आया और मुझे लगता है कि यह वाकई एक खास काम है। मुझे इस टीम के साथ काम करने में मज़ा आया और यह काम करने वाले बेहतरीन लोगों का समूह है, लेकिन हाँ, दुर्भाग्य से जिस तरह के शेड्यूल हैं और मैं अपने जीवन के जिस पड़ाव पर हूँ, उसे देखते हुए मुझे नहीं लगता कि मैं फिर से आवेदन कर पाऊँगा। तो हाँ, जाहिर है कि यह मेरा आखिरी काम होगा, लेकिन ईमानदारी से कहूँ तो मेरे लिए भी यह अलग नहीं है। जब से मैंने यह काम संभाला है, मुझे हमेशा लगा है कि हर

Game is important है और हर खेल मायने रखता है और यह नहीं बदलेगा, उन्होंने जोर देकर कहा। भारत का लक्ष्य एक मायावी ICC ट्रॉफी जीतना और कोच को एक बेहतरीन विदाई देना होगा।

इरफान पठान ने श्रीलंका की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 77 रन की पारी के बाद न्यूयॉर्क की पिच की आलोचना

एजेंसी

नासाउ काउंटी। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने टी20 विश्व कप 2024 के ग्रुप डी मैच में श्रीलंका के 19.1 ओवर में 77 रन पर आउट होने के बाद न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी इंटरनेशनल Cricket Stadium की पिच की न्यूयॉर्क में इसी मैदान पर रविवार 9 जून को रोहित शर्मा की भारत और बाबर आज़म की पाकिस्तान के बीच मैच खेला जाएगा। श्रीलंका के बल्लेबाज़ों ने एनरिक नोर्टजे को हराया पहले बल्लेबाज़ी करने के लिए बुलाए जाने के बाद, श्रीलंकाई बल्लेबाज़ों ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। आइलैंडर्स ने

आलोचना की। पहले बल्लेबाजी करने के लिए कहे जाने के बाद, श्रीलंका को इस बात का कोई अंदाजा नहीं था कि प्रोटियाज गेंदबाजी आक्रमण का सामना कैसे करना है। श्रीलंका टी20ई में अपने सबसे कम स्कोर पर भी लुढ़क गई। कुसल मेंडिस, कामिंडु मेंडिस और एंजेलो मैथ्यूज दोहरे अंकों में पहुंचे, लेकिन बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रहे। मेंडिस उनके शीर्ष स्कोरर रहे जिन्होंने 30 गेंदों पर एक चौके की मदद से 19 रन बनाए, इससे पहले एनरिक नॉर्टजे ने क्रीज पर उनकी दयनीय स्थिति को समाप्त किया। पहली पारी के बाद, इरफान ने कहा कि न्यूयॉर्क की पिच किसी भी तरह से टी20 क्रिकेट के लिए आदर्श नहीं है। इरफान ने 'एक्स' पर लिखा, टी20 क्रिकेट के लिए आदर्श पिच नहीं है। पावरप्ले में सिर्फ़ 1 विकेट खोने के बावजूद सिर्फ़ 24 रन बनाए। पावरप्ले के बाद भी, वे कभी भी गति नहीं दिखा पाए। एनरिक नोर्टजे, जो आईपीएल में डीसी के लिए खेलते हुए Best Form में नहीं थे, ख़तरनाक नज़र आए। उन्होंने 4-0-7-4 के आँकड़ों के साथ मैच समाप्त किया और पुरुष टी20 विश्व कप के इतिहास में किसी दक्षिण अफ्रीकी द्वारा सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज़ी का रिकॉर्ड बनाया। कगिसो रबाडा और बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज ने 2-2 विकेट लिए। ओटनील बार्टमैन ने भी 4-1-9-1 के आँकड़ों के साथ अपना काम बखूबी निभाया। मार्को जेनसन 3.1-0-15-0 के आँकड़ों के बाद कोई सफलता हासिल करने में विफल रहे।

बूढ़े शख्स के भेष में क्रिकेट खेल रहा था ये क्रिकेटर, देखकर चौके लोग

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह एक विज्ञापन के लिए नए अवतार में नज़र आए, जिसे उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया।युवराज Yuvraj भारत के अब तक के सबसे महान ऑलराउंडरों all-rounder में से एक हैं। 41 वर्षीय युवराज 2007 T20 World Cup, 2011 वनडे विश्व कप और 2013 चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे।अपने इंस्टाग्राम Instagram हैंडल पर शेयर किए गए एक वीडियो में, युवराज सिंह को एक बूढ़े व्यक्ति के रूप में पहचाना जा सकता था और गाँव के आसपास के लोग सोच रहे थे कि यह बुजुर्ग व्यक्ति कौन है। सिंह ने गेंद को हिट करने से पहले एक डॉट बॉल दी और लोग उनकी बल्लेबाजी कौशल से दंग रह गए। कुछ गेंदें मारने के बाद, युवराज सिंह ने एक बूढ़े व्यक्ति के रूप में मेकअप हटा दिया और अपनी असली पहचान बताई, जिससे हर कोई हैरान रह गया। भारत के पूर्व

ऑलराउंडर ने ब्रांड के प्रचार अभियान के तहत लोगों पर एक छोटा सा प्रैंक किया।युवराज सिंह ने लोगों पर प्रैंक करने के लिए Battery.ai के साथ सहयोग किया। 41 वर्षीय युवराज बैटरी.एआई के विज्ञापन में नज़र आ सकते हैं।युवराज सिंह ने जून 2019 में पेशेवर क्रिकेट से संन्यास ले लिया। उन्होंने 402 मैच खेले और 35.05 की औसत से 17 शतकों सहित 11778 रन बनाए। गेंद से, युवराज ने 36.08 की औसत से 148 विकेट लिए।युवराज सिंह ने टीम इंडिया के लिए आखिरी बार जून 2019 में वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय मैच में हिस्सा लिया था।रिटायरमेंट के बाद, युवराज सिंह अपनी संस्था %यूवीकैन% के माध्यम से चैरिटी के काम में शामिल रहे हैं और लीजेंड्स लीग क्रिकेट में इंडिया लीजेंड्स के लिए भी खेले हैं।युवराज एक बार फिर क्रिकेट में वापसी करेंगे, जब वह यूके में होने वाली वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के उद्घाटन संस्करण में इंडिया चैंपियंस की अगुआई करेंगे।

तौबा तौबा अल्लाह खैर करे...

उर्फी जावेद

के चेहरे का हुआ ऐसा हाल, डर गए लोग

उर्फी जावेद सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. अक्सर वो अपने फैन्स के साथ यूनिक आउटफिट में फोटोज शेयर करती रहती हैं. लेकिन इस बार जो उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर फोटोज शेयर की हैं. उन्हें देखकर उनके फैन्स चिंता में पड़ गए हैं. दरअसल उर्फी ने अपने चेहरे की कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की. इसमें उनका चेहरा पूरा सूजा हुआ दिखाई दे रहा है.उर्फी ने एक फोटो अपने हाफ फेस की फोटो शेयर की. इसमें उनकी आंखों पर आ रही सूजन को साफ देखा जा सकता है. इसके अलावा दूसरी फोटो में पूरे फेस पर सूजन और लाल निशान भी दिखाई दे रहे हैं. फोटोज शेयर करते हुए उर्फी ने खुद ये जानकारी दी कि उनके चेहरे पर एलर्जी हुई है. उन्होंने ये भी बताया कि उनका चेहरा ज्यादातर सूजा हुआ ही रहता है. उन्होंने लिखा, मुझे अपने फेस के लिए काफी रिमार्क मिल रहे हैं कि मैं हद से ज्यादा फिलर्स करवा रही हूं. मुझे मेजर एलर्जी है. मेरा फेस ज्यादातर सूजा हुआ रहता है.

18 साल की उम्र से करवा रही हूं...

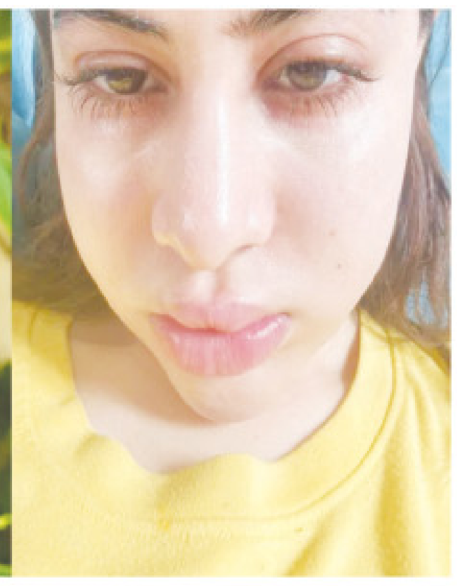

उन्होंने आगे लिखा, मैं हर दूसरे दिन इसी तरह उठती हूं और मेरा चेहरा हमेशा सूजा हुआ रहता है. मैं हमेशा एक्सट्रीम डिस्कम्फर्ट में रहती हूं. ये फिलर्स नहीं है दोस्तों, एलर्जी है. इम्यूनोथेरेपी चालू है. लेकिन अगर अगली बार आप मुझे सूजे हुए चेहरे के साथ देखेंगे, तो बस इतना जान लीजिए कि मैं एलर्जी के उन बुरे दिनों में से एक से गुजर रही हूं. मैंने अपने नॉर्मल फिलर्स और बोटोक्स के अलावा कुछ भी नहीं करवाया है, जो मैं 18 साल की उम्र से करवा रही हूं. अगर आप मेरा फेस सूजा हुआ देखें तो मुझे और फिलर न लेने की सलाह न दें, बस सिंपथी दें और मूव ऑन करें.

तौबा तौबा अल्लाह खैर करे...

ये भी किसी से नहीं छुपा है कि उर्फी अपने चेहरे पर कई बार फिलर्स और बोटोक्स करा चुकी हैं. उन्होंने खुद इस बात को माना भी है. अब की पोस्ट देखकर लोगों ने कमेंट करने शुरू कर दिए हैं. एक यूजर ने लिखा, तौबा तौबा अल्लाह खैर करे, बहुत मनहूस लग रहे हो दूसरे ने लिखा, और कराओ प्लास्टिक सर्जरी बिट्टू नाम के यूजर ने लिखा, हुलिया ही बदल दिया एक और ने लिखा, पुलिस वाली ने धो दिया क्या दीदी वहीं कुछ लोग उर्फी के लिए दुआ भी कर रहे हैं कि वो जल्दी ठीक हो जाए.

दूसरा सीजन अनाउंस होते ही 'हीरामंडी 2' की कहानी पता चल गई!

संजय लीला भंसाली ने 'हीरामंडी' बनाई. तारीफ से ज्यादा आलोचना झेली. खासकर इसके एक्टर्स को जनता ने तबीयत से ट्रोल किया. ऐसे में भंसाली ने इस नेटफ्लिक्स सीरीज का दूसरा सीजन भी अनाउंस कर दिया है. दूसरा सीजन अनाउंस करते हुए भंसाली ने इसकी कहानी का भी हिंट दे दिया है.अब भारत देश आजाद हो चुका है. देश के दो टुकड़े हो चुके हैं. पार्टीशन के बाद तवायफ लाहौर से मुंबई और कोलकाता फिल्म इंडस्ट्री आकर बसेंगी. यहीं से कहानी आगे बढ़ेगी.

क्या होगी कहानी ?

भंसाली ने बताया- पार्टीशन के बाद तवायफें लाहौर छोड़ देती हैं, और उनमें से ज्यादातर या तो मुंबई फिल्म इंडस्ट्री या फिर कोलकाता फिल्म इंडस्ट्री में आकर बस जाती हैं. उनका सफर जारी रहता है. उन्हें अभी भी नाचना और गाना पड़ेगा, पर इस बार नवाबों के लिए नहीं बल्कि फिल्मी प्रोड्यूसर्स के लिए. हम इस तरह से दूसरा सीजन प्लान कर रहे हैं, बाकी देखते हैं हमारी प्लानिंग किस दिशा में आगे बढ़ती है.दूसरे सीजंन को लेकर सोशल मीडिया की जनता कुछ खास उत्साहित नहीं है. क्योंकि पहले सीजन को बहुत ट्रोल किया गया था. खासकर संजय लीला भंसाली की भांजी शर्मिन सैगल को उनकी एक्टिंग पर खूब आलोचना झेलनी पड़ी थी. 'हीरामंडी' के पहले सीजन का बजट 200 करोड़ के आसपास बताया गया था. लेकिन प्रोडक्ट कुछ खास निकलर आया नहीं. अब देखते हैं कि दूसरे सीजन में भंसाली पहले सीजन की भरपाई कर पाते हैं या नहीं.

2026 में शुरू हो सकती है शूटिंग ?

रिपोर्ट्स के मुताबिक सीरीज का दूसरा सीजन 2026 तक फ्लोर पर जा सकता है. इससे पहले भंसाली अपनी फिल्म 'लव एंड वॉर' शुरू करेंगे. इसमें रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विकी कौशल लीड रोल में हैं. इसकि शूटिंग इसी साल शुरू होने की संभावना जताई जा रही है. इसके अलावा खबर ये भी है कि भंसाली और राम चरण मिलकर एक फिल्म बनाने वाले हैं. ये फिल्म अमीश त्रिपाठी की किताब 'लीजेंड ऑफ सुहेलदेव' पर आधारित होगी.

'कोटा फैक्ट्री 3' से 'गुल्लक 4' तक, जून में स्ट्रीम होने जा रही हैं ये धमाकेदार वेब सीरीज

मई में कई वेब सीरीज स्ट्रीम हुईं. 'पंचायत' का तीसरा सीजन भी मई में आ गया है. इसका दर्शकों को बेसब्री से इंतजार था. अब जून में भी कई धमाकेदार वेब सीरीज आने वाली है. चलिए आपको बताते हैं कि इस महीने किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर कौन सी वेब सीरीज कब स्ट्रीम होंगी. इनका लुत्फ आप घर बैठे आराम से उठा सकते हैं.

द लीजेंड ऑफ हनुमान सीजन 4 रिलीज डेट: 5 जून

'द लीजेंड ऑफ हनुमान' का चौथा सीजन डिज्नी+हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगा. ये एक एनिमेटेड वेब सीरीज है. हाल ही में इसका ट्रेलर जारी किया गया था, जिसे देखकर फैन्स की एक्साइमेंट बढ़ गई. अब सीरीज का इंतजार किया जा रहा है. इसकी स्टोरी शरद केलकर सुना रहे हैं. इसे आप अपनी लिस्ट में शामिल कर सकते हैं.

स्वीट टूथ सीजन 3 रिलीज डेट 6 जून

'स्वीट टूथ' का तीसरा सीजन जल्द ही आने वाला है. इसे आप नेटफ्लिक्स पर देख सकेंगे. इस सीरीज में एक दुनिया दिखाई गई है, जहां पर एक वायरस से इंसान मर रहे हैं. इसकी वजह से आधी आबादी खत्म हो चुकी है. इसमें एक छोटा सा बच्चा दिखाया गया है, जिसका कुछ शरीर हिरण का है और बाकी इंसान का है.

गुल्लक सीजन 4 रिलीज डेट7 जून

'गुल्लक' के तीन सीजन पहले ही आ चुके हैं. अब दर्शकों को इसके अगले सीजन का इंतजार है. लेकिन 2 साल के बाद ये इंतजार खत्म होने जा रहा है. ये वेब सीरीज एक मिडिल क्लास फैमिली पर बेस्ड है. पिछले सीजन की स्टोरी अन्नू मिश्रा को नौकरी मिलने से शुरू हुई थी. अब इस बार अमन मिश्रा की लव स्टोरी देखने को मिलेगी. ट्रेलर आने के बाद से ही इसको लेकर दर्शक काफी एक्साइटेड हैं. इसे आप सोनी लिव पर देख पाएंगे.

हाउस ऑफ द ड्रैगन 2 रिलीज डेट 16 जून

हाल ही में 'हाउस ऑफ ड्रैगन' के सीजन 2 का ऑफिशियल ट्रेलर जियो सिनेमा की ओर से जारी किया गया था. इसमें 8 एपिसोड होंगे. ये सीरीज इंग्लिश, हिंदी, तमिल, तेलुगू, कन्नड़, बंगाली और मराठी सभी भाषाओं में स्ट्रीम होगी. 'गेम ऑफ थ्रोन्स' के करीब 200 साल पहले की कहानी 'हाउस ऑफ द ड्रैगन' में आपको देखने को मिलेगी.

नहीं सुधरे

आसिम रियाज

रोहित शेट्टी ने किया 'खतरों के खिलाड़ी 14' से

आसिम रियाज उनके बेबाक अंदाज के लिए जाने जाते हैं. कुछ साल पहले उन्होंने कहा था कि उन्हें बिग बॉस के बाद कई बड़े प्रोजेक्ट ऑफर हुए थे. लेकिन सही फीस न मिलने की वजह से उन्होंने इन प्रोजेक्ट्स को करने से मना कर दिया.

और शायद यही वजह है कि 'बिग बॉस 13' के बाद आसिम रियाज ज्यादातर म्यूजिक वीडियो करते हुए नजर आए. अब 4 साल बाद रोहित शेट्टी के शो 'खतरों के खिलाड़ी' के सीजन 14 से आसिम टीवी पर अपनी वापसी करने जा रहे हैं. लेकिन सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक रोहित शेट्टी ने आसिम रियाज के ऐटिट्यूड के चलते उन्हें शो से बाहर कर दिया है.

दरअसल कलर्स टीवी के एडवेंचर रियलिटी शो का हिस्सा होने के बावजूद आसिम न तो 'खतरों के खिलाड़ी' के कंटेस्टेंट के लिए आयोजित की गई प्रेस कांफ्रेंस में शामिल हुए थे, न ही उन्होंने सभी खिलाडियों के साथ रोमानिया के लिए फ्लाइट ली थी. कहा गया था कि अपनी कमिटमेंट के चलते आसिम रोमानिया दूसरी फ्लाइट से पहुंचने वाले हैं. वैसे तो उनके फैन्स अपने इस पसंदीदा एक्टर को रोहित शेट्टी के शो में देखने के लिए बेहद एक्साइटेड थे. लेकिन अब रोमानिया से आसिम फैन्स के लिए बुरी खबर आ रही हैं.

बदतमीजी के चलते हो गए बाहर

ई-टाइम्स टीवी के रिपोर्ट्स के मुताबिक 'खतरों के खिलाड़ी' की शूटिंग के समय आसिम रियाज एक टास्क बुरी तरह से हार गए. लेकिन टास्क हारने के बावजूद आसिम ने शो के होस्ट रोहित शेट्टी से बहस करना शुरू कर दिया. और उनकी इस बदतमीजी के चलते उन्हें शो से बाहर कर दिया गया.

हालांकि आसिम रियाज को बाहर निकालने की खबर को लेकर अब तक कलर्स टीवी की पीआर टीम की तरफ से किसी भी प्रकार की पुष्टि नहीं की गई है. आपको बता दें, आसिम रियाज के साथ सुमोना चक्रवर्ती, शालीन भनोट, अभिषेक कुमार, कृष्णा श्रॉफ, गश्मीर महाजनी, आशीष मेहरोत्रा जैसे कई सेलिब्रिटी रोहित शेट्टी के इस मजेदार रियलिटी शो का हिस्सा हैं.